हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

रांची, औरंगाबाद एवं आरा से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.sonvarshavani.com

● रांची ● वर्ष -04 ● अंक - 115 ● शनिवार 08 जून 2024 ● रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 ● पृष्ठ -12 ● मूल्य : 2 रुपये

ईवीएम को आराम करने दो, अगले चुनाव में फिर गाली खाएगी

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बोले-अब तो परिणाम सबके सामने है

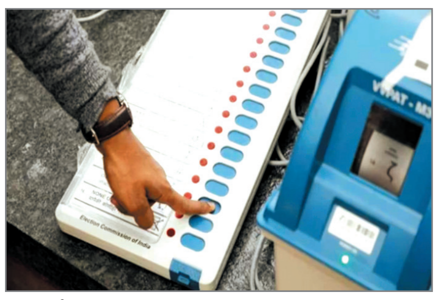

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 संपन्न हो चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अधिसूचना भी सौंप दी है। इसी बीच मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर उठने वाले सवालों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ईवीएम को अब आराम करने दीजिए, क्योंकि अगले चुनाव में फिर उसे गाली खानी है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान आयुक्त कुमार ने कहा, अब तो सबके सामने है। अब तो सबको पता है। उसको बेचारी को क्यों पीटना है। उसको उससे दूर रहते हैं। थोड़े दिन उसको भी आराम करने दीजिए। अगले चुनाव में बाहर आएगी। फिर उसी तरह से उठेगी, बैटरी बदलेंगे, पेपर बदलेंगे, फिर वो गाली खाएगी। फिर वो अपना रिजल्ट अच्छे से दिखाएगी। उन्होंने आगे कहा, पिछले 20-22 इलेक्शन से ऐसे रिजल्ट दिखा रही है। सरकार एक

जगह से दूसरी जगह बदलती चली जाती हैं पूरे राज्यों में बहुत सारों में। तो उसका शायद जब मुहूर्त ऐसा था जब जन्म हुआ तब ऐसा था कि उसे गाली खानी है। वो बहुत भरोसेमंद चीज है और तटस्थ हो चुकी है और अपना काम करती रहती है। पीटीआई भाषा के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने हिंसा मुक्त लोकसभा चुनाव को गुरुवार को महात्मा गांधी को समर्पित किया और कहा कि आयोग ने देश में अशांति पैदा कर सकने वाली अफवाहों एवं बेबुनियाद संदेहों से चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतार देने की कोशिश को पूरी तरह विफल कर दिया। आयुक्त कुमार और चुनाव आयुक्त द्वय ज्ञानेश कुमार एवं एसएस संधू राष्ट्रपति मुर्मू को 18 वीं लोकसभा के गठन की अधिसूचना सौंपने के बाद महात्मा गांधी के स्मारक गए।

मंगलवार को घोषित हुए नतीजों के मुताबिक, देश की 543 लोकसभा सीटों में से 293 एनडीए यानी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के खाते में आई हैं। जबकि, 233 सीटें विपक्षी गठबंधन इंडिया को मिली हैं।

बाजार में बहार, सेंसेक्स 2 फीसदी से ज्यादा उछला

- **रिकॉर्ड 76,795 पर पहुंचा, लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले के स्तर को पार किया, निफ्टी 23,290 पर बंद**

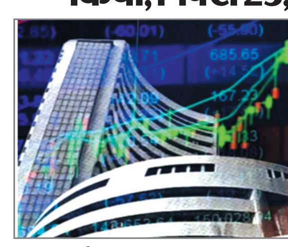

मुंबई (एजेंसी)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी, 7 जून को बाजार ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। दिन के कारोबार में सेंसेक्स 76,795 के स्तर पर पहुंचा। हालांकि, बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 1,618 अंक की बढ़त के साथ 76,693 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी कारोबार के दौरान करीब 500 अंकों की बढ़त देखने को मिली और ये 23,320 के स्तर पर पहुंचा। बाद में बाजार बंद होने पर निफ्टी 468 अंक की बढ़त के साथ 23,290 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में तेजी है। आज सबसे ज्यादा तेजी आईटी और ऑटो शेयरों में है। एम एन्ड एम का शेयर सबसे ज्यादा 6 फीसदी चढ़ा है। वहीं आईटी कंपनी विप्रो और टेक महिंद्रा में करीब 5 फीसदी की तेजी है। टाटा स्टील, इंफोसिस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 4 फीसदी से ज्यादा चढ़े हैं। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है।

राष्ट्रपति ने मोदी को दिया नई सरकार बनाने का न्योता

- 9 जून को शपथ ग्रहण; पीएम ने कहा-18वीं लोकसभा कुछ कर गुजरने वाली रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद अब सरकार बनाने की कवायद चल रही है। इसी क्रम में संसद भवन में एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई। इस बैठक में एनडीए के तमाम घटक दल के नेता शामिल हुए और राजनाथ सिंह की ओर से पीएम मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता नामित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया गया। इस निर्णय के बाद एनडीए की ओर से सरकार बनाने का दावा पेश किया। एनडीए की तरफ से नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने मोदी को सरकार बनाने का न्यौता दिया। वरिष्ठ भाजपा नेता प्रहलाद जोशी ने घोषणा की कि 73 वर्षीय मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

पीएम मोदी ने आंकड़ों से राहुल गांधी को दिखाया 'आईना'

- **कहा-कांग्रेस को 2014 से 2024 तक जितनी सीटें मिलीं, उससे ज्यादा ले आए, फिर हारे कैसे**

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के उस नैरेटिव पर हमला बोला है, जिसके तहत कहा जा रहा है कि देश ने भाजपा के खिलाफ जनादेश दिया है। एनडीए का नेता चुने जाने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि आप सोचिए कि 10 साल बाद भी कांग्रेस 100 के आंकड़े को नहीं छू पाई। 2014, 2019 और 2014 के तीन चुनाव में जितनी सीटें उन्हें मिली हैं, उससे ज्यादा हमें इस चुनाव में मिली हैं। मैं साफ देख रहा था कि पहले तो ये लोग डूब रहे थे, अब तेज गति से गर्त में जाने वाले हैं। उन्होंने कहा, दो दिन ऐसा माहौल बना दिया कि जैसे हम तो गए। आंकड़ों के हिसाब से देखें

तो यह सबसे मजबूत गठबंधन की सरकार है। लेकिन कोशिश यह की गई कि इस विजय को स्वीकार न किया जाए। इसको पराजय की छाया में डुबा कर रखा जाए। लेकिन ऐसी चीजों की बाल मृत्यु हो जाती है। मोदी ने कहा कि हम न हारे थे और न हारे हैं।

एनडीए के नेता चुने गए मोदी, नीतिश-चंद्रबाबू ने किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की संसदीय दल का लगातार तीसरी बार नेता चुना गया। पुराने संसद (संविधान सदन) के सेंट्रल हॉल में सुबह 11 बजे शुरू हुई मीटिंग में 13 दलों के नेता शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा– मुझे नया दायित्व देने के लिए आभार। मेरा एक ही लक्ष्य है– भारत माता और देश का विकास। बैठक में एनडीए के सभी 293 सांसद, राज्यसभा सांसद और सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम मौजूद थे। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वागत भाषण दिया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा। अमित शाह ने इसका समर्थन किया और नितिन गडकरी ने अनुमोदन किया। जेडीएस अध्यक्ष कुमारस्वामी ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

केजरीवाल को रेगुलर बेल के लिए करना होगा और इंतजार

- 14 जून तक टली सुनवाई, दिल्ली के सीएम की बढ़ गई मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल को नियमित जमानत के लिए और इंतजार करना होगा। राउज एवेन्यू की स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को इस केस की सुनवाई करते हुए केजरीवाल की नियमित जमानत को 14 जून तक के लिए टाल दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और अतिरिक्त लोक अभियोजक जोहैब हुसैन पेश हुए।

वहीं, केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ वकील हरिहरन अपना पक्ष रखा। हरिहरन ने अदालत से कहा कि प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से उन्हें कुछ देर पहले ही रिप्लाई मिला है। ऐसे में मामले को अवकाश जज के पास भेज दिया जाए।

छत्तीसगढ़ में मॉब-लिंचिंग 2 युवकों की हो गई मौत

- मवेशी ले जाने पर 10-12 लड़कों ने पीछा किया फिर जमकर पीटा; महानदी में मिली लाश

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में दो युवकों की मॉब लिंचिंग में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को आरंग थाना इलाके में 3 लोग ट्रक में मवेशी भरकर ले जा रहे थे। इसी दौरान 10 से 12 लड़कों ने उनका पीछा किया और फिर ट्रक को महानदी पुल पर घेर लिया। इसके बाद कई लड़कों ने ट्रक में सवार 3 लोगों की जमकर पिटाई कर दी। इनमें से एक युवक की लाश महानदी में मिली वहीं एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल है जिसका रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज जारी है। फिलहाल दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद मौत की असल वजह सामने आ पाएगी। जानकारी के मुताबिक, ये पूरी घटना शुक्रवार रात ढाई बजे के करीब की है।

आ गई खुशखबरी

250 किमी प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ेगी 'वंदे भारत बुलेट ट्रेन'

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे लोकप्रिय वंदे भारत ट्रेन के ऐलान के बाद लोग बुलेट ट्रेन की सौगात का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि भारतीय रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) को चालू वित्त वर्ष के भीतर दो मानक-गेज बुलेट ट्रेनों का घरेलू उत्पादन करने का काम सौंपा है। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, यह निर्णय तब लिया गया जब जापान के साथ बुलेट ट्रेन की डील में बाधाएं आने लगीं। रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीएफ में 250 किलोमीटर की स्पीड से चलने वाली ट्रेन का निर्माण करेगा। खास बात यह कि इस बुलेट ट्रेन को वंदे भारत के प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जाएगा। इन ट्रेनों को 1.08 लाख करोड़ रुपये की लागत वाले मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरीडोर पर चलाने का

इरादा है। संभावना है कि इन ट्रेनों का निर्माण वंदे भारत प्लेटफॉर्म का उपयोग करके किया जाएगा। वंदे भारत का मौजूदा प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से आईसीएफ को ट्रेन सेट की डिलीवरी में लगने वाले समय कम हो जाएगा। हालांकि, रिपोर्ट की मानें तो विशेषज्ञों का कहना है कि इस वित्तीय वर्ष के भीतर उनके के लिए इन ट्रेनों की आपूर्ति करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा।

कश्मीर से भी ज्यादा केरल में हुआ बीजेपी कार्यकर्ताओं पर जुल्म

- 1 सीट मिलने पर भी गदगद हैं मोदी, एलडीएफ और यूडीएफ दोनों को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एनडीए के सभी दलों को धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के परिणाम पर राज्यों के हिसाब से विवरण देते हुए केरल के नतीजों को काफी सराहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा और एनडीए के कार्यकर्ताओं ने केरल में जितना जुल्म सहा है, उतना जुल्म कश्मीर में भी नहीं हुआ है। उन्होंने इसके लिए एलडीएफ और यूडीएफ को निशाने पर लिया। केरल की दो सीटों पर बीजेपी ने काफी शानदार प्रदर्शन किया। त्रिशूर लोकसभा सीट जीतकर इतिहास रच दिया है।

इधर-उधर कुछ लोग जीते हैं, आप उन्हें भी हरा देंगे

एनडीए की मीटिंग में बिहार सीएम नीतिश कुमार का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन में शुक्रवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक के दौरान नीतिश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, एकनाथ शिंदे, चिराग पासवान सहित एनडीए के तमाम घटक दलों के नेताओं ने नरेंद्र मोदी के नाम का समर्थन देश के अगले प्रधानमंत्री पद के लिए किया।

इस दौरान नीतिश कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पूरी तरह से आपके साथ हूं। 10 साल में आपने काफी काम किया है। आने वाले समय में जो भी कुछ काम बचा है उसे आप पूरा करेंगे। ऐसा करके आप विरोधियों के लिए कोई जगह नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी जेडीयू नरेंद्र मोदी जी को भारत के प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन देती है। इन्होंने पूरे देश की सेवा की है। हम पूरे तौर पर इनके साथ रहेंगे। लोग बिना मतलब के बात बोल रहे हैं। नीतिश कुमार ने कहा कि आप अगली बार जब आएंगे तो सब जीत जाएंगे।

मानहानि केस में राहुल गांधी को बड़ी राहत

- कर्नाटक की एक विशेष अदालत ने दी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई द्वारा दर्ज कराए गए मानहानि के एक मामले में यहां एक विशेष अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को शुक्रवार को जमानत दे दी। मामला पिछले साल राज्य विधानसभा चुनाव से पहले प्रमुख अखबारों में कथित रूप से 'अपमानजनक' विज्ञापन जारी करने से संबंधित है।

आरएसएस ने फड़णवीस पर ही जताया भरोसा

महाराष्ट्र चुनाव तक बने रहेंगे उप मुख्यमंत्री

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने कि पेशकश करने के बाद आरएसएस के वरिष्ठ स्वयंसेवक फड़णवीस के घर पहुंचे। फड़णवीस के घर पर बंद दरवाजों के पीछे यह बैठक करीब दो घंटे चली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सूत्रों ने उपमुख्यमंत्री के

घर हुई इस मीटिंग के बारे में जानकारी दी लेकिन इसे केवल एक सामान्य बैठक बताया। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी अतुल लिमाए इस बैठक का हिस्सा थे, पार्टी के सूत्रों की मानें तो यह बैठक फड़णवीस के इस्तीफे की पेशकश के बारे में थी, संघ ने फड़णवीस को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव तक पद पर बने रहने की सलाह दी क्योंकि ऐसे उनका पद छोड़ देने से मतदाताओं के बीच में गलत संदेश जाएगा। खराब प्रदर्शन और आने वाले चुनावों के लिए रणनीति बनाने पर भी चर्चा हुई।

कनाडा में इंदिरा की हत्या का चित्रण, भारत नाराज

भारतीय कौंसुलेट के बाहर खालिस्तानियों का प्रदर्शन

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तानियों की हरकत लगातार भारत की चिंताएं बढ़ा रही है। ऑपरेशन ब्लूस्टार की बरसी पर गुरुवार को खालिस्तानी तत्वों ने वैंकुवर में स्थित भारतीय कौंसुलेट के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान इन अलगाववादी तत्वों ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या को दिखाने वाली तस्वीरें प्रदर्शित कीं। अब भारत सरकार ने इस मामले को औपचारिक तौर पर कनाडा से उठाने का फैसला लिया है। इस प्रदर्शन के दौरान इंदिरा गांधी को गोलियों से छलनी करने का चित्रण किया गया। इंदिरा गांधी की उनके ही दो सुरक्षाकर्मियों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। इन हत्यारों में से एक बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह खालसा को पंजाब की

लोकसभा सीट से जीत मिल गई है। अलगाववादियों की हिम्मत और कनाडा में उन्हें मिल रहे बढ़ावे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वे भारतीय कौंसुलेट के बाहर जमा हुए। भारत विरोधी नारे लगाए। वैंकुवर के अलावा टोरंटो में भी ऐसा ही प्रदर्शन हुआ। इसमें इंदिरा गांधी की हत्या के चित्रण वाली तस्वीरें तो नहीं दिखाई गईं, लेकिन वहां जुटे लोगों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे और नारेबाजी कर रहे थे। भारत के एक वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि हम इस मामले में शिकायत करेंगे। बता दें कि 40 साल पहले भारतीय सेना ने खालिस्तानियों के खिलाफ ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया था।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पीएम मोदी को किया फोन

- **स्विटजरलैंड के पीस समिट में शामिल होने की अपील की, यूक्रेन आने का न्योता दिया**

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को पीएम मोदी को फोन कर लोकसभा चुनाव में जीत की बधाई दी। इसके बाद उन्होंने 15-16 जून को स्विटजरलैंड में होने वाले शांति सम्मेलन में भारत की भागीदारी की अपील की। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, मैंने पीएम मोदी को भारत में जल्द से जल्द सरकार बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं, जिससे वे भारतीयों के विकास के लिए काम करते रहें। हमने ग्लोबल पीस समिट पर भी बात की। मुझे उम्मीद है कि भारत इसमें जरूर

शामिल होगा। इसके अलावा जेलेंस्की ने पीएम मोदी को यूक्रेन का न्योता भी दिया। जेलेंस्की के बधाई संदेश पर पीएम मोदी ने उनका शुक्रिया अदा किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट में मोदी ने कहा, राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात करके खुशी हुई। मैंने आम चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर बधाई के लिए उन्हें धन्यवाद कहा।

संक्षिप्त समाचार

खूंटी में पीएलएफआई के तीन उग्रवादी गिरफ्तार, लूटी गई बाइक बरामद

खूंटी। जिले के जरियागढ़ थाना क्षेत्र के व्यवसायियों से लगातार लेवी की मांग करने वाले प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया के तीन सक्रिय उग्रवादियों को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के पास से पीएलएफआई के पर्चे, संगठन के विस्तार से संबंधित प्रेस विज्ञप्ति, दो बाइक और पांच मोबाइल बरामद किये गये हैं। तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने शुक्रवार को प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के कुछ उग्रवादी व्यवसायियों से लेवी वसूलने के लिए जरियागढ़ आने वाले हैं। इस पर पुलिस टीम ने कैंची मोड़ के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन युवकों को संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। उनकी तलाशी लेने पर संगठन के पर्चे आदि बरामद किये गये। गिरफ्तार उग्रवादियों में राहुल साहू, लुकस होरा उर्फ लुका और बालेश्वर साहू उर्फ बुधु साहू शामिल हैं। तीनों रांची जिले के लापुंग थाना के कथकुवांरी वरटोली के रहने वाले हैं। उनके पास से लाल रंग की मोटरसाइकिल (जेएच 23बी 5816) भी बरामद की गई। उनकी निशानदेही पर तोरपा थाना क्षेत्र से लूटी गई टीवीएस अपाची बाइक (जेएच 23एक 5524) को भी राहुल साहू के घर से बरामद कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया उग्रवादी मोटरसाइकिल का नंबर प्लेट बदलकर उसका प्रयोग रंगदारी मांगने के लिए किया करते थे।

लुकस और राहुल का पुराना आपराधिक इतिहास- एसडीपीओ ने बताया कि पकड़ा गया लुकस होरो हार्डकोर उग्रवादी है और काफी समय से पीएलएफआई से जुडा है। उसके खिलाफ 2020 में लापुंग थाने में हत्या, आर्म्स एक्ट और उग्रवादी गतिविधियों को लेकर मामला दर्ज है। उस पर हुलसू गांव निवासी गुला साहूउर्फ रामकुमार साहू की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था लेकिन नौ महीने के बाद वह जमानत पर छूट गया और फिर से संगठन में सक्रिय हो गया। राहुल साहू के खिलाफ भी तोरपा थाने में एक मामला दर्ज है।

ससुराल जाते समय शिक्षक की लूट ली थी बाइक- एसडीपीओ ने बताया कि कर्रा थाना के लरता गांव निवासी शिक्षक बिशु मुडा 21 मई को अपाची बाइक से शाम को लगभग साढ़े सात बजे ससुराल जा रहा था। बारकुली गांव के पास पांच अपराधियों ने उनकी बाइक लूट ली थी। बताया गया कि लूटकांड में शामिल दो अपराधी फरार हैं। दोनों बहुत जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे। एसडीपीओ ने तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय और जरियागढ़ थाना पभारी आदित्य कुमार की भी तारीफ की।

अग्निवीर की लिखित परीक्षा में सफल युवाओं को अदाणी फाउंडेशन ने किया सम्मानित

हजारीबाग। गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अग्निवीर की लिखित परीक्षा में सफल सभी पांच छात्रों को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। बड़कागांव स्थित कोचिंग परिसर में इन युवाओं को सम्मान स्वरूप टी-शर्ट, ट्रॉफी और उच्च गुणवत्ता वाले जूते दिए गए। इन जूतों की मदद से इन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण होने में मदद मिलेगी। सेना और राज्य पुलिस की भर्ती की तैयारी कर रहे पांच युवाओं ने अग्निवीर की लिखित परीक्षा में सफलता हासिल की है। पहले बैच से ही पांच अभ्यर्थियों की सफलता से अन्य युवा भी काफी उत्साहित हैं। सफल छात्रों में संजय राज, राजू यादव, भानु प्रताप, राजदीप कुमार और सुशांत शर्मा शामिल हैं। अदाणी फॉउंडेशन ने युवाओं की निःशुल्क पढ़ाई- लिखाई के साथ-साथ शारीरिक प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की है। इस पहल के तहत अदाणी फॉउंडेशन के विशेषज्ञ शिक्षक और शारीरिक प्रशिक्षक लगातार बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। इस तैयारी में युवाओं को गणित, तर्कबुद्धि, हिंदी और सामान्य ज्ञान पढ़ाया जा रहा है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की कक्षाओं में मॉक अभ्यास के लिए टेस्ट लिए जाते हैं। शारीरिक प्रशिक्षण के दौरान इनके पोषण का भी ख्याल रखा जा रहा है। अग्निवीर की परीक्षा के अलावा फरवरी माह में हुए शॉर्ट सर्विस कमीशन, एसएससी जीडी की कंप्यूटर आधारित परीक्षा में भी 11 छात्र शामिल हुए हैं, जिनका रिजल्ट जल्द ही आने वाला है। इन परीक्षाओं में पूरी तरह से सफल होने के बाद छात्र भारतीय सेना, पैरामिलिट्री, अग्निवीर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस समेत अन्य नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में भी हिस्सा ले पाएंगे। इस मौके पर उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) पुंडरिक मिश्रा और सीएसआर विभाग के शरद मिश्रा समेत अन्य लोग शामिल थे।

चार अधिकारियों पर होगी विभागीय कार्रवाई, मुख्यमंत्री ने दी अनुमति

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन सरकार ने राज्य के चार अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की अनुमति दे दी है। मुख्यमंत्री सचिवालय ने शुक्रवार बताया कि राज्य सरकार ने राम प्रवेश कुमार, चंद्रशेखर सिंह, अवधेश कुमार पांडेय और डॉ अशोक कुमार पाठक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की अनुमति सरकार ने दे दी है। इनमें दो अधिकारी सेवानिवृत हो गए हैं।

राम प्रवेश कुमार की एक वेतन वृद्धि पर लगी रोक- सीएमओ के मुताबिक, झारखंड प्रशासनिक सेवा (चतुर्थ सीमित बैच) के तत्कालीन अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार की एक वेतन वृद्धि पर रोक लगाने के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने मंजूर कर लिया है। उनके खिलाफ झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-14 (iv) के तहत यह कार्रवाई की गई है। जिस मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है, उस वक्त राम प्रवेश कुमार धनबाद के बलियापुर में अंचल अधिकारी थे। वर्तमान में वह जामताड़ा जिले के करमाटांड़ में अंचल अधिकारी हैं।

रिटायर्ड जेपीएस ऑफिसर चंद्रशेखर सिंह की पेंशन पर रोक- झारखंड प्रशासनिक सेवा के एक रिटायर्ड ऑफिसर चंद्रशेखर सिंह की पेंशन पर आजीवन रोक लगा दी गई है। बिहार के सहरसा जिले के सोनवर्षा के तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्रशेखर के विरुद्ध झारखंड पेंशन नियमावली के नियम-43 (ख) के तहत कार्रवाई को सरकार ने अनुमति दे दी है।

अवधेश कुमार पांडेय की पेंशन में कटौती के प्रस्ताव को मंजूरी- धनबाद नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त और झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अवधेश कुमार पांडेय (कोटि क्रमांक-528/03) की पेंशन से एक साल तक पांच प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया गया है। सरकार ने इसकी भी मंजूरी दे दी है। झारखंड पेंशन नियमावली के नियम-43 (ख) के तहत दंडस्वरूप पेंशन में कटौती का प्रस्ताव लाया गया था।

बोकारो के पूर्व सिविल सर्जन के खिलाफ चलेगी विभागीय कार्रवाई- बोकारो जिले के तत्कालीन सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार पाठक के विरुद्ध गठित प्रपत्र 'क' के तहत विभागीय कार्रवाई चलाने के प्रस्ताव पर राज्य सरकार ने सहमति दे दी है। इसके साथ इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

मुख्यमंत्री 11 को करेंगे विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक

रांची। आदर्श आचार संहिता समाप्त होते ही मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 11 जून को राज्य की विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक प्रोजेक्ट भवन में 11 बजे से करेंगे। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक को देखते हुए मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग में सभी विभागों को पत्र लिखा है और योजनाओं की स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट योजना विकास विभाग के माध्यम से मांगा है। मुख्यमंत्री सीएम विकास योजना के अलावा विधि व्यवस्था की भी समीक्षा करेंगे। इसकी भी रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय से मांगी गई है। वारंट की तामील, अपराध के साथ-साथ अबुआ आवास योजना, सर्टिफिकेट केस, भूमि सुधार राजस्व विभाग सहित सभी विभागों की योजनाओं की स्थिति की बारी-बारी से समीक्षा करेंगे।

परीक्षार्थियों के लिए आठ और नौ जून को स्पेशल ट्रेन का होगा परिचालन

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इस संबध में दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है, जिसके अनुसार ट्रेन संख्या 08639 रांची पटना परीक्षा स्पेशल आठ जून को दोपहर 14: 10 बजे रांची से रवाना होगी और उसी दिन 23: 00 बजे पटना पहुंचेगी. वापसी में ट्रेन संख्या 08640 पटना रांची परीक्षा स्पेशल नौ जून को 21.10 बजे पटना से रवाना होगी और अगले दिन 05.30 बजे रांची पहुंचेगी। ट्रेन का स्टॉपेज मुरी, कोटशिला और बोकारो स्टील सिटी में होगा। ट्रेन संख्या 08109 टाटानगर पटना परीक्षा स्पेशल आठ जून को 16.15 बजे टाटानगर से रवाना होगी और अगले दिन अहले सुबह तीन बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 08110 पटना टाटानगर परीक्षा स्पेशल नौ जून को 21.15 बजे पटना से रवाना होगी और अगले दिन 07.15 बजे टाटानगर पहुंचेगी. विशेष ट्रेन का स्टॉपेज चांडिल, पुरुलिया, भोजुडीह और मोहुदा में होगा।

शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे तंबाकू पदार्थ बेची तो खैर नहीं, निषेधाज्ञा जारी

रांची। जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए सिगरेट या किसी अन्य तंबाकू पदार्थ की बिक्री पर रोक लगाया गया है। रांची सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने शुक्रवार को धारा 144 के अंतर्गत प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की है। जारी सूचना में कोटपा अधिनियम के तहत किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में सिगरेट या किसी अन्य तंबाकू पदार्थ की बिक्री पर रोक की बात कही गई है, जिसमें सभी निजी एवं सरकारी स्कूल, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के 100 गज की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गई है। यह निषेधाज्ञा अगले 60 दिनों के लिए लागू रहेगी। यदि किसी ने इसका उल्लंघन की तो प्रशासन उसपर कार्रवाई करेगी।

लोकसभा चुनाव के बाद झारखंड विधानसभा चुनाव की कवायद शुरू

कम वोटिंग प्रतिशत के कारणों को जानने के लिए फील्ड विजिट करेगी आयोग की टीमः रवि कुमार

रांची। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग साल के अंत में होने वाले झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में शुक्रवार को बैठक हुई, जिसमें बीते लोकसभा चुनाव की समीक्षा की गई। साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने के निर्देश दिए गए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार की मौजूदगी में हुई इस बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी के अलावा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से निर्वाचन कार्य से जुड़े जिलास्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान जिन बूथों पर कम वोटिंग हुई है, उसके कारणों को जानने के लिए चुनाव आयोग की टीम जिलों का दौरा करेगी। इन जगहों में मतदान क्यों कम हुए हैं, इसे जानने के लिए संत जेवियर्स के रिसर्च टीम को भी जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा जुलाई के पहले सप्ताह से फील्ड विजिट भी होगा। इस साल होने वाले झारखंड विधानसभा के चुनाव को ध्यान में रखते हुए आयोग ने तैयारी शुरू करते हुए सभी उप निर्वाचन पदाधिकारी को मतदाता सूची में लोकसभा चुनाव के दौरान आई शिकायतों को दूर करने का निर्देश दिया है। साथ ही मतदाताओं से अपील की है कि समय रहते मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने का काम करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने आम लोगों से अपील किया कि मतदाता सूची से संबंधित जो कुछ भी शिकायतें हैं, उसे दूर करने के लिए वोटर को समय पर पहल करनी होगी। अभी वक्त है। विधानसभा चुनाव से पहले ही बीएलओ के माध्यम से इस दिशा में कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि आयोग के द्वारा सभी मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों को मुफ्त में मतदाता सूची उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे समय रहते वे देख सकें कि किनका वोटर लिस्ट में नाम नहीं है या किसी तरह की संशोधन की जरूरत है।

साक्ष्य के अभाव में हत्या के पांच आरोपित बरी

रांची। जमीन विवाद में पवन ठाकुर की हत्या मामले के पांच आरोपितों मंटू पांडे, राकेश सिंह, मुन्ना सिंह, बिनोद रजक और बीटू पांडे को साक्ष्य के अभाव में अपर न्याययुक्त विशाल श्रीवास्तव को कोर्ट ने शुक्रवार को बरी कर दिया। हत्या का मामला साल 2013 का है। जमीन कारोबारी पवन ठाकुर की हत्या गोली मारकर की गई थी। मृतक की पत्नी के बयान पर आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में अभियोजन पक्ष ने पांच गवाह पेश किए थे लेकिन आरोप सिद्ध नहीं कर पाए। पांच आरोपितों में तीन गिरफ्तारी के बाद से जेल में थे जबकि दो जमानत पर बाहर थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे के नए सीपीआरओ बने ओम प्रकाश चरण

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के नये सीपीआरओ ओम प्रकाश चरण ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे खड़गपुर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) के 2013 बैच के अधिकारी ओम प्रकाश ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर से राजनीति विज्ञान में एमए पूरा किया। उनके पास ट्रेन परिचालन और रेलवे के वाणिज्यिक पहलुओं का व्यापक अनुभव है। रेलवे में सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। वे खड़गपुर और आद्रा के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, चक्रधरपुर के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक और टाटानगर के क्षेत्र प्रबंधक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम फिर से जुलाई में शुरू होगा

रांची। लोकसभा चुनाव खत्म होते ही झारखंड सरकार की महत्वकाक्षी योजना 'आपकी योजना, आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम जुलाई से शुरू हो रही है। इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मुख्य सचिव और सभी विभागीय सचिवों को निर्देश दिया है कि इसका ब्लू प्रिंट तैयार कर लें। बहुत जल्द अभियान को शुरू करने की लिए अहम बैठक होगी। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सचिवालय स्तर पर हलचलें तेज हो गयी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की महत्वाकांक्षी योजना आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम की शुरुआत 12 अक्टूबर से शुरू की थी। अब तक कुल तीन चरण का अभियान चलाया जा चुका है, जिसका काफी अच्छा रिस्पांस मिला था। इसलिए इस अभियान को सरकार ने फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है। जुलाई में संभावित नगर निकाय चुनाव को देखते हुए सरकार बैठक की तिथि तय करेगी। पिछड़ा आयोग ने ट्रिपट टेस्ट अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। सरकार का निर्देश आते ही आयोग ट्रिपल टेस्ट कराएगी।इसके बाद नगर निकाय चुनाव का बिगुल बज जाएगा। इसलिए सरकार आपके द्वारा की तिथि जुलाई में नगर निकाय चुनाव या फिर नगर निकाय चुनाव के बाद तय हो सकती है। इन सारी चीजों को लेकर मुख्यमंत्री जल्द ही बैठक करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार ने सरकार के तीन वर्ष का कार्यकाल पूरी होने के बाद 12 अक्टूबर 2022 से इस अभियान का शुभारंभ किया था, पहला चरण 12 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक चला था। दूसरा अभियान 2022 में ही एक नवंबर से 12 नवंबर तक चला था. इस दोनों अभियान के तहत 55,44,554 आवेदन विभिन्न विभागों से संबंधित सरकार को प्राप्त हुए, जिसमें से 55,36,636 आवेदन निष्पादित कर दिए गए हैं।वहीं 7,918 आवेदन अभी प्रक्रियाधीन है. तीसरा चरण 24 नवंबर 2023 से 26 दिसंबर 2023 तक चला। इसमें सबसे अधिक मामले अबुआ आवास योजना के आए। 26 फरवरी को नए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने साहिबगंज में साहेबगंज, गोड्डा और पाकुड़ जिले के 24 हजार के करीब लाभुकों को पहली किस्त और स्वीकृति पत्र सौंपा गया था. पहली किस्त की राशि खाते में ट्रांसफर कराए गए थे।

अभियान में ये मामले आए- पंचायत और वार्ड स्तर पर आयोजित शिविरों में अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, सामुदायिक और व्यक्तिगत वनपट्टा से संबंधित मामले, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त जाति, आय, जन्म, मृत्यु, दिव्यांगता प्रमाण पत्र में जरूरी संशोधन, भूमि से जुड़े मामले, आयुष्मान कार्ड, आम जनों के सामाजिक-आर्थिक बुनियादी जरूरतों से जुड़े मामले, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, श्रम विभाग अंतर्गत श्रमाधान पोर्टल पर प्रवासी श्रमिकों का पंजीकरण, राजस्व अभिलेखों में संशोधन- परिमार्जन, आधार और राशन कार्ड में संशोधन, बिजली बिल से संबंधित शिकायत का निवारण समेत अन्य कार्य के आवेदन आए।

संक्षिप्त समाचार

आयुष्मान योजना के तहत डायलसिस करवा रहे मरीजों के समक्ष विकट समस्या

जमशेदपुर। जमशेदपुर के तमाम डायलसिस सेंटरों में आयुष्मान योजना के तहत डायलसिस करवा रहे मरीजों के समक्ष विकट समस्या इन दिनों उत्पन्न हो रही है, आयुष्मान योजना के तहत डायलसिस कों धीरे धीरे बंद किया जा रहा है, और मरीजों कों इलाज की चिंता सता रही है, आयुष्मान योजना की राशि निर्गत नहीं होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हो रही है, शुक्रवार कों बड़ी संख्या में मरीजों ने इसको लेकर जिले के उपायुक्त से गुहार लगाई है, मरीजों के अनुसार आयुष्मान योजना की राशि डायलसिस सेंटरों कों विगत तक़रीबन छह महीनों से नहीं मिला है जिस कारण ये सेवा अब धीरे धीरे बंद हो रहा है, ऐसे तमाम डायलसिस के मरीजों के समक्ष विकट समस्या उत्पन्न हो जाएगी चुंकि सभी मरीज निजी तौर पर डायलसिस करवाने में सक्षम नहीं है, इन्होने जिले के उपायुक्त कों मांग पत्र सौंपते हुए इसके समाधान करवाये जाने की मांग की है.

वैश्य एकता मंच के द्वारा बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन

जमशेदपुर। जमशेदपुर में वैश्य एकता मंच के द्वारा निचले तबके के बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया है, आयोजन के दूसरे दिन बच्चों को प्रतिष्ठित जुबली पार्क का भ्रमण कराया गया जहां बच्चों ने जमकर खेलकूद और मस्ती की, यहां बच्चों के बीच वैसे खेल देखने को मिले जो विलुप्तप्राय हो चुके हैं, यह वैसे तबके के बच्चे हैं जिन्हें समर कैंप का मतलब ही नहीं पता था, आयोजकों के अनुसार जो सक्षम परिवार के बच्चे हैं वह हर वर्ष समर कैंप का आनंद लेते हैं लेकिन सरकारी स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने वाले यह निकले तबके के बच्चे समर कैंप के विषय में जानते तक नहीं है, इस कारण से मंच ने ऐसे बच्चों का चयन किया. इन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों का मानसिक और शारीरिक दोनों तरह का विकास होगा.

जम्को गुरुद्वारा में 40 दिवसीय सुखमनी साहिब पाठ की हुई समाप्ति

जमशेदपुर। टेल्को क्षेत्र के जम्को आजाद बस्ती गुरुद्वारा में पांचवें

पातशाही धन-धन साहब श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिहाड़े को समर्पित 40 दिवसीय श्री सुखमनी साहिब पाठ की हुई समाप्ति। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगत ने शुक्रवार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में सामूहिक रूप से पाठ किया उसके उपरांत शब्द कीर्तन का गायन किया गया तथा अरदास हुई और गुरु का अटूट लंगर वितरण हुआ। वहीं मौके पर गुरुद्वारा के अध्यक्ष सरदार सरदूल सिंह ने बताया की कल शनिवार को सुबह 11:00 बजे गुरुद्वारा साहिब में अखंड पाठ साहिब आरंभ होंगे जिसकी समाप्ति 10 जून को होगी उसके उपरांत कीर्तन दरबार सजाया जाएगा तथा चना प्रसाद और ठंडा शरबत वितरण किया जाएगा। मौके पर उपस्थित गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी जगविंदर सिंह खालसा , सरदूल सिंह, बलविंदर सिंह, करनदीप सिंह , अमरीक सिंह, गुरमनप्रीत सिंह उपस्थित थे।

राशन नहीं मिलने पर परेशान लोग शुक्रवार को राशन दिलाने की मांग को लेकर समाहरणालय पहुंचे

साहिबगंज। डीलर की मौत से मई माह का राशन नहीं मिलने पर परेशान लोग शुक्रवार को राशन दिलाने की मांग को लेकर समाहरणालय पहुंचे। दर्जनों लोगों ने अपर समाहर्ता को आवेदन सौंपा। तालझारी प्रखंड के मसकलैया के ग्रामीणों ने बताया कि डीलर फ़क़ीर चंद्र रजक के यहां 200 लाल कार्डधारी हैं जबकि 19 अंत्योदय कार्डधारी हैं। 20 दिन पूर्व राशन डीलर की मौत हो गई। उसके पुत्र से राशन मांगने पर उसने पिता की मौत की बात कही। राशन लेना है तो महिला बकरी पालन एसएचजी दो बार फिंगर दे दो। लेकिन उक्त राशन दुकान एसएचजी अध्यक्ष के पति चलाते हैं। उनका व्यवहार अच्छा नहीं है। कार्डधारियों सुबोल मंडल, अशोक पंडित, लखन, विश्वनाथ, सीता देवी, तिलैया देवी, चंदन मंडल व अन्य ने चंद्र मोहन मंडल के दुकान से जोड़ राशन दिलाने की मांग की है। इधर अपर समहर्ता ने बीडीओ सह बीएसओ को कल पंचायत सेवक की उपस्थिति में सभी लाभुकों के बीच खाद्यान वितरण का निर्देश दिया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा आम जनों को इस भीषण गर्मी में ओ0आर0एस0 का घोल पिलाया

साहिबगंज। शुक्रवार को झालसा के तत्वाधान में और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन में आज साहेबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में यात्रियों, मोची, रिक्शा चालकों, मजदूरों, वहाँ पर तैनात पुलिस कर्मियों के बीच भीषण गर्मी को देखते हुए ओरआरएस के घोल का वितरण किया गया । प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत और रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी राहुल कुमार ने अपने हाथों से स्टेशन परिसर में कार्यरत मोची, रिक्शा चालकों, राहगीरों व अन्य को ओआरएस का घोल पिलाया।उन्होंने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश –सह- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार के मार्गदर्शन में भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए ओआरएस का घोल पिलाया गया ताकि जरूरतमंदों को गर्मी से कुछ राहत मिल सके।इस कार्य में चीफ एलएडीसी अरविन्द गोयल, असिस्टेंट एलएडीसी अमरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, ज्योति कुमारी, स्टेशन प्रबंधक, आरपीएफ इंस्पेक्टर किस्पोटर किस्कू, स्वयं सेवी संस्था हेल्पिंग हैण्ड के अभिदिपेश प्रशांत सागर, आनंद ठाकुर, लैला, अमन, पूजा, अनिक, सूरज, सुनिधि, अविनाश, ज्योति, चन्दन व अन्य ने सक्रिय कार्य किया।

9 जून को बिष्टुपुर रीगल मैदान में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समिति के आह्वाहन पर होगा ब्राह्मण महाजुटान

जमशेदपुर। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के आयोजन के लिए रविवार 9 जून को जमशेदपुर के रीगल मैदान में पारिवारिक मिलन सह महाजुटान का आयोजन होगी. इसको लेकर शहर के ब्राह्मणों में विशेष उत्साह है. कार्यक्रम को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार सहित कई चक्र में थानावार बैठकें भी आयोजित हुए हैं. शुक्रवार को भालूबासा स्थित एक होटल में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समिति द्वारा पत्रकार-वार्ता का आयोजन हुआ. मीडिया को संबोधित करते समिति के संस्थापक सह आयोजन के मुख्य संयोजक सेवानिवृत्त पुलिस उपाधिक्षक कमल किशोर ने बताया कि ब्राह्मणों को पारिवारिक रूप से एकत्रित करने के लिए आराध्य भगवान श्री परशुराम के जन्मोत्सव आयोजन पर बिष्टुपुर रीगल मैदान में विराट कार्यक्रम निर्धारित है. कहा कि संध्या 4 बजे से सभा स्थल पर जमशेदपुर के ब्राह्मण परिवारों का महाजुटान होगा. कार्यक्रम की शुरुआत में धर्म रक्षिणी महासभा के 101 पुरोहितों द्वारा सामूहिक

स्वस्ति वाचन एवं भगवान परशुराम जी की पुष्पांजलि सह आरती होगी. भोजपुरी की प्रख्यात गायिका इंदु सोनाली एवं गायक चंदन तिवारी अपनी टीम सहित भक्तिमय भजन संध्या में प्रस्तुति देंगे. बताया की आयोजन के निमित्त 25 हज़ार ब्राह्मण परिवारों तक निमंत्रण पत्रिका पहुंचाई गयी है. सभी आंगतुकों के लिए भोजन की व्यवस्था रहेगी. श्री दिवेंदु त्रिपाठी भगवान परशुराम पर व्याख्यान देंगे. आयोजन के सफल क्रियांवयन के लिए स्वागत समिति, भोजन समिति, व्यवस्था समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, यातायात समिति, मीडिया प्रकोष्ठ, परिवहन समिति का गठन किया गया है. इसके अतिरिक्त 25 सदस्यीय व्यवस्था प्रमुख को भी नामित किया गया है जिनकी देखरेख में यह समिति समितियाँ कार्यक्रम के सफल संचालन को क्रियांवित करेंगे. पत्रकार वार्ता में विशेष रूप से कमल किशोर, राकेश्वर पांडेय, मानस मिश्रा,नकुल तिवारी, मुन्ना चौबे, ओमप्रकाश उपाध्याय, श्रीनिवास तिवारी, वेदप्रकाश उपाध्याय, हरेंद्र मिश्रा, राजेश झा, रविंद्र मिश्रा, धनुर्धर त्रिपाठी, अप्पू तिवारी, आनंद जी ओझा, अधिवक्ता पवन तिवारी, विजय तिवारी, छोटन मिश्रा, अरविंद पांडेय, रविशंकर तिवारी, संजीव आचार्या, सहित अन्य मौजूद रहें.

पूर्वी विधानसभा के मतदताओ का कर्ज उतार पाएंगे सांसद विद्युत वरण महतो!

जमशेदपुरः पूर्वी विधानसभा के मतदताओ मतदाताओं ने सांसद विद्युत वरण महतो को अपना भरपूर प्यार समर्थन और आशीर्वाद दिया है लगभग एक लाख पांच हजार मतों से इस बार पूर्वी विधानसभा की जनता ने लीड दिलाई है मतदान के पूर्व कई तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म था लेकिन भाजपाई अपने मिशन में लग रहे और उनके मन में यह बात घर कर गया था कि अगर लीड कम होगी तो बदनामी होगी यही कारण है कि कार्यकर्ताओं ने सबसे अलग बिना ना नुकूर किए अपने मिशन में जुटे रहे और कांग्रेस जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे को भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने सबक सीखा दिया । सांसद विद्युत वरण महतो को भी यह उम्मीद नहीं थी कि पूर्वी विधानसभा की लीड इतनी बड़ी होगी मतदान के दिन उन्होंने खुद फोन करके राष्ट्र संवाद को बताया था की पूर्वी विधानसभा की जनता का हुए ऋणी है बड़ा सवाल है कि जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा के मतदताओ का कर्ज उतार पाएंगे सांसद विद्युत वरण महतो !

बागबेड़ा की प्रतिभाओं को निखारना संस्था का लक्ष्यः कविता परमार

जमशेदपुरः आज अनुग्रह नारायण सिंह शिक्षण एवं सेवा संस्थान, बागबेड़ा कॉलोनी में बिहार विभूति डॉक्टर अनुग्रह बाबू की जयंती समारोह मनाने को लेकर बैठक आयोजित की गई। हर साल की भांति इस वर्ष भी जयंती समारोह के साथ-साथ प्रतिभा सम्मान का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें बागबेड़ा क्षेत्र के दसवीं कक्षा में 90% से अधिक नंबर लाने वाले बच्चों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन 22 जून को किया जाएगा। आयोजन को लेकर बैठक की गई जिसमें विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए अलग-अलग कमेटियों का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अखिलेश्वर सिंह ने किया। मुख्य रूप से महासचिव सी एस पी सिंह, सचिव डॉक्टर कविता परमार, उमेश सिंह, दिग्विजय सिंह, कोषाध्यक्ष दिनेश सिंह, उपाध्यक्ष केदार सिंह, उदय सिंह के साथ-साथ ज्ञानी सिंह संदीप सिंह राजू सिंह राजीव सिंह उपस्थित थे। यह जानकारी देते हुए सचिव कविता परमार ने बताया कि बागबेड़ा के प्रतिभाओं को निखारना इस संस्था का लक्ष्य है और इसी कड़ी में हर साल प्रतिभा सम्मान का भव्य आयोजन कर छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत और सम्मानित किया जाता है।

पर्यावरण पखवाड़ा के तहत बस्ती विकास समिति ने बारीडीह पांडेय मैदान में चलाया वृहद वृक्षारोपण अभियान, लगाए फलदार, छायादार एवं औषधीय गुणों से भरपूर दर्जनों पेड़

शुक्रवार को साकची मनोकामना मंदिर में समिति करेगी वृक्षारोपण

जमशेदपुरः जीवन की दृष्टि से पर्यावरण मानव के लिए सर्वोच्च जरुरत है। पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य को लेकर विश्व पर्यावरण दिवस से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वृहद वृक्षारोपण अभियान चला रही बस्ती विकास समिति, जमशेदपुर ने शुक्रवार को बारीडीह स्थित पांडेय मैदान में वृक्षारोपण किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने औषधीय गुणों से भरपूर दर्जनों छायादार एवं फलदार वृक्ष लगाए। वहीं, इनकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय सदस्यों को दी गयी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष खेमलाल चौधरी ने बताया कि लौहनगरी जमशेदपुर में पर्यावरण पूरी तरह प्रदूषित हो गया है। इस दिशा में समाज को वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाने की तरफ ध्यान देना होगा, इसके लिए सामाजिक स्तर पर सभी की सहभागिता होना अत्यंत आवश्यक है। इसी ध्येय के साथ बस्ती विकास समिति विश्व पर्यावरण दिवस से लगातार शहर

के विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही है। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह 7 बजे साकची स्थित मनोकामना मंदिर परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। रविवार को 'पर्यावरण चुनौती एवं समाधान' विषय पर चल रहे ऑनलाईन चित्रांकन प्रतियोगिता का भी समापन होगा। जिसमें प्रतिभागी अपने पेंटिंग व्हाट्सएप नबंर 9431373471/ 70046 50614 पर भेज सकते हैं। इस प्रतियोगिता में दो आयु वर्ग के केटेगरी से तीन सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग को पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान भूपेन्द्र सिंह, कमलेश सिंह, अमरजीत राजा, बोल्टू सरकार, विक्रम चन्द्राकर, रॉकी सिंह, मोंटी अग्रवाल, पंकज प्रिय, रुक्मणी देवी, बिनोद झा समेत अन्य सदस्यगण मौजूद रहे।

दाईगुट्टू को चोरों ने बनाया निशाना ,लाखों की चोरी

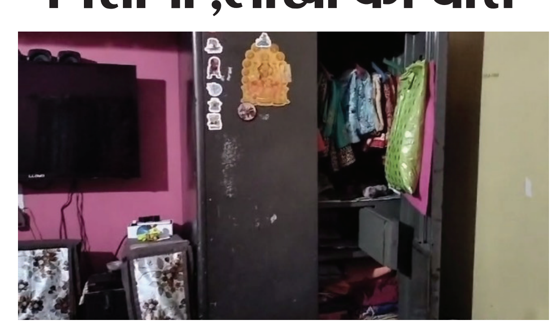

जमशेदपुरः जमशेदपुर के सोनारी थाना क्षेत्र में पिछले दिनों हुए ज्वैलरी लूट कांड का उद्भेदन करने के बाद गुरुवार को शहर के व्यवसायों एवं कारोबारियों ने जिला पुलिस के पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए उनकी हौसला अफजाई की है. वही जमशेदपुर एसएसपी ने शहर में अपराध पर नकेल कसने का भरोसा दिलाया. वैसे 24 घंटा भी नहीं बीते कि बेखौफ अपराधियों ने मानगो थाना अंतर्गत दाईगुट्टू में चार घरों को निशाना बनाया. जहां से लाखों के जेवरात और मोबाइल फोन पर हाथ साफ कर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली है. बताया जा रहा है कि चोरों ने राजू प्रजापति के घर से दो से ढाई लाख के जेवरात चुरा लिए, जबकि तीन अन्य घरों से मोबाइल फोन ले उड़े. फिलहाल पीड़ित परिवार ने पुलिस को सूचना दे दी है. पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है.

जन समस्याओं कों लेकर मुखर रहेंगे जितेंद्र

जमशेदपुरः जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी रहे जितेंद्र सिंह ने एक बार फिर आंदोलन का रुक इक्तियार कर लिया है, जिले के सभी प्रखंडो में इनके द्वारा संघर्ष यात्रा चलाई जाएगी, जिसकी शुरुवात साकची स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा स्थल से की गई, इनके द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर इसकी शुरुवात की गई, उन्होंने कहा की आम तौर पर चुनाव के बाद जो जितने वाले प्रत्याशी है वों दिल्ली का रुक करते हैं और हारने वाले प्रत्याशी अपने घर पर रहते हैं लेकिन चुनाव के दौरान उन्होने जिले वासियों से यह वादा किया था की परिणाम जो भी हो वों जन समस्याओं कों लेकर मुखर रहेंगे और इसी के तहत इस अभियान की शुरुवात उन्होंने आज से की है, इसके तहत प्रत्येक प्रखंड स्तर के समस्याओं कों सरकार के समक्ष रखने एवं उसके समाधान का भरसक प्रयास करेंगे.

कंगना की सांसद सदस्यता बर्खास्त की जाये, उसने किया है पंजाब और सिख कौम का अपमानः भगवान सिंह

तमाचा कंगना के गाल पर भी बल्कि किसान विरोधी विचारधारा पर हैः भगवान सिंह

जमशेदपुरः अभी नई नई पहली बार मंडी से चुनी गयी भाजपा सांसद कंगना रनौत को सांसद सदस्यता से तुरंत बर्खास्त करने के मांग करते हुए सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह ने कंगना रनौत को जुबान पर लगाम लगाने की सलाह दी है। भगवान सिंह ने सांसद कंगना द्वारा पुरे पंजाब में आतंकवाद बढ़ने के बयान से नाराज होकर तीखी प्रतिक्रिया दी। सीजीपीसी प्रधान ने इसे पुरे पंजाब और सिख कौम का अपमान बताया। इधर, सीआईएसएफ महिला जवान कुलविंदर कौर द्वारा कंगना रनौत पर थप्पड़बाजी घटना की खबर आग की तरह वायरल हो गयी और प्रतिक्रियाएं भी आनी शुरू हो गयी हैं। इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सीजीपीसी के अध्यक्ष सरदार भगवान सिंह ने इसे किसान विरोधी विचारधारा पर प्रहार बताया है। शुक्रवार को इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए भगवान सिंह ने कहा यह तमाचा कंगना रनौत के गाल पर नहीं बल्कि हर उस विचारधारा पर है जो किसान विरोधी है। भगवान सिंह ने आरोपी कुलविंदर कौर की सराहना करते हुए कहा की यह घटना क्रिया के विरुद्ध प्रतिक्रिया वाली बात है क्योंकि कुलविंदर कौर ने अपनी माँ और किसानों के आत्मसम्मान के लिए यह कदम उठाया है। भगवान सिंह ने कहा किसान आंदोलन को कुछ लोगों द्वारा झूठे प्रचार कर खालिस्तानी आंदोलन और भी पता नहीं क्या क्या नाम देकर बदनाम करने की कोशिश की गयी थी, इस क्रिया की प्रतिक्रिया हो होनी ही थी। गौरतलब है कि हाल ही में मंडी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की सीट पर सांसद चुनीं गईं कंगना रनौत को गुरुवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक सीआईएसएफ की महिला जवान कुलविंदर कौर ने थप्पड़ जड़ दिया था। महिला जवान ने कंगना रनौत को थप्पड़ मारा है क्योंकि वह उनके किसान आंदोलन के दौरान दिए गए बयान से नाराज़ थीं। हालांकि आरोपी जवान को हिरासत में ले लिया गया है। जब कंगना रनौत चंडीगढ़ से दिल्ली जा रहीं थीं उसी वक्त चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर यह घटना हुई है। कुलविंदर कौर जिन्होंने भाजपा सांसद और अभिनेत्री को थप्पड़ मारा उन्होंने दावा किया वह कंगना रनौत के उस बयान से अत्यधित

व्यथित थी जिसमे कंगना ने कहा था कि कि लोग 100 और 200 रुपये के लिए किसानों के विरोध प्रदर्शन में बैठे हैं। जबकि आरोपी कुलविंदर की मां भी उस विरोध स्थल पर बैठी थीं।

संक्षिप्त समाचार

श्री श्री सार्वजनिक मां मनसा क्लब, बासुड़दा, गम्हरिया का एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से मुलाकात की

गम्हरियाः श्री श्री सार्वजनिक मां मनसा क्लब, बासुड़दा, गम्हरिया का एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को रांची स्थित आवास में मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को बासुड़दा में आगामी 15 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय छऊ नृत्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र सौंपा। इस अवसर पर आदिवासी कला एवं संस्कृति भवन का उद्घाटन भी मुख्यमंत्री के हाथों किया जाना है। उंक्त प्रतिनिधिमंडल में मांझी बाबा पिथौ टुडू, क्लब के मुकेश सिंहदेव, सोनाराम सोरेन, मुकेश हांसदा, बलराम लोहार, रवि हांसदा, रामू टुडू, राजेश टुडू, रविन्द्र कालिंदी, मंटू लोहार, बलदेव हांसदा, अजय महतो संजय पात्रो आदि शामिल थे।

विदेश भेजने के लिए बेरोजगार युवाओं के लिए पासपोर्ट बनाएगी अंजुमनः बैरम खान

चकधरपूर। अंजुमन इस्लामिया चकधरपूर के सचिव बैरम खान ने कहा है कि चक्रधरपुर के हुनरमंद नौजवान तबकों के लिए जो बेरोजगार है और विदेश जाना चाहते हैं। तंगी के कारण पासपोर्ट तक बना नहीं पा रहे हैं तो वैसे युवकों के लिए अंजुमन इस्लामिया चक्रधरपुर ये पहल करने जा रहा है वैसे युवकों के लिए पासपोर्ट बनाएगी। इसके लिए पहले चरण में साथ लड़कों के लिए चयन किया जाएगा। इच्छुक युवकों से गुजारिश है कि सोमवार तक अपना आवेदन अंजुमन इस्लामिया के पदाधिकारी के समक्ष जमा कर दे।

फ्रांस में आयोजित होने वाले पैरालंपिक खेल 2024 के टीम की घोषणा

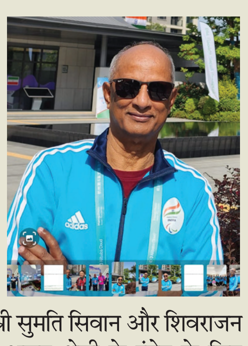

रामगोपाल जेना। चक्रधरपुर । फ्रांस के पेरिस में आयोजित होने वाले पैरालंपिक खेल 2024 के लिए बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अपने टीम की घोषणा कर दी है। यह प्रतियोगित 28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 के बीच होगी। इस टीम में नितेश कुमार, मनोज सरकार, मानसी गिरीचंद्र जोशी, मनदीप कौर, सुहास लालिनाकेरे, सुकांत कदम, तरुण, पलक कोहली, मनीषा रामदास, थुलासिमथी मुरुगेसन, कृष्णा नगर, नित्या श्री सुमति सिवान और शिवराजन सोलाईमलाई शामिल है। सभी का अलग अलग श्रेणी के इंवेट के लिए चयन किया गया है। इसकी जानकारी चेयरमेन सह पारा बैडमिंटन खिलाड़ी बैंडमिटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के के प्रभाकर राव ने दी है।

भारतिया कॉलोनी निवासी शिक्षक मदन कुमार झा से 1.49 लाख रुपये की ठगी

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत भारतिया कॉलोनी निवासी शिक्षक मदन कुमार झा से 1.49 लाख रुपये की ठगी हुई है। मामले में शिक्षक ने आज नगर थाना में आवेदन देते हुए बताया कि 21 मई को राहुल शर्मा नामक युवक ने खुद को एसबीआई कर्मी बता कर एसबीआई जीवन बीमा के नाम पर कस्टमर केयर ऐप के माध्यम से एटीएम और क्रेडिट कार्ड का डिटेल उनसे भरवाया। इसके बाद उनके अकाउंट से 22 मई को 1 लाख रुपये की अवैध निकासी हो गई। इसकी जानकारी उन्हें 23 मई की शाम 49 हजार की निकासी का मोबाइल पर मैसेज आने पर हुआ। फिर उन्होंने बैंक जाकर एटीएम व क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करवाया। फिर साइबर हेल्प लाइन शाखा 1930 पर रिपोर्ट दर्ज कराई। चुनाव के चलते थाना में मामला दर्ज नहीं करा पाए थे। उन्होंने मामले में उचित कार्रवाई की गुहार लगाई है।

51 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया

एसडीपीओ किशोर तिर्की ने दुष्कर्म मामले में किया पर्यवेक्षन

साहिबगंज। बोरियों थाना क्षेत्र के एक पहाड़िया गांव की एक 51 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। बोरियो पुलिस ने आरोपी को इस केस में जेल भेज दिया।साहिबगंज एसएफपीओ किशोर तिर्की ने घटना का स्थल में जाकर मामले की जांच की।मिली जानकारी के अनुसार महिला के पुत्र रोबिन मालतो ने अपनी मां के साथ हुए दुष्कर्म का मामला बोरियो थाना में जाकर एक लिखित आवेदन दिया है ।इस आवेदन के आलोक में बोरियो थाना प्रभारी सह डीएसपी रूपक कुमार सिंह ने आज प्रेस को बताया कि महिला का मेडिकल जांच के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेजा गया है।बोरियो थाना प्रभारी सह डीएसपी रूपक कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी गंगा राम पहाड़िया को बोरियो थाना कांड संख्या 37/24 के तहत आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।वहीं बोरियो थाना पुलिस इस मामले को छानबीन कर रही है।

बरहेट के झामुमो कार्यकर्ता ने निकाला विजय हांसदा का विजय जुलूस

बरहेट। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद राजमहल लोकसभा क्षेत्र में विजय हांसदा का जश्न का माहौल बना हुआ है।वहीं इस जश्न का प्रदर्शन शुक्रवार को बरहेट प्रखंड के झामुमो कार्यकर्ता ने बरहेट में विजय हांसदा के जीत पर विजय जुलूस निकाल कर किया। जुलूस झामुमो कार्यालय से निकल कर तीन मोहानी चौक होते हुए हाट परिसर, नवाब चौक,शिवागादी चौक, होकर पूरा बाजार भ्रमण करते हुए पुनः झामुमो कार्यालय में आकर संपन्न हुआ। वहीं इस जुलूस में कार्यकर्ताओं के बीच काफी उत्साह देखी गई, एवं डीजे के संगीत में थिरकता हुआ विजय हांसदा जिंदाबाद, हेमंत सोरेन जिंदाबाद, कल्पना मुर्मू जिंदाबाद, का नारा लगाते हुए हर्ष व उल्लास के साथ जुलूस में नजर आया।इस संबंध में झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष राजाराम मरांडी ने कहा इस चुनाव में विजय हांसदा के जीत पर बरहेट ही नही पूरे 6 विधानसभा में खुशी का माहौल है क्योंकि ये जनादेश इंडिया गठबंधन का परचम लहराया है, साथ ही सभी विधानसभा में विजय हांसदा की जीत का खुशी है।

सिंहभूम लोकसभा के सभी छह विधानसभा सीट पर भी ऐतिहासिक जीत की तैयारी में जुटा झामुमो

जातीय समीकरण को ले उठे चर्चा को विराम लगाने में झामुमो जिला अध्यक्ष सह विधायक सुखराम की रणनीति काम आई

लोकसभा चुनाव संपन्न और सिंहभूम लोकसभा सीट में प्रचंड मतों के अंतर से इंडी गठबंधन प्रत्याशी जोबा मांझी के जीत के बाद अब सिंहभूम लोकसभा के सभी छह विधानसभा सीट पर भी ऐतिहासिक जीत को ले झामुमो तैयारी शुरू कर दी है

रामगोपाल जेना। चाईबासा। लोकसभा चुनाव संपन्न और सिंहभूम लोकसभा सीट में प्रचंड मतों के अंतर से इंडी गठबंधन प्रत्याशी जोबा मांझी के जीत के बाद अब सिंहभूम लोकसभा के सभी छह विधानसभा सीट पर भी ऐतिहासिक जीत को ले झामुमो तैयारी शुरू कर दी है । जिला मुख्यालय में झामुमो जिला अध्यक्ष सह चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव के नेतृत्व में जिस प्रकार नव निर्वाचित सांसद जोबा मांझी का स्वागत कोल्हान के मानकी मुंडा के केंद्रीय कमिटी ,हो समाज ,समेत विभिन्न संगठनों के द्वारा स्वागत सह अभिनंदन किया गया एवं मंझगांव विधायक निरल पूर्ति के आवास में सांसद जोबा मांझी का स्वागत एवं बैठक हुई उसके बाद कई प्रकार की चर्चा राजनीतिक गलियारे में होने लगी। ऐसे तो मतगणना के दिन ही परिणाम आने के बाद मंत्री दीपक बिरुवा झामुमो जिला अध्यक्ष सह विधायक सुखराम उरांव और विधायक निरल पूर्ति ने साफ तौर पर कहा है कि इस जीत का असली हीरो सिंहभूम संसदीय क्षेत्र की जनता और सहयोग करने वाले तमाम संगठन और इंडी गठबंधन के कार्यकर्ता है । सिंहभूम संसदीय क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्र में ऐतिहासिक समर्थन मिला है विधायकों और सांसद ने राज्य के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का भी आभार प्रकट किया है जिनके मेहनत और कार्य से सरायकेला विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा को पिछले चुनाव की तरह बढ़त नहीं बना पाई। सरायकेला विधानसभा क्षेत्र में प्रतेयक लोकसभा चुनाव में साठ से सत्तर हजार की बढ़त होती थी पर इस बार मात्र बीस हजार ही बढ़त बना पाई।। इधर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और सांसद गीता कोड़ा का अपना विधानसभा यानी गृह क्षेत्र में भी झामुमो ने जबरजस्त सेंधमारी कर दी जगन्नाथपुर में 20977 मत से आगे रही झामुमो ।इसी प्रकार मंझगांव विधानसभा में अपने घोषणा के अनुरूप विधायक निरल पूर्ति ने 59993 मत से बढ़त बनाने में कामयाब रहे।। मंत्री सह विधायक दीपक बिरुवा भी अपने घोषणा के अनुरूप चाईबासा में 59195 बढ़त बना दिए ।। मनोहरपुर में प्रत्याशी सह सांसद जोबा मांझी ने भी 27676 मत से आगे रही चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक सह झामुमो जिला अध्यक्ष सुखराम उरांव ने भी अपने घोषणा के अनुरूप 19127 मत से बढ़त बनाए हालांकि चक्रधरपुर विधानसभा और अन्य विधानसभा के राजनीतिक समीकरण कुछ अलग है इसके बावजूद लगभग बीस हजार की बढ़त होना अपने आप एक रिकार्ड है ।। बहरहाल परिणाम जो झामुमो के राजनीति सेहत के लिए सुखद है पर अब छह माह बाद विधानसभा चुनाव होना है संभवत गुरुवार को मंझगांव विधायक निरल पूर्ति के आवास में सांसद ,मंत्री और विधायक की हुई बैठक के बाद जो बातें छनकर आई है तीनों में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी कई बिंदुओं पर चर्चा हुई है साथ ही आम जनता के कार्यों और क्षेत्र के विकास की गति को और तेज करने की बात पर चर्चा हुई है हालांकि जीत के लिए नव निर्वाचित सांसद मंत्री और विधायकों भी धन्यवाद दिया है और सभी ने आम जनता का आभार प्रकट किया है ।। जगरनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में बढ़त के लिए इंडी गठबंधन के नेताओं,मतदाताओं और कार्यकर्ताओं के साथ साथ झामुमो जिला अध्यक्ष सह विधायक सुखराम उरांव को सांसद और मंत्री ने धन्यवाद दिया जिनके प्रयास से जगरन्नाथपुर में झामुमो का विशाल संगठन खड़ा हुआ ।

नेपाल में झारखंड के खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण सहित कुल 25 पदक झटके हुआ स्वागत

नेपाल में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए झारखंड के खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण सहित कुल 25 पदक झटके हुआ स्वागत

रामगोपाल जेना। चक्रधरपुर। नेपाल के गोकरनेश्वर म्युनिसिपालिटी काठमांडू में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोतोकान कराटे प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए झारखंड के 14 सदस्य टीम ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के बालक एवं बालिका शामिल हुए। 1 व 2 जून को आयोजित हुई दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में झारखंड की टीम ने 2 स्वर्ण 7 रजत सहित कुल 25 पदक जीतने में सफल रहे। प्रथम अंतरराष्ट्रीय शोतोकान कराटे प्रतियोगिता में भारत के अलावा मेजबान नेपाल,बांग्लादेश श्रीलंका, म्यांमार,भूटान सहित अन्य पड़ोसी राज्य के करीब 400 खिलाड़ीयों ने भाग लिया था। शुक्रवार को चक्रधरपुर लौटने पर सेंसाई अंकिता शील के द्वारा सभी खिलाड़ियों को पवन चौक में माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

इन्होंने जीता पदक

- स्वर्ण पदक :- सुशांत मार्डी व अंशुमन बारिक*
- रजत पदकः- एम विजय कुमार, सुजल महतो, सुमित बारी,मनमीत सिंह, शिवानी पूर्ति, सुप्रिया सिंह
- कांस्य पदकः- सुशांत मार्डी, सिमरन सोय, एलिस गागराई, अनीशा तामसोय,संजना देवगम, सुप्रिया सिंह, सानिया कुंटिया, आस्था महतो,शिवानी पूर्ति,अंशुमान बारिक, मनमीत सिंह, सुजल महतो एवं सुमित बारी पदक जीतने में कामयाब रहे

गांव की भूमि को अवैध तरीके से बेचे जाने पर ग्रामीणों ने किए विरोध

सरायकेला। सरायकेला जिले के गम्हरिया अंचल के पालूबेड़ा गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के बाहर पारंपरिक हथियारों से लैस होकर जोरदार प्रदर्शन किया. दसअसल ग्रामीण गांव की भूमि को अवैध तरीके से बेचे जाने का विरोध कर रहे हैं. जानकारी देते हुए ग्राम प्रधान धर्मू माझी ने कहा कि उनके गांव में बिना ग्राम प्रधान के अनुमति के बिल्डरों द्वारा जमीन खरीदी जा रही है. उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी कीमत पर बाहरियों को गांव में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा. वहां की जमीन खरीदने के बारे में सोचें भी नहीं अन्यथा उलगुलान किया जाएगा. वहीं अंचल अधिकारी ने बताया कि पालुबेड़ा मौजा में जमीन की खरीद बिक्री का मामला है. वहां खाता संख्या 50 और 51 में किसी मंडल की खतियानी जमीन है. उनके द्वारा किसी बिल्डर को तथाकथित तौर पर बेचा जा रहा है. कुछ जमीन उनके द्वारा निबंधित भी कर ली गई है. ग्रामीणों का कहना है कि जमीन बीच में है और उसके चारों तरफ संथाल समुदाय के लोगों की जमीन है, इसलिए बिक्री की जमीन पहले खरीदने का अधिकार उनका है. उन्हें कहा गया है कि पहले जाकर रजिस्ट्रार के पास ज्ञापन दें ताकि रजिस्ट्री के संबंध में उचित निर्णय ले सकें. अंचल अधिकारी के पास उचित कार्रवाई नहीं की जा सकती है.

सरायकेला से उड़ीसा को जोड़नेवाले हाईवे निर्माण का विरोध करना ग्रामीणों को पड़ा महंगा

सरायकेलाः अंचल कार्यालय के अधीन तीतिरबिला मौजा में सरायकेला से उड़ीसा को जोड़नेवाले हाईवे निर्माण का विरोध करना ग्रामीणों को महंगा पड़ गया है. शुक्रवार को पारंपरिक हरवे हथियार के साथ ग्रामीणों ने जैसे ही सड़क निर्माण का विरोध शुरू किया पुलिस कर्मियों ने ग्रामीणों को खदेड़ना शुरू कर दिया. इस दौरान पुलिस ने ग्रामीणों पर जमकर लाठियां भांजी. इसमें कई ग्रामीण घायल भी हुए हैं. लाठीचार्ज के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और सड़क पर ही धरने पर बैठ गए. ग्रामीणों ने बताया कि यह जमीन उनके पुरखों की है. यहां खेती के अलावा देव स्थल भी है. उन्होंने बताया कि बगैर ग्रामसभा के सरकार ने उनके जमीन पर सड़क निर्माण कार्य शुरू कराया है जिसका हम विरोध करते हैं. ग्रामीणों का कहना है सुबह 300 की संख्या में पुलिस बल के साथ प्रशासन की टीम पहुंची और जबरन खेतों में जेसीबी चलाना शुरू कर दिया. जैसे ही इस बात की जानकारी ग्रामीणों को हुई सभी विरोध करने पहुंच गए. तभी प्रशासन ने लाठी चार्ज करना शुरू कर दिया और अंशु गैस के गोले भी दागे. ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस ने मुंडा जबरन गांव के पारंपरिक मुंडा को भी जीप में बैठा कर ले जया जा रहा था, ग्रामीणों के विरोध के बाद उनको रिहा करना पड़ा. ग्रामीण अब भी विवादित स्थल पर डटे हैं और किसी भी सूरत में अपने पुरखों की ज़मीन और देव स्थल को देने के लिए तैयार नहीं है. आपको बता दें कि दो साल पूर्व स्थानीय विधायक सह तत्कालीन मंत्री जो अब सूबे के मुखिया चंपाई सोरेन हैं ने उक्त सड़क की आधारशिला रखी थी. इस सड़क के बन जाने से सरायकेला से उड़ीसा का मार्ग सुगम हो जाएगा, मगर ग्रामीण इसके विरोध में उतर गए हैं. वैसे लोकसभा चुनाव के बाद जिला प्रशासन भी अब एक्शन में है. फिलहाल काम तो बंद है, मगर देखना यह दिलचस्प होगा कि इस लड़ाई में जीत किसकी होती है, क्योंकि छः महीने बाद ही यहां विधानसभा चुनाव भी होने हैं.

सांसद जोबा मांझी ने झामुमो कार्यकर्ता मंगल के परिजनों को इलाज के लिए की आर्थिक सहयोग

रामगोपाल जेना। कोल्हान/चक्रधरपुर। बन्दगाँव प्रखण्ड के लाण्डुपोदा पंचायत अंतर्गत ग्राम मटकमबेड़ा के झामुमो कार्यकर्ता मंगल कांडेयांग के परिवार को सांसद जोबा माझी द्वारा आर्थिक सहयोग पहुंचवाया गया । मंगल कांडेयांग, पिता मधु कांडेयांग पिछले दिनों नये बैलों को बैल गाड़ी जुताई सिखा रहे थे इस क्रम में वो बैलगाड़ी की चपेट में आ जाने से गम्भीर रूप से घायल एवं अंदरुनी रूप से जख्मी हो गए थे जिनका इलाज चल रहा है । स्थानीय झारखण्ड मुक्ति मोर्चा नेता सह बन्दगाँव प्रखण्ड 20 सूत्री अध्यक्ष दोडाय जोंको द्वारा हादसे की जानकारी माननीय सांसद महोदय को दी गई जिसके उपरांत पिडित एवं उनके परिजनों को आर्थिक सहायता दी गई। मौके पर झामुमो नेता मार्टिन हेम्ब्रम,हरि कांडेयांग कराईकेला पीड़ मनकी नरेश बनरा सिरकान्त बोदरा भी मौजूद रहे।

बंदगांव में भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस को लेकर बैठक आयोजित

रामगोपाल जेना। कोल्हान/बंदगांव- कराइकेला बाजार परिसर में विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई की अध्यक्षता में झामुमो पार्टी की बैठक आयोजित की गई .बैठक में सर्वसम्मिति से निर्णय लिया गया कि भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस आगामी 9 जून को धूमधाम के साथ प्रत्येक पंचायत में मनाई जाएगी. इस मौके पर मिथुन गागराई ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी समुदाय का भगवान थे. उनके दिशा निर्देश से ही आज झारखंड का निर्माण हुआ है. और आदिवासी समुदाय को उसका हक एवं पहचान मिला है .इसलिए बंदगांव प्रखंड के सभी पंचायत में धूमधाम के साथ भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया जाएगा. उन्होंने इसके लिए सभी झामुमो कार्यकर्ताओं को उपस्थित होने की अपील भी की है .उन्होंने कहा झामुमो पार्टी की ओर से बंदगांव प्रखंड के विभिन्न जगहों में भगवान बिरसा मुंडा का स्मारक लगाया गया है .उन स्मारक का साफ सफाई करनी है. और 9 जून को शहादत दिवस मनाना है. इस मौके पर झामुमो के वरिष्ठ नेता प्रेम मुडरी ,रंजीत मंडल ,अरुण चटर्जी ,अमित रक्षित, सुभाष कालिंदी, राकेश नायक समेत अन्य झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे.

आदर्श आचार संहिता समाप्त,अब विकास योजनाओं की होगी क्रियान्वन,डीसी ने की बैठक

रामगोपाल जेना। चाईबासा। आज जिला समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला उपायुक्त कि अध्यक्षता में जिला अंतर्गत संचालित विभिन्न विभागों की विकासात्मक योजनाओं की अद्यतन प्रगति कि क्रमवार समीक्षा की गई। बैठक में जिला उपायुक्त के द्वारा सभी पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति के उपरांत आदर्श आचार संहिता जिले में अब लागू नहीं है। सभी विभाग प्रधान अपने-अपने विभाग अंतर्गत संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में पूर्ण रूप से कार्य करते हुए प्रगति लाने का कार्य करेंगे। जिला उपायुक्त के द्वारा क्रमवार पंचायती राज विभाग, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, परिवहन विभाग, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर कमवार और समीक्षा की गयी साथ ही साथ योजनाओं के प्रगति के विरुद्ध पूर्व में दिए गए टारगेट के आलोक में अब तक हुई प्रगति की भी समीक्षा की गई साथ ही साथ जहां कमी पाई गई उसे निश्चित समय में दूर करने हेतु संबंधित विभागध्यक्ष को निर्देशित भी किया गया। बैठक में मुख्य रूप उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार मीणा, सहायक समाहर्ता श्री अर्णव मिश्रा, अपर उपायुक्त श्री कमलेश्वर नारायण, सिविल सर्जन डॉ सहिर पॉल, सहित जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बिहार में आसमान से बरसी आफत, ठनका गिरने से तीन की मौत, आंधी और बारिश से काफी नुकसान

पटना, एजेंसी। उत्तर बिहार के कई जिलों में आंधी व बारिश से भारी क्षति हुई है। पूर्वी चंपारण के सुगौली के अमीर खां डाकबंगला टोले में पेड़ गिरने से महिला की मौत हो गयी। इस हादसे में छह लोग घायल हो गये हैं। वहीं, बगहा पुलिस जिले बकुली पंचगांवा में खेत गए किसान अमर साह की मौत हो गई। उनके शरीर पर ही ठनका गिर गया। सीतामढ़ी के रीगा में भी ठनका चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। आंधी-बारिश से जिलों में सौ से अधिक घरों के छप्पर उड़ गए। पांच से छह घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। आम व लीची की फसलों को काफी क्षति हुई है। हालांकि, बारिश से खरीफ की खेती में जुड़े किसानों व सब्जियों की खेती को लाभ पहुंचा है।

पूर्वी चंपारण के सुगौली, तेतरिया, मधुबन व ढाका प्रखंडों में आंधी व बारिश से काफी क्षति पहुंची है। मधुबन प्रखंड में दर्जनों पेड़ गिर गए। जगह-जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी। कई घरों के छप्पर उड़ गए हैं। पेड़ों के गिरने से कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। तेतरिया प्रखंड में सौ से अधिक घरों के एस्बेस्टस क्षतिग्रस्त हो गये हैं। कई मवेशियों की मौत हो गयी है। तेतरिया प्रखंड की घेघवा पंचायत के मोलनापुर में बिजली के शार्ट सर्किट से आग लगने से पांच घर जल गये। सीतामढ़ी जिले के बोखड़ा प्रखंड में आंधी से कई घरों के छप्पर उड़ गए। सड़क पर बिजली का ट्रांसफार्मर गिर गया। इससे आपूर्ति ठप हो गई। सीतामढ़ी के रीगा की रेवासी पंचायत के पकड़ी धनुखि टोला में ठनका गिरने से धनुषी टोला वार्ड-2 निवासी सुरेंद्र सहनी की पत्नी संगीता देवी (40) की मौत हो गई। मधुबनी में बीती रात साढ़े तीन बजे तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई। तेज हवा के कारण आम को नुकसान हुआ है। गुरुवार सुबह 10 बजे भी अच्छी बारिश हुई। इससे शहर की सड़कों पर जलजमाव हो गया। रांटी, मंगरौनी, करहिया पूर्वी, बिस्फी, बेनीपट्टी, झंझारपुर, पंडौल सहित कई फीडरों में ब्रेक डाउन हो गया। दरभंगा जिले में आंधी के कारण भारी क्षति हुई है। कई जगहों पर पेड़ गिर जाने से आवागमन बाधित हो गया। कई घरों की छत से एस्बेस्टस उड़ गए हैं। कई लोग चोटिल भी हुए हैं। सड़क पर बिजली के पोल और तार टूटकर लटक गए, जिससे आवागमन बाधित हो गया।

संक्षिप्त समाचार

किशनगंज के व्यक्ति की मक्का मदीना में मौत :मई में हज के लिए निकले थे, लिफ्ट टूटने से गई जान

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज से हज करने गए एक व्यक्ति की लिफ्ट टूटकर गिरने से साउदी अरब के मक्का मदीना में मौत हो गई है। मृतक की पहचान कोचाधामन प्रखंड के माराडांगा निवासी अब्दुल लतीफ (60 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक अब्दुल लतीफ पिछले महीने मक्का शरीफ में हज के लिए निकले थे, जहां लिफ्ट टूटकर गिरने से उनके सिर पर गंभीर चोट आई और उनके शरीर से काफी खून निकल गया। जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गया है। मृतक के साथ गए लोगों ने परिजनों को गुरुवार की शाम घटना की जानकारी दी, वहीं घटना की जानकारी के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का शव कल पैतृक गांव के लिए रवाना होगा।

नशा खुरानी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, एक आरोपी अब भी फरार

अररिया, एजेंसी। अररिया के पलासी थाना की पुलिस ने नशा खुरानी गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एसपी अमित रंजन ने बताया कि दो दिन पहले पश्चिम बंगाल के रहने वाले कबाड़ व्यवसायी को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया था और फिर लूट की घटना को अंजाम दिया था। घटना पलासी थाना क्षेत्र के मैना मोड़ के पास की है। पुलिस ने इनके पास से लूटी हुई बाइक, स्मार्टफोन और दो हजार रुपए बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने एक अन्य बाइक को भी जब्त किया है। गिरफ्तार दोनों बदमाश मो इश्तियाक और जीतन मंडल पलासी थाना क्षेत्र के काशीबाड़ी का रहने वाले है। एसपी ने आगे बताया कि इस कांड में शामिल एक अन्य आरोपी का नाम और पता का सत्यापन किया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। वहीं कार्रवाई करने वाली टीम में पलासी थाना प्रभारी पुलिस इंस्पेक्टर मिथिलेश कुमार, पलासी थाना के अवर निरीक्षक अमित कुमार और मसरूर आलम शामिल थे।

चोरी की स्कॉर्पियो के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर/बंदरा, एजेंसी। हत्था थाने की पुलिस ने चोरी की स्कॉर्पियो के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। थाना पर गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए थानाध्यक्ष शशिरंजन ने बताया कि बुधवार दोपहर वाहन चेकिंग के दौरान सकरी मन में एक अनाज गोदाम के समीप से स्कॉर्पियो पर सवार दो व्यक्ति गाड़ी को घुमाकर भागना चाहा, जिसे पुलिस बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। जांच में स्कॉर्पियो चोरी की निकली, जो तीन जून को समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। मामले में कोयलाम के रामनरेश पासवान ने केस दर्ज कराया था। गिरफ्तार दोनों बदमाश समस्तीपुर जिला अंतर्गत कल्याणपुर थाने के सुरेश राय का पुत्र देवेंद्र राय व चकमेहसी थाने के सैदपुर के दीपन राय का पुत्र विजय कुमार बताया जाता है। संबंधित थाने को सूचना दे दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग में 45 हजार पदों पर निकलेगी वैकेंसी :विभाग की बैठक में लिया गया निर्णय

पटना, एजेंसी। बिहार स्वास्थ्य विभाग में जल्द 45 हजार पदों के लिए वैकेंसी निकलने वाली है। राज्य में आदर्श चुनाव आचार संहिता के खत्म होते ही कल गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे की ओर से स्वास्थ्य विभाग सभागार में एक बैठक की गई है। इस बैठक में प्रदेश के युवाओं को जॉब देने के लिए निर्णय लिया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने जनता को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्ता सरकार की पहली प्राथमिकता बताया। स्वास्थ्य विभाग में मुख्यालय स्तर से लेकर क्षेत्रीय एवं स्वास्थ्य उपकेन्द्र स्तर तक की सभी रिक्त पदों पर चार माह के अंदर नियुक्ति करने का निदेश स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों को दिया गया।

नीतीश सरकार का प्लान - अब घर पर होगा आपके पशुओं का इलाज

पटना, एजेंसी। बिहार में अक्टूबर तक पशुपालकों के दरवाजे पर ही गाय, भैंस सहित अन्य पशुओं के इलाज की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। प्रत्येक प्रखंड में एक-एक पशु एंबुलेट्री वैन रहेगी। यह मोबाइल पशु चिकित्सा क्लीनिक का काम करेगी। प्रत्येक एंबुलेट्री वैन में एक पशु चिकित्सक, पशु चिकित्सा सहायक और एक ड्राइवर कम अटेंडेंट होंगे। सात निश्चय पार्ट 2 के तहत यह काम होगा। संविदा पर सभी प्रखंडों के लिए 534 पशु चिकित्सक नियुक्त होंगे। उनको प्रति माह 65 हजार मानदेय मिलेगा। पशु चिकित्सा सहायक और एंबुलेट्री वैन चलाने के लिए ड्राइवर चयनित एजेंसी के माध्यम से लिया जाएगा। टोल फ्री नंबर से पशु के बीमार होने की सूचना मिलते ही एंबुलेट्री वैन पशुपालकों के द्वार पर पहुंच जाएगी। इस योजना के लिए 355 करोड़ का प्रावधान किया गया है। एक एंबुलेट्री वैन की कीमत 16 लाख रुपये है। सात निश्चय पार्ट 2 के तहत इस योजना का क्रियान्वयन किया जाना है। पशु व मत्स्य संसाधन विभाग ने इसके लिए तैयारी तेज कर दी है। एंबुलेट्री वैन संचालन में केंद्र और राज्य सरकार दोनों की भूमिका है। 307 प्रखंडों में केंद्र सरकार जबकि 207 प्रखंडों में राज्य सरकार के माध्यम से एंबुलेट्री वैन की खरीद की जा रही है। 20 वैन राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत खरीदी जाएगी।

टीकाकरण में मिलेगी मदद

पशुओं को विभिन्न रोगों के बचाव के लिए टीकाकरण योजना क्रियान्वयन में भी मदद मिलेगी। समय पर टीकाकरण कार्य पूरा करने में इससे काफी मदद मिलेगी। एंबुलेट्री वैन पशुओं का टीकारण सुरक्षित तरीके से पहुंचाने में सहायक होगी।

कृत्रिम गर्भाधान की भी सुविधा मिलेगी

एंबुलेट्री वैन में माइक्रोस्कोप सहित पशुओं के इलाज के लिए जरूरी उपकरण भी रहेंगे। पशुओं के इलाज के लिए सामान्य पैथोलॉजी की सुविधा रहेगी। आवश्यक दवाएं भी उपलब्धता रहेंगी। कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा भी होगी। इससे कृत्रिम गर्भाधान के लिए पशुओं को पशु अस्पताल लाने की आवश्यकता नहीं होगी। पशुपालकों को जागरूक करने के लिए आडियो-विजुअल विज्ञापन के साथ जीपीएस ट्रैकिंग की भी व्यवस्था होगी।

होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला व्यवसायी का शव

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। हाजीपुर निवासी व्यवसायी अशरफ अली का शव गुरुवार शाम छह बजे भगवानपुर स्थित एक होटल के कमरा नंबर 303 में फंदे से लटका हुआ मिला। होटल कर्मियों ने शव देखने के बाद सदर थाने की पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फंदे से लटके हुए शव को उतारा। पोस्टमार्टम के लिए शव को एसकेएमसीएच भेजा गया है। होटल के कमरा की जांच एफएसएल से कराई जा रही है। होटल के स्टाफ धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अशरफ उसके होटल के पुराने ग्राहक थे। मार्केटिंग के लिए जब भी मुजफ्फरपुर आते थे तब वे इसी होटल में रुकते थे। पिछली बार 12 मई को इस होटल में ठहरे थे। दो दिनों पहले होटल में आए तो उनके लिए कमरा नंबर 303 बुक किया गया था। वह बुधवार को काम से बाहर निकले तो शाम में लौटे। गुरुवार सुबह में वह नहीं जगे। होटल स्टाफ कमरा साफ करने गया तो गेट नहीं खुला। तब मैनेजर को लगा कि सोए हुए हैं इसलिए डिस्टर्ब नहीं किया जाए। शाम तक होटल का न तो कमरा खुला और नहीं अशरफ बाहर निकले। शाम में लाइट जलाने के लिए धीरेंद्र पैसेज में आए तो उन्होंने अशरफ के रूम का गेट खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर धीरेंद्र ने गेट को धक्का देकर खोला। गेट खुलते ही फंदे से लटके हुए शव को देखा। रस्सी के फंदे से पंखा में शव लटक रहा था। पंखे पर फंदा लगाने के लिए कुर्सी लगाई गई थी। कुर्सी से नीचे अशरफ का पांव नीचे लटक रहा था। सदर थानेदार अस्मित कुमार ने बताया कि अशरफ का आधार कार्ड लिया गया है। उस पर भी पता हाजीपुर लिखा है। पूरा पता नहीं है। संपर्क नंबर दिया गया है वह स्वीच ऑफ है। होटल कर्मियों से पूछताछ की गई है। उसके बैग से भी कोई ऐसे कागजात नहीं मिले जिससे उसकी पहचान हो पाती। शव को कब्जे में लेकर कमरे की एफएसएल से जांच कराई जा रही है। उसका मोबाइल लॉक है, उसे खोलने का प्रयास किया जा रहा है।

लखीसराय में ट्रेन में लगी आग, दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय में किउल रेलवे स्टेशन पर खड़ी मेमू ट्रेन में गुरुवार को अचानक आग लग गई। आग ने धीरे-धीरे ट्रेन की कई बोगियों को चपेट में ले लिया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मौके पर लखीसराय से आठ और जमुई से दो दमकल की गाड़ियां बुलाई गई। दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि ट्रेन संख्या 13028 पटना-जसीडीह मेमू किउल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर खड़ी थी। थोड़ी देर में ट्रेन जसीडीह के लिए रवाना होने वाली थी। ट्रेन के अंदर कुछ पैसेंजर्स भी बैठे थे। करीब साढ़े 5 बजे ट्रेन से धुंआ उठा और देखते-देखते ट्रेन से आग की लपटें उठने लगीं। इसे देखकर ट्रेन में बैठे यात्री नीचे उतर कर इधर-उधर भागने लगे। इससे प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी मच गई। रेलवे अधिकारी ने बताया कि बैट्री पैनल में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। फिलहाल, आग पर काबू पाने के बाद मामले की जांच की जाएगी।

एक बोगी पूरी तरह जल गई : रेल डीएसपी इजाज हाफिज मानी ने बताया कि ट्रेन में ब्रेक पॉइंट से धुआं उठने की संभावना जताई जा रही है। आग लगने के अन्य कारणों का भी पता लगाया जा रहा। किसी प्रकार की जानमाल की क्षति नहीं हुई है। एक बोगी पूरी तरह से जल गई है। बगल की बोगी भी जली है।

बचाव कार्य में जुटे रेलवे अधिकारी : आग लगने की सूचना पर स्टेशन के अधिकारी, आरपीएफ और जीआरपी जवान मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुट गए। इस संबंध में आरपीएफ इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेन में ब्रेक प्वाइंट से धुआं उठने की संभावना जताई जा रही है। आग लगने के अन्य कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

खाली कराया गया कोच : लोको पायलट अविनाश कुमार ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है। दो घंटे में आग पर काबू पाया गया। आग लगने की सूचना पर अनाउंसमेंट करके कोच को खाली कराया गया।

आग लगने से ट्रेन परिचालन पर भी पड़ा असर : पटना-जसीडीह मेमू में आग लगने से ट्रेनों के परिचालन पर भी असर पड़ा है। रेलवे अधिकारी ने बताया कि डाउन में पाटलिपुत्र एक्सप्रेस एक घंटा विलंब से चलकर किऊल पहुंची। वहीं, दानापुर-भागलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को हथिदह स्टेशन पर रुकी रही। मिथिला एक्सप्रेस को बड़हिया स्टेशन पर खड़ी रही। हालांकि, आग पर काबू पाने के बाद शाम साढ़े सात बजे के बाद ट्रेनों का परिचालन सामान्य कर दिया गया है।

बालू माफिया पर नीतीश सरकार कसेगी पूरी नकेल, गूगल मैपिंग कर घाटों की ऑनलाइन निगरानी

पटना, एजेंसी। बिहार में बालू माफिया की अब खैर नहीं। सरकार इसके लिए फुलप्रूफ प्लान बना रही है। सोन नदी के पूरे तट की गूगल से मैपिंग होगी। बालू के अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए विभाग ऑनलाइन निगरानी की व्यवस्था करने जा रहा है। खान एवं भूतत्व विभाग चौकसी बरतने की कर रहा तैयारी कर रहा है। पटना से लेकर रोहतास तक सोन नदी तटबंध की लंबाई करीब 150 किमी है। गूगल के ऑनलाइन मैप की मदद से पूरे इलाके की सघन फोटोग्राफी करवाई जाएगी। बालू के अवैध खनन की अधिक संभावना वाले स्पॉट को चिह्नित किया जाएगा। इन स्थलों का गूगल की मदद से को-ऑर्डिनेट (अक्षांश एवं देशांतर बिन्दु) भी लिया जाएगा। इससे अवैध खनन वाले स्पॉट को चिह्नित करने में मदद मिलेगी। इसका लाभ यह होगा कि त्वरित कार्रवाई के लिए इन स्थानों तक गूगल मैप या जीपीएस की मदद से आसानी से पहुंचा जा सकेगा। इन सभी चुनिंदा स्थलों पर कैमरे लगाए जाएंगे। इन्हें विभाग में मौजूद कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा। इससे सभी संवेदनशील स्थानों की समुचित निगरानी हो सकेगी। इन कैमरों को सैटेलाइट या मोबाइल के जरिए जोड़कर निगरानी करने की व्यवस्था बहाल करने पर भी विचार किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट पर विभाग मंथन करने में जुटा है। सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद जल्द ही इसे अमलीजामा पहनाया जाएगा।

यहां के बालू की मांग अधिक

सोन नदी का बालू सबसे बेहतरीन माना जाता है। यह बालू हल्का लाल और सुनहरे रंग का होता है। ढलाई और प्लास्टर दोनों के लिए काफी उपयुक्त है। इसकी मांग सबसे ज्यादा है। इसकी कीमत भी गंगा की सफेद रेत से दो से ढाई गुणा अधिक होती है। इसके करीब 130 से 140 घाटों पर अभी खनन कार्य चल रहा है।

आधा राजस्व सोन से

खनन विभाग को इसी नदी घाट से सबसे ज्यादा राजस्व की प्राप्ति होती है। बीते वित्तीय वर्ष में बालू खनन से करीब 3300 करोड़ रुपये के राजस्व की वसूली की गई थी। इसमें 50 से 55 फीसदी राजस्व इसी नदी घाटों से आता था। पूरे राज्य में रोजाना करीब 50 से 55 हजार चालान जारी होता है। इसमें करीब आधे चालान इन इलाकों के होते हैं। एक बालू लदे वाहन के लिए एक चालान जारी किया जाता है। यह ट्रक या ट्रैक्टर भी हो सकता है।

नेशनल हाईवे के मामले में बिहार फिसड्डी ? 1 हजार करोड़ नहीं हुए खर्च

पटना, एजेंसी। बिहार में नेशनल हाईवे (राष्टीय उच्च पथ) मद में मिलने वाली राशि ससमय खर्च नहीं हो पा रही है। बीते दस वर्षों में जो पैसा बिहार को मिला, उसमें से अब भी एक हजार करोड़ बचे हुए हैं। यह स्थिति तब है जब देश के कुल एनएच में बिहार की भागीदारी अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2014-15 में बिहार को एनएच निर्माण के लिए विभिन्न योजनाओं में 666.67 करोड़ रुपये आवंटित हुए थे। इसमें से 560.73 करोड़ ही खर्च हो सका। जानकारी के मुताबिक वर्ष 2015-16 में 826.9 करोड़ में से 767.38 करोड़ खर्च हुए। वित्तीय वर्ष 2016-17 में 1480.92 करोड़ में से 1431.79 करोड़ तो 2017-18 में 1775.12 करोड़ में से 1706.89 करोड़ ही खर्च हो सके। वहीं, 2018-19 में 1633.47 करोड़ में से 1599.7 करोड़ ही खर्च हो सके। आगे के वर्षों का भी कुछ ऐसा ही अनुपात है। कुल मिलाकर पिछले 10 वर्षों में बिहार को विभिन्न मदों से एनएच बनाने को 17045.37 करोड़ मिले, जिसमें से मात्र 15971.49 करोड़ रुपये ही खर्च हो सके। खर्च नहीं होने वाली राशि 1073.88 करोड़ में से अकेले विगत वित्तीय वर्ष की एक तिहाई से अधिक 396.54 करोड़ है। एनएच निर्माण मद का पैसा खर्च नहीं होने के कारण बिहार में एनएच की लंबाई अपेक्षा के अनुरूप नहीं बढ़ पा रही है। बिहार में अभी एनएच की कुल लंबाई 5955.95 किलोमीटर है। देश के कुल एनएच में बिहार की भागीदारी मात्र 4.04 फीसदी है। यही नहीं साल दर साल एनएच के मामले में बिहार की भागीदारी कम ही होती जा रही है। वर्ष 2005 में देश के कुल एनएच में बिहार की भागीदारी 5.4 फीसदी थी जो घटकर 4.04 फीसदी हो गई है।

बिहार में प्रति लाख आबादी पर 4.54 किमी एनएच

आबादी के दृष्टिकोण से देखें तो एक लाख की आबादी पर एनएच का राष्ट्रीय औसत 10.90 किलोमीटर है। सबसे अधिक अरुणालच प्रदेश में एक लाख की आबादी पर 183.5 किलोमीटर एनएच है। दूसरे पायदान पर मिजोरम में 130.4 किलोमीटर और तीसरे पायदान पर अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 87 किलोमीटर एनएच है। बिहार में एक लाख की आबादी पर मात्र 4.54 किलोमीटर ही एनएच है। राज्य के पड़ोसी राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल की स्थिति बिहार जैसी ही है।

महाराष्ट्र में सर्वाधिक 17 हजार 757 किमी एनएच

बिहार में प्रति हजार वर्ग किलोमीटर 63.24 किलोमीटर एनएच है। देश में सबसे अधिक महाराष्ट्र में 17 हजार 757 किमी एनएच है। कुल एनएच में इसकी भागीदारी 13.40 फीसदी है। दूसरे पायदान पर उत्तर प्रदेश में 11 हजार 737 किलोमीटर है और कुल एनएच में इसकी भागीदारी 8.86 फीसदी है। तीसरे पायदान पर राजस्थान में 10 हजार 342 किलोमीटर एनएच है और देश में इसकी भागीदारी 7.81 फीसदी है। क्षेत्रफल की दृष्टि से देखें तो प्रति हजार वर्ग किलोमीटर सबसे अधिक एनएच 196.4 किलोमीटर एनएच दमन और दीव में है। दूसरे पायदान पर 134 किमी एनएच चंडीगढ़ तो तीसरे पायदान पर दिल्ली में 105.9 किमी है। देश का औसत 39.90 किलोमीटर है।

विचार-मंथन

संपादकीय

7 राज्यों में भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक

लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी और एनडीएम को एकतरफा जीत नहीं मिली है। लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। 'अबकी बार, 400 पार' का नारा देने वाली बीजेपी को इस चुनाव में बड़ा झटका लगा है। पार्टी अपने बूते बहुमत हासिल करने से चूक गई है। पिछले दो लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस साल पार्टी का सबसे खराब रहा है। पार्टी इस बार महज 240 पर सिमटती नजर आ रही है। वहीं, पिछले चुनाव में पार्टी ने अपने बूते 303 सीटें जीती थीं। हालांकि, एनडीए के अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर पार्टी एक बार फिर से केंद्र में सरकार बनाने की स्थिति में है। खास बात है कि देश के 7 राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेश में पार्टी पूरी तरह से साफ हो गई है। यह राज्य हैं तमिलनाडु, पंजाब, सिक्किम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड। इस बार चुनाव में बीजेपी को सीटों के साथ ही वोट शेयर में भी झटका लगा है। पार्टी इस बार लगभग 240 सीट पर जीत हासिल करती नजर आ रही है। वहीं, पिछले चुनाव में पार्टी ने 303 सीटों पर जीत हासिल की थी। 2014 के चुनाव में पार्टी ने अपने बूते 282 सीट का आंकड़ा छुआ था। इस बार पार्टी को 36.61 फीसदी वोट मिले हैं। वहीं, साल 2019 में पार्टी का वोट शेयर 37. 69 था। हालांकि, पार्टी ने साल 2014 में 31 फीसदी वोट हासिल किया था। कांग्रेस ने इस साल 21.26 फीसदी वोट हासिल किए हैं। जबकि पार्टी को पिछले आम चुनाव में 19.66 फीसदी वोट मिले थे। कांग्रेस ने पिछले चुनाव में 52 सीटें जीती थी। इस बार कांग्रेस करीब 100 सीट पर जीत हासिल करती नजर आ रही है।पंजाब में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। पंजाब में पार्टी पूरी तरह से साफ हो गई है। पिछले चुनाव में पार्टी के दो सांसद थे। इस बार बीजेपी पंजाब में एक भी सीट जीतने में नाकामयाब रही है। पंजाब में बीजेपी का शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन नहीं हो पाया था। इसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा। दक्षिण भारत के तमिलनाडु में पार्टी एक बार फिर खाता खोलने में नाकाम रही। पीएम मोदी के लगातार दौरे और चुनाव प्रचार का पार्टी को यहां फायदा नहीं मिला। राज्य की 39 सीटों में से पार्टी को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली। मणिपुर की दो लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने कब्जा किया। बीजेपी यहां खाता खोलने में असफल रही। बीजेपी ने यहां 16.58 फीसदी वोट हासिल किए। सिक्किम में लोकसभा की एक सीट है। इस सीट पर सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने जीत हासिल की।

खजाने में 100 टन सोना आया,सुखद

भारत भूमि पर भारतीय रिजर्व बैंक के खजाने में 100 टन से कुछ ज्यादा स्वर्ण का शामिल होना सुखद और गौरवान्वित करने वाली खबर है। यह सोना भारत का ही है और भारतीय रिजर्व बैंक इस सोने को स्वदेश लाकर अपने विभिन्न खजानों में सुरक्षित कर लेगा। जब सोने के स्वदेश लाए जाने की सूचना है, तब साल 1991 की याद स्वाभाविक है, जब मजबूरी में देश को अपना सोना विदेश भेजना पड़ा था। तब कर्ज का जाल भारी हो गया था, लेकिन आज भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है और कर्ज चुकाना अब समस्या नहीं है। ऐसे में, इतने बड़े पैमाने पर विदेश से सोना लाने की प्रशंसा ही की जा सकती है। मार्च के अंत तक रिजर्वबैंक के पास 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेश में था। वास्तव में, अपना सोना किसी अन्य देश में रखने को बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। रिजर्व बैंक शायद संदेश देना चाहता है कि भारत अब शक्तिशाली है और वह अपने सोने की हिफाजत खुद कर सकता है। भारत का ज्यादातर सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास सुरक्षित है और कुछ सोना विदेश में रखना रणनीतिक रूप से ठीक फैसला है। एक खास बात यह भी है कि भारत चालू वित्त वर्ष में ऐसे चंद देशों में शुमार है, जिन्होंने सोना खरीदा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ ही महीनों में 27.5 टन सोना खरीदकर अपने स्वर्ण भंडार में जमा किया है। विगत कुछ वर्षों में भारत ने अपनी सुधरती आर्थिक स्थिति और जरूरत के अनुरूप जो सोना खरीदा है, उसका ज्यादातर हिस्सा विदेश में ही रखा गया है। आर्थिक विशेषज्ञ भी यह मानते हैं कि अनुपात से अधिक सोना विदेश में रखना कोई अच्छा फैसला नहीं है। ध्यान देने की बात है कि साल 1991 में जब भारत पर आर्थिक संकट आया था, तब विदेशी बैंक गिरवी रखे जा रहे भारतीय सोने को भारत में ही रहने दे सकते थे, पर तब शायद भारतीय अर्थव्यवस्था से दुनिया के ज्यादातर देशों को विश्वास कुछ डिग गया था। आज अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हम ब्रिटेन से आगे निकल गए हैं, तो हमें अपनी नीतियों में गरिमा के अनुरूप परिवर्तन करना ही चाहिए। वैसे, भारत की स्थिति अचानक नहीं सुधरी है।

राम मंदिर, आर्टिकल 370....फिर भी इस हाल में पहुँची भाजपा!

(चन्द्र प्रकाश पाण्डेय)

इस बार ऐसा नहीं हुआ। इस जोड़ी ने यूपी में साथ-साथ प्रचार किया। महिलाओं को सालाना 1 लाख रुपये देने और 'खटाखट-खटाखट' गरीबी मिटाने जैसे दावे किए गए। जनता को 'संविधान खत्म' होने, 'आरक्षण खतरे' में होने और 'तानाशाही' आ जाने जैसे डर दिखाए गए। 'बीजेपी हटाओ, देश बचाओ' के नारे दिए गए, जिसका वोटर पर असर पड़ा और बीजेपी की सीटें पिछली बार से घटती दिख रहीं। अग्निवीर वाली अग्निपथ स्कीम, बार-बार पेपर लीक से युवाओं में नाराजगी!

लोकसभा चुनाव के वोटों की गिनती जारी है। तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। सत्ताधारी एनडीए को बहुमत मिल गया है। लेकिन बीजेपी अपने दम पर बहुमत से दूर रह गई है। आखिर बीजेपी की सीटों में गिरावट की क्या वजह हैं, आइए समझते हैं। लोकसभा चुनाव के वोटों की गिनती जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'अबकी बार 400 पार' का नारा धराशायी हो चुका है। बस गनीमत ये रही कि 20 साल बाद बीजेपी और एनडीए के लिए 'फील गुड' और 'इंडिया शाइनिंग' मोमेंट दोहराते-दोहराते बच गया। रुझानों में एनडीए को बहुमत तो मिलता दिख रहा है लेकिन बीजेपी 272 के जादुई आंकड़े से कम से कम 30-35 वोट पीछे रहती दिख रही है। ये तब है जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का बीजेपी का अजेंडा पूरा हो चुका है। जब आर्टिकल 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म करने का बीजेपी का वादा पूरा हो चुका है। अगर ये रुझान नतीजे में तब्दील होते हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का करिश्मा तो कर सकते हैं लेकिन बिना गठबंधन की बैसाखी के सहारे ये मुमकिन नहीं। बीजेपी के पूर्ण बहुमत से चूकने के बाद अगर वह गठबंधन के तहत तीसरी बार सरकार बनाते हैं तो उन्हें जेडीयू चीफ नीतीश कुमार और टीडीपी मुखिया चंद्रबाबू नायडू के रहमोकरम पर रहना होगा। बार-बार गठबंधन बदलने की वजह से 'पलटू चाचा' के नाम से बदनाम हो चुके नीतीश की पार्टी जोर देकर कह रही है कि वह एनडीए छोड़ कहीं नहीं जाएगी लेकिन उन्हें लेकर चर्चाएं चल निकली हैं। इंडिया गठबंधन की तरफ से नीतीश कुमार को डेप्युटी पीएम पद ऑफर किए जाने की भी चर्चाएं चल रही हैं। नायडू को लुभाने की भी कोशिशें चल रही हैं। तो आखिर वे क्या कारण रहे जो बीजेपी के खिलाफ गए। , आइए समझते हैं। यह कारण हुआ बीजेपी का ऐसा हाल। अति आत्मविश्वास! बीजेपी को झटके की एक बड़ी वजह अति आत्मविश्वास को कहा जा सकता है। ऐसा लग रहा 'अबकी बार 400 पार' का नारा बैकफायर कर गया। राम मंदिर निर्माण के बाद बने माहौल और मोदी सरकार के खिलाफ जनता में नाराजगी का कोई निशान नहीं दिखने की वजह से बीजेपी अति आत्मविश्वास का शिकार हो गई। ठीक वैसे ही जैसे 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के वक्त 'फील गुड' और 'इंडिया शाइनिंग' के तौर पर अति आत्मविश्वास से झटका लगा था। बीजेपी के मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में शानदार प्रदर्शन और यहां तक कि केरल में भी पहली बार खाता खोलने की तरफ बढ़ने के बावजूद उसकी सीटें पिछली बार से घटती दिख रहीं। वजह ये है कि यूपी, राजस्थान, हरियाणा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में उसे नुकसान हुआ। यहां तक कि प्रधानमंत्री के गृह राज्य हरियाणा में इस बार बीजेपी 'परफेक्ट 26' का करिश्मा नहीं दोहरा पाई, जबकि 2014 और 2019 में पार्टी ने वहां की सभी सीटों पर कब्जा किया था। 'अबकी बार 400 पार' के शोर में संभव है कि बीजेपी की तरह उसके कुछ समर्थक भी इस मुगालते का शिकार हो गए हों कि जीत तो रहे ही हैं और पोलिंग बूथ तक पहुंचने की जहमत नहीं उठाए हों। इसकी समीक्षा को बीजेपी को करनी ही होगी। बीजेपी इस बार प्रचंड जीत को लेकर आश्वस्त थी। इतना आश्वस्त कि इस बार चुनाव से पहले किसी भी तबके को फायदे वाली किसी स्कीम का भी ऐलान नहीं किया। पिछली बार पीएम किसान सम्मान निधि का ऐलान हुआ था लेकिन इस बार मोदी सरकार ने वैसी किसी भी योजना का ऐलान नहीं किया। एक तरफ विपक्षी गठबंधन ने लोकलुभावन वादे किए तो दूसरी तरफ बीजेपी 'मोदी की गारंटी' पर निर्भर रही जो इस बार शायद उतनी नहीं चली। जमीन पर 10 साल का सत्ताविरोधी रुझान भी रहा, जिसे भांपने में बीजेपी नाकाम रही। राम मंदिर मुद्दे का नहीं मिला फायदा यूपी के अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद ये पहला लोकसभा चुनाव था। सदियों के इंतजार के बाद मंदिर निर्माण का सपना पूरा हुआ। 22 जनवरी को धूमधाम से प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ। उस वक्त यूपी समेत देशभर में जिस तरह का माहौल था, उससे बीजेपी को फायदे की उम्मीद जरूर रही होगी। यही वजह थी कि पार्टी ने चुनाव के दौरान भी मंदिर निर्माण का श्रेय लेने की लगातार कोशिश करती रही। इसके बावजूद यूपी में बीजेपी को तगड़ा नुकसान हुआ। रुझानों को देखकर लग रहा कि राम मंदिर निर्माण का बीजेपी को फायदा नहीं पहुंचा। यहां तक कि जिस फैजाबाद लोकसभा सीट के तहत अयोध्या आती है, वहीं से बीजेपी का उम्मीदवार हार गया। ऐसा लगता है कि पिछली बार बीजेपी को वोट देने वाले एक ठीक-ठाक हिस्से को राम मंदिर निर्माण से खुशी तो थी, लेकिन अन्य वजहों से पार्टी से नाराजगी ज्यादा थी। 'आरक्षण, संविधान खतरे में' का विपक्षी नैरेटिव चल गया विपक्ष ने 'आरक्षण खत्म होने', 'संविधान खत्म होने' का डर दिखाया। इंडिया गठबंधन की तरफ से बार-बार कहा गया कि अगर बीजेपी फिर सत्ता में आती है तो तानाशाही आ जाएगी। 'आरक्षण खत्म' हो जाएगा। 'संविधान खत्म' हो जाएगा। बीजेपी इसलिए 400 से ज्यादा सीटें चाहती है ताकि वह संविधान बदल सके। आरक्षण को खत्म कर सके। राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव या गठबंधन को कोई और बड़ा नेता, अपने-अपने मंचों से लगातार ये बात कहते रहे। बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के इस नैरेटिव को तोड़ने की पूरी कोशिश की लेकिन ऐसा लगता है कि वे इसमें पूरी तरह कामयाब नहीं हो पाए। बीजेपी का पसमांदा कार्ड फेल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दूसरे कार्यकाल के बाद से ही मुस्लिमों को बीजेपी की तरफ आकर्षित करने की हर मुमकिन कोशिश करते रहे। मोदी सरकार की तरफ से चलाई जा रहीं वेलफेयर स्कीम्स का सबसे ज्यादा फायदा मुस्लिमों को मिला जिसका खुद बीजेपी के नेताओं ने भी खूब प्रचार किया। पसमांदा मुस्लिमों को लुभाने के लिए विशेष अभियान चलाया लेकिन बीजेपी का ये कार्ड बुरी तरह फ्लॉप रहा है, खासकर यूपी में। 2019 में सपा-बसपा के हाथ मिलाने के बाद भी एनडीए यूपी में 64 सीट जीतने में कामयाब हुई थी। इस बार सपा और कांग्रेस साथ में थे। ग्रैंड ओल्ड पार्टी सूबे में बेहद कमजोर मानी जा रही थी, इसके बावजूद एसपी-कांग्रेस गठबंधन ने इस बार जबरदस्त प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन के पीछे मुस्लिम वोटों का इंडिया गठबंधन के पक्ष में एकतरफा वोटिंग है। यूपी के 'दो लड़कों की जोड़ी' इस बार सुपरहिट यूपी में इस बार 'दो लड़कों की जोड़ी' (राहुल गांधी, अखिलेश यादव) सुपरहिट रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस साथ आए थे।

मोदी पहली बार गठबंधन पर निर्भर होकर चलाएंगे सरकार, क्या होगा असर?

(अनिल कुमार) लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद एक बार फिर से बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का बनना लगभग तय है। जनता ने तीसरी बार एनडीए को सरकार चलाने के लिए बहुमत दिया है। खास बात है कि इस बार बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करने में असफल रही है। हालांकि, चुनाव नतीजे बीजेपी के अनुमानों के बिल्कुल उलट आए हैं। स्थिति यह है कि पिछली बार अपने दम पर 300 से अधिक सीट जीतने वाली बीजेपी बहुमत के जादुई आकंड़े से दूर है। रात 8 बजे तक के नतीजों और रुझानों के अनुसार बीजेपी को अपने बूते 240 सीट मिलती दिख रही है। हालांकि, सहयोगी दलों के साथ एनडीए बहुमत के पार पहुंच गया है। ऐसे में 10 साल बाद एक बार फिर से केंद्र में क्षेत्रीय दलों पर निर्भर सरकार बनेगी। ऐसे में पीएम मोदी पहली बार खिचड़ी सरकार चलाने पर मजबूर होंगे। नजर डालते हैं कि क्षेत्रीय दलों पर निर्भरता का नई मोदी सरकार पर क्या असर हो सकता है।

क्षेत्रीय दलों का बढ़ेगा कद : चुनाव परिणाम में इस बार क्षेत्रीय दलों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। एनडीए के साथ ही इंडिया गठबंधन में क्षेत्रीय दलों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। एनडीए में टीडीपी और जदयू सबसे अहम सहयोगी बनकर उभरे हैं। टीडीपी ने आंध्रप्रदेश में विधानसभा चुनाव में भी शानदार जीत दर्ज की है। वहीं, जेडीयू ने बिहार में बीजेपी से कम सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद भी उससे अधिक सीटों पर जीत हासिल की है। टीडीपी के खाते में 16 सीट आती दिख रही हैं। वहीं, जेडीयू के 12 सीट पर जीत दर्ज करती नजर आ रही है। ऐसे में केंद्र में बनने वाली नई सरकार में इन दोनों दलों की भूमिका काफी अहम होगी।

मिल सकते हैं अहम मंत्रालय : बीजेपी के अपने दम पर बहुमत हासिल करने का असर इस बार मंत्रिमंडल के बंटवारे पर साफ दिखेगा। इस बार क्षेत्रीय दल बीजेपी नीत एनडीए सरकार में अधिक मोलभाव करने की स्थिति में होंगे। ऐसे में अहम मंत्रालयों में अगर जेडीयू और टीडीपी कोटे से मंत्री बने तो किसी को भी आश्चर्य नहीं होना चाहिए। पिछली सरकार में बीजेपी अपने दम पर 300 से अधिक सीट जीती थी। ऐसे में एनडीए में शामिल सहयोगी दल पूरी तरह से बीजेपी की मर्जी पर निर्भर थे। बीजेपी नेतृत्व अपने मर्जी के आधार पर छोटे दलों को मंत्री पद मिला था। पिछले कार्यकाल में यह आरोप भी लगता रहा था कि बीजेपी अपने सहयोगी दलों का सम्मान नहीं करती।

अहम निर्णयों पर आम सहमति होगी जरूरी : मोदी सरकार के तीसरे कार्यकला में अहम मुद्दों पर निर्णय लेने से पहले सहयोगी दलों से विचार विमर्श अधिक जरूरी हो जाएगा। बीजेपी ने तीसरी बार सत्ता में आने पर एक देश, एक चुनाव और समान नागरिक कानून जैसे अहम मुद्दों को लागू करने की बात कही थी। ऐसे में इस तरह के किसी भी प्रस्ताव पर फैसला करने से पहले बीजेपी की मजबूरी होगी कि वह सहयोगी दलों के साथ सहमति बनाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो बीजेपी को सहयोगी दलों के अलग होने का खतरा भी बना रहेगा।

नीतीश, नायडू होंगे महत्वपूर्ण : एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल में नीतीश कुमार और चंद्र बाबू नायूडू अहम किरदार बनकर उभरेंगे। हालांकि, बीजेपी के साथ एक प्लस प्वाइंट यह भी है कि नीतीश कुमार और चंद्र बाबू नायडू पहले भी बीजेपी के साथ मिलकर काम कर चुके हैं। हालांकि, इस बार दोनों नेता अपनी मर्जी से हां और ना कहने की मजबूत स्थिति में होंगे। ऐसे में स्थिर सरकार के लिए बीजेपी इन नेताओं की नाराजगी मोल लेना नहीं चाहेगी। चंद्रबाबू नायडू तो एनडीए के संयोजक भी रह चुके हैं। दूसरी तरफ आंध्र प्रदेश में भी चंद्रबाबू नायडू सत्ता में आ गए हैं। ऐसे में वे केंद्र से आंध्र प्रदेश के लिए अतिरिक्त केंद्रीय सहायता से लेकर प्रोजेक्ट लाने में सफल हो सकते हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5394

					6			7
	6						9	8
1			4		2		3	
	4	9		6	7		5	
	1						6	
	3		8	9		4	7	
	2		5		1			4
5	8						2	
6			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5393

5	1	7	3	6	9	8	2	4
8	4	9	7	1	2	6	5	3
6	2	3	8	5	4	7	1	9
4	9	8	5	2	3	1	6	7
3	6	5	1	4	7	2	9	8
1	7	2	9	8	6	4	3	5
7	8	1	6	3	5	9	4	2
2	5	6	4	9	8	3	7	1
9	3	4	2	7	1	5	8	6

वर्ग पहेली 5394

संकेत: बाएं से दाएं

1. 17 जुलाई 1919 का इस देश संविधान अंगीकार किया गया (4)
4. यह कीड़ों द्वारा बनाया गया एकलौता ऐसा पदार्थ है जिसे इंसानों द्वारा खाया जाता है (3)
7. ऊनी कालीन या मोटे गद्दे को यह भी कहते है (3)
9. हमला या आक्रमण करने की क्रिया, सप्ताह का दिन (2)
10. प्रस्थिति, प्रेषिति, गमन (3)
12. प्रकार, जेवर, आभूषण (3)
14. शरीर रोम, पशु रोम (2)
15. पुराणानुसार अमृत मंथन के समय निकला प्रचंड विष (4)
17. दयावान, कृपालु, हमदिल (3)
18. केशलता, बालों का वह गुच्छा जो गाल प लटके (2)
21. शासक मंडल, हुक्मरान, शासक वर्ग (4)
22. पृथ्वी के भूपटल पर निचले और समतल क्षेत्र यह कहलाते है (3)
24. शैन, शनै आगे प्रेषित करना, अपनी जगह से हिलाना (4)

ऊपर से नीचे

1. उत्तरप्रदेश का यह स्थान कांच के उद्योग के कारण प्रसिद्ध है (5)
2. जननेन्द्रीय, लिंगीय (3)
3. कश्मीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
5. विविध भारती से नाटकों पर आधारित प्रसारित होने वाला एक दैनिक कार्यक्रम (5)
6. भाव, मूल्य, निर्ख (2)
8. आलेप, प्रलेप, लोशन (4)
11. वृत्ताकार, गोलाई लिए हुए (5)
13. पुराणानुसार विभीषण की बड़ी बेटी का नाम (2)
16. पैंडेट, प्रालंब (4)
19. एक प्रकार का मादक पदार्थ (3)
20. वेस्टइंडीज के ग्रेटर एंटीलीज समूह का द्वीप जिसकी राजधानी किंगस्टन है (3)
21. कठोर व्यवहार, निर्दयता (2)
23. आखेटचारा, चबैना, कण (2)

वर्ग पहेली 5393 का हल

इ	ज	रा	इ	ल		रू	स
ब	ल	वी	र		ज	ना	ब
ति	या		ला	ल		लै	ब
दा	न	व		ह	म	ला	
ई		ह	स	र	त		
	रा	शि		दा	ल	रो	टी
मृ	ग	या		र	ब		च
ग		ना	ते			दौ	र

आज का राशिफल

मेष
आज ग्रहों के शुभ योग बन रहे हैं। आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। कहीं यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं और आपको मन में थोड़ा सा चेंज महसूस होगा। कानूनी विवाद में विजय होगी और आपके लिए स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं और आपको लाभ होगा। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन होंगे।

वृष
आज धन में वृद्धि का दिन है और कारोबारियों की कोई बड़ी डील फाइनल होने से आपका मन प्रसन्न होगा। समाज में शुभव्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी और आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आपके लिए सुख समृद्धि का प्रबल योग बन रहा है और शाम तक कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास का योग अच्छा है।

मिथुन
आज का दिन काफी रचनात्मक है। किसी रचनात्मक और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आपका दिन बीतेगा। आज जो काम आपको सबसे ज्यादा प्रिय है, वह करने को मिलेगा। आज कुछ वक्त आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आएंगी।

तुला
आज आप हर मामले में संयम और सावधानी बरतें तो आपको लाभ होगा। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें और हर प्रकार के विवाद से दूर रहें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्मविश्वास के साथ कार्य करें तो हर मामले में सफलता मिलेगी। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए लाभकारक है। आपको हर कार्य में मनचाही सफलता प्राप्त होगी और आपकी कार्य योजनाएं सफल होंगी। सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रॉजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। ज़मीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग परेशानी पैदा करने का प्रयास करेंगे और आपको सफलता मिलेगी।

धनु
आज का दिन काफी मजबूत है। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए काम करते रहें। परिवार में सुख शान्ति और स्थिरता का आनन्द उठाएं तो आपको लाभ होगा। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी। आपके लिए लाभ के संयोग बन रहे हैं।

कर्क
आज का दिन काफी सृजनात्मक है। जो भी काम लगन के साथ करेंगे उसमें आपको शुभ फल मिलेगा। आपके अधूरे काम निपट जाएंगे और आज महत्वपूर्ण चर्चाएं पूरी होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल मिलेगा और आपका मन भी खुश रहेगा। रात में कहीं सामाजिक कार्य में जाने का मौका भी आपको मिलेगा।

सिंह
आज आप करियर को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे। आपको आज पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे। रात्रि का समय मंगलमय कार्यों में व्यतीत होगा। आपको जरूरी काम करने में समय देना पड़ेगा और आज का दिन आपके भाग्य विकास में सहायक है।

कन्या
आज करियर के मामले में लाभ होगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर सही कर सकते हैं। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो आपको लाभ होगा।

मकर
आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो आपको बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के काम से परे कुछ नए काम में हाथ आजमाएं तो आपको सफलता मिलेगी। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आसपास है, उसे पहचानकर काम करें।

कुंभ
आज का दिन सामान्य है। साझे में किया व्यापार आपको काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू काम को निपटाने का आज सुनहरा मौका है। आज आपको संतान के करियर के मामले में कोई फैसला लेना पड़ सकता है। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें। कई प्रकार के काम एक साथ हाथ में आने से आपकी व्यग्रता बढ़ सकती है। सावधान रहें और बिना सोचे कोई फैसला न करें।

मीन
आज के दिन हर मामले में सावधानी के साथ काम करें। खान-पान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें, वरना आपको नुकसान हो सकता है। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोचसमझकर करें। आपको कोई फैसला करने से पहले अनुभवी लोगों से बात करने की जरूरत है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, थाना-रातू, जिला-रांची (झारखंड) में मुद्रित एवं 204, निर्मला इन्कलेव अपार्टमेंट, रानी बागान, बरियातु, रांची (झारखंड) से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

सड़क हादसे में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर समेत तीन की मौत, बिहार में हुआ हादसा

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के अर्थशास्त्र विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनूप कुमार का बृहस्पतिवार को सड़क हादसे में निधन हो गया। दुर्घटना में उनके पिता एवं रिटायर्ड इंजीनियर सुरेंद्र प्रसाद सिंह और ममेरे भाई भोला सिंह की भी मौत हो गई। झारखंड से बिहार आते वक्त यह हादसा हुआ। वह प्रयागराज में बैंक रोड स्थित टीचर्स कॉलोनी में रहते थे। 43 वर्षीय डॉ. अनूप अपने पीछे पत्नी और दो बेटियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। डॉ. अनूप बिहार के औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के घोस्ता गांव के रहने वाले थे। इविवि में वह अर्थशास्त्र के शिक्षक थे। 11 साल पहले उन्हें विश्वविद्यालय में बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर ज्वाइन किया था। गर्मी की छुट्टियों में वह अपने घर गए थे। वह अपने पिता और ममेरे भाई के साथ किसी काम से झारखंड गए थे और बृहस्पतिवार को तीनों एक साथ कार से बिहार स्थित अपने गांव लौट रहे थे। कार डॉ. अनूप की थी। आमस थाना क्षेत्र के सिहुली मोड़ के समीप खड़े ट्रक पर पीछे से उनकी कार की जोरदार टक्कर हुई और कार के परखच्चे उड़ गए। आमस थानाध्यक्ष इंद्रजीत के अनुसार पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद कार को ट्रक से बाहर निकाला। इस दौरान कार में फंसे तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

प्रेम-प्रसंग में युवक और उसकी ममेरी बहन ने दी जान, पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जांच शुरू

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के बिल्हौर में अरौल थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक और उसकी ममेरी बहन ने एक साथ जहर खाकर जान दे दी। युवक की उम्र 18 साल है, जबकि लड़की की उम्र 16 वर्ष है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

खुदकुशी के पीछे की वजह प्रेम-प्रसंग बताई जा रही है। अरौल थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार कुमार पाल ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव में हरदोई जिले से एक युवक ननिहाल आया था। यहां गुरुवार शाम करीब सात बजे उसने ममेरी बहन के साथ जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने दोनों को इलाज के लिए पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सुधार न होने पर दोनों को सीएचसी बिल्हौर में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। परिजनों से पूछताछ में युवक और किशोरी के प्रेम प्रसंग में खुदकुशी करने की बात सामने आई है।

आमने-सामने टकराए कार और गैस टैंकर, सेवानिवृत्त दरोगा समेत दो की मौत

बरेली, एजेंसी। जलालाबाद-शाहजहांपुर मार्ग पर कांट थाना क्षेत्र में जमुनिया गांव के पास रविवार सुबह करीब दस बजे गैस टैंकर और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में सेवानिवृत्त दरोगा और चालक की मौत हो गई। दो महिलाएं भी गंभीर रूप से घायल हुई हैं। हादसे के बाद टैंकर का चालक भाग गया। जलालाबाद कस्बे के सुंदरनगर मोहल्ले के रहने वाले सेवानिवृत्त दरोगा रामपाल श्रीवास्तव (65) अपनी बेटी मोनिका और अनिका के साथ कार से शाहजहांपुर आ रहे थे। कार जलालाबाद के ककराहा गांव का रहने वाला सौरभ (25) चला रहा था। सुबह करीब दस बजे कांट थाना क्षेत्र के जमुनिया गांव के पास कार की सामने से टक्कर गैस टैंकर से हो गई। टैंकर जमौर स्थित इंडेन बॉटलिंग प्लांट से राजस्थान जा रहा था। चालक सौरभ की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा। डॉक्टर ने रामपाल को मृत घोषित कर दिया। मोनिका और अनिका का इलाज चल रहा है। माना जा रहा है कि ओवरटेकिंग के प्रयास में हादसा हुआ है।

मंदिर के बाहर पूजा कर रही वृद्धा को तेज रफ्तार कार ने रौंदा

प्रयागराज , एजेंसी। शहर के कीडगंज मुहल्ले में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से सड़क किनारे पूजा कर रही एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी की वह महिला को रौंदते हुए आगे निकल गई। लोगों की चीख पुकार पर कार को रोका गया और कार के नीचे फंसी महिला को बाहर निकाला गया। उसे एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसको मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस चालक समेत कार को हिरासत में ले लिया है।

सांसदों की छवि व आंतरिक रिपोर्ट की अनदेखी पड़ी भारी

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के लोकसभा चुनाव में हार का प्रमुख कारण पूर्व सांसदों की निष्क्रियता रही। जनता में नाराजगी थी। सांसद 2019 में चुनाव जीतने के बाद से पांच साल तक घर बैठने और सिर्फ मोदी-योगी के सहारे जीतने के सपने देखते रहे। परिणाम बता रहे हैं कि भाजपा को लगातार दो बार सत्ता की बुलंदी तक पहुंचाने वाला यूपी एक बार फिर से गेमचेंजर साबित हुआ है। 2024 के चुनाव में भाजपा को सबसे बड़ा झटका उत्तर प्रदेश में लगा है।

सपा-कांग्रेस के गठबंधन ने भाजपा और उसके सहयोगी दलों के विजय रथ को यहां की कुल 80 सीटों में आधे से भी कम पर रोक दिया। क्लीन स्वीप यानि सभी 80 सीटें जीतने का दावा करने वाली भाजपा 33 सीटों पर सिमट गई। इसके चलते ही भाजपा अपने दम पर पूर्ण बहुमत का जादुई आंकड़ा हासिल नहीं कर सकी। ऐसे में सवाल है कि 2014 और 2019 में पीएम मोदी को सत्ता तक पहुंचाने वाले यूपी में बीजेपी इस बार कैसे हार गई।

दरअसल, जिन सांसदों के खिलाफ माहौल होने के आधार पर संगठन की ओर से टिकट बदलने की रिपोर्ट हाईकमान को भेजी गई थी, उनमें अधिकांश सांसदों के बारे में यही कहा जाता रहा है कि चुनाव जीतने के बाद पांच साल तक यह जनता के बीच से गायब रहे। क्षेत्र से इनका जुड़ाव नहीं रहा। अपने पूरे कार्यकाल में जनता के बीच काम न करके ऐसे तमाम सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भरोसे बैठे रहे। इसी कारण तमाम सांसदों को जनता ने नकार दिया है।

माना जाता है कि भाजपा के रणनीतिकारों ने सांसदों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर जनता के बीच उभरे असंतोष को समझे बगैर मैदान में उतरने की वजह से सात केंद्रीय मंत्रियों समेत कुल 26 मौजूदा सांसदों को सीट गंवानी पड़ी है। इस नाराजगी को नेतृत्व भांप नहीं सका।

सांसदों की छवि से नुकसान: खराब प्रदर्शन के पीछे नेता अपने-अपने तर्क से भाजपा का ग्राफ गिरने की परिभाषा गढ़ रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण उन सांसदों को दोबारा मैदान में उतारने को माना जा रहा है, जिनकी छवि खराब रही और माहौल उनके खिलाफ था। सूत्रों की माने तो पश्चिम से लेकर पूरब तक करीब 40 मौजूदा सांसदों के खिलाफ माहौल खराब होने की बात कही जा रही थी। पार्टी की जिला इकाई से लेकर क्षेत्रीय और प्रदेश स्तर से भी ऐसे सांसदों के बारे में रिपोर्ट दिल्ली भेजी गई थी, इसके बावजूद उनमें से अधिकांश को दोबारा टिकट दिया गया।

मोदी-योगी ने की पूरी कोशिश: आंतरिक रिपोर्ट में फेल घोषित ऐसे सांसदों के खिलाफ बने माहौल को भांपते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने खूब कोशिश भी की। संबंधित सीटों के जातीय समीकरणों को देखते हुए उसी जाति के कई मंत्रियों के साथ प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों को भी उन सीटों पर उतारा गया। इसके बावजूद जनता में पनपी नाराजगी कम नहीं हुई।

आंतरिक रिपोर्ट की अनदेखी भी पड़ी भारी: सूत्रों के मुताबिक सांसदों की लोकप्रियता और जीतने की संभावना को आधार बनाकर पार्टी की ओर से कराए गए सर्वे में भी तीन दर्जन से अधिक सांसदों के चुनाव न जीतने की रिपोर्ट शीर्ष नेतृत्व को मिली थी। इनमें कई केंद्रीय मंत्री भी शामिल थे। लेकिन इसकी अनदेखी करके उन्हें दोबारा टिकट दे दिया गया।

भाजपा के इस फैसले ने भी सांसदों से नाराज जनता के बीच आग में घी का काम किया। माना जा रहा है कि अगर शीर्ष नेतृत्व ने जनता की मंशा को भांपकर इनके टिकट काट कर दूसरे चेहरे को मौका दिया होता तो शायद भाजपा के जीत के आंकड़े कुछ और होते।

48 मौजूदा सांसदों में 26 हारे: भाजपा ने अपने 63 में से 48 मौजूदा सांसदों को 2024 के चुनावी मैदान में उतारा था। जिसमें से 26 मौजूदा सांसद चुनाव हार गए। जो पार्टी के लिए बड़ा संदेश माना जा रहा है।

अति आत्मविश्वास बना घातक: यूपी में भाजपा की बिगड़ी चाल के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार पार्टी के ही बड़े नेताओं का अति आत्मविश्वास है। जिस तरह से स्थानीय और पार्टी के काडर कार्यकर्ताओं की अनदेखी करते हुए टिकट का बंटवारा किया गया उससे भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ। नतीजा यह हुआ कि भाजपा ने जिन 17 सांसदों का टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरे उतारे थे, उनमें से पांच उम्मीदवार हार गए।

मध्य में 150 तो पश्चिम में 180 बूथों पर रविदास से हारे राजनाथ सिंह, हार-जीत के अंतर पर हो रही चर्चा

लखनऊ , एजेंसी। भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह भले ही चुनाव जीत गए हैं, लेकिन उनके जीत के अंतर को लेकर शहर में खासी चर्चा है। मध्य विधानसभा सीट पर रविदास ने राजनाथ को सात हजार से अधिक वोटों से हराया है। पश्चिम सीट पर भी करीब पांच हजार वोट से रविदास ने जीत हासिल की है। मध्य क्षेत्र के कुल 339 बूथों में रविदास की 150 से अधिक बूथों पर बढ़त रही।

जिला निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 180 बूथों पर रविदास ने जीत हासिल की। इस क्षेत्र में कुल 414 बूथ थे। लखनऊ उत्तरी, पूर्वी और कैंट विधानसभा की अपेक्षा स्थानीय नेताओं ने इन दोनों क्षेत्रों में मतदाताओं को रिझाने में खास रुचि नहीं दिखाई।

ये हाल तब है जब पिछले विधानसभा चुनाव में लहर के बावजूद मध्य और पश्चिम सीट पर सपा जीती थी। यहां जमीनी स्तर पर काम करने के बजाय स्थानीय नेता व संगठन बैठक तक ही सीमित रहे। इसका सीधा असर न केवल मतदान प्रतिशत पर पड़ा, बल्कि राजनाथ सिंह का जीत का अंतर भी प्रभावित हुआ।

29 अप्रैल को राजनाथ सिंह ने नामांकन किया था। तब भाजपा मुख्यालय से कलेक्ट्रेट तक वे रथ पर सवार होकर पहुंचे थे। भाजपा की ओर से कुछ स्थानों पर जनसभाएं हुईं, लेकिन जमीनी स्तर पर काम नहीं हुआ। भाजपा नेता अति उत्साह में रहे। यही वजह है कि नामांकन के बाद कोई रोड शो तक नहीं किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं तक से जनसंपर्क में कंजूसी बरती गई।

फतेहपुर सीकरी में कांग्रेस को वहां पड़े ज्यादा वोट, जहां भाजपा की मजबूत पकड

आगरा , एजेंसी। फतेहपुर सीकरी लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर के साथ प्रचार में जो चेहरे दिखे, वह अपने ही घरों में उन्हें जिता न पाए। बाह में चाहर के साथ प्रचार में दिखाई दिए पूर्व विधायक मधुसूदन शर्मा के गांव में ही प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार को ज्यादा वोट मिले। इसी तरह पूर्व विधायक जितेंद्र वर्मा के गांव में भी राजकुमार चाहर को पिछड़ना पड़ा। फतेहाबाद के पूर्व विधायक जितेंद्र वर्मा की पत्नी राधा वर्मा जैतपुर की ब्लॉक प्रमुख हैं। उनके गांव बिट्ठौना के बूथ 292 पर पड़े 542 वैध मतों में से 220 राजकुमार चाहर को मिले, 312 रामनाथ सिकरवार ने हासिल किए। यहां भाजपा 92 वोटों से पिछड़ गई। बाह के पूर्व विधायक मधुसूदन शर्मा के गांव बसई अरेला के बूथ 45 व 46 पर पड़े वैध मत 1021 में से राजकुमार चाहर को 478 रामनाथ सिकरवार को 508 वोट मिले। यहां पर भाजपा 30 वोटों से पिछड़ गई।

विधायक और महामंत्री के गांव में दर्ज की जीत : बाह की विधायक पक्षालिका सिंह के गांव नौगवां में बूथ 343 व 344 पर पड़े वैध मतों 1075 में से राजकुमार चाहर को 575 और रामनाथ सिकरवार को 392 वोट मिले। यहां पर भाजपा को 183 वोटों की बढ़त मिली। भाजपा के जिला महामंत्री संतोष कटारा के कमतरी गांव के बूथ 308 व 309 पर पड़े वैध मत 736 में से राजकुमार चाहर को 340 और रामनाथ सिकरवार को 271 वोट मिले। यहां पर भाजपा ने 69 मत की बढ़त हासिल की।

रेलवे के खोदे गए गड्ढे में गिरकर 25 भेड़ों की मौत, भेड़ पालक परिवार को लाखों का नुकसान

प्रयागराज , एजेंसी। घूरपुर क्षेत्र के पिपिरसा और भड़रा गांव के बीच रेलवे के द्वारा खोदे गए चार फीट के गड्ढे में गिरकर 25 भेड़ों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब भेड़ पालक चराने के बाद भेड़ों को लेकर घर लौट रहा था। आगे चल रही एक भेड़ गड्ढे में गिर गई। वह बाहर निकलने का प्रयास कर ही रही थी कि उसके पीछे चल रहीं करीब 25 भेड़ें अपने स्वभाव के चलते उसी गड्ढे में कूदती चली गईं, जिससे एक दूसरे से दबकर 25 भेड़ों की मौत हो गई। इससे भेड़ पालक परिवार में मातम छा गया गया। उसकी आय का मुख्य साधन यही है।

पिपिरसा गांव निवासी छोटेलाल पाल भेड़ पालक हैं। उन्होंने घर पर ही सवा सौ भेड़ें पाल रखी हैं, जिनकी देखरेख पूरा परिवार मिलजुलकर करता है। बुधवार को छोटेलाल अपने बेटे इंद्रपाल के साथ भेड़ों को चराने ले गए थे। दिन भर चराने के बाद दोनों भेड़ों को वापस घर ले आ रहे थे। पिपिरसा और भड़रा गांव के बीच से निकली रेलवे लाइन की पुलिया से होकर भेड़ें बाहर निकल रही थीं।पुलिया में सिल्ट जमा होने के कारण उसकी खुदाई की जा रही थी, जिसके चलते लगभग चार फीट गहरा गड्ढा बन गया था।

आगे चल रही कुछ भेड़ें इसी गड्ढे में गिर गईं। गड्ढे में गिरीं भेड़ें बाहर निकलने का प्रयास करने लगीं लेकिन गड्ढा गहरा होने और मिट्टी का ढेर होने चलते वह फिसल जा रही थीं। तब तक पीछे चल रहा भेड़ों का झुंड भी इस गड्ढे में कूदता चला गया। छोटेलाल और इंद्रपाल ने भेड़ों को बचाने की बहुत कोशिश की, लेकिन असफल रहे। दोनों के देखते ही देखते दर्जनों भेड़ें एक दूसरे के ऊपर गड्ढे में गिर पड़ीं। बदहवासी की हालत में पिता-पुत्र ने एक के ऊपर एक लदी भेड़ों को गड्ढे से निकलना शुरू किया, लेकिन भेड़ों की संख्या अधिक होने के चलते बेदम हो गए। दोनों की चीख-पुकार सुनकर पहुंचे गांव के लोगों ने जैसे तैसे कर भेड़ों को गड्ढे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक चोट और दम घुटने से पच्चीस भेड़ों की मौत हो गई थी। भेड़ो की मौत से भेड़ पालक परिवार चिंतित है।

भेड़ पालन ही था जीवकोपार्जन का सहारा : छोटेलाल कीआजीविका का स्रोत भेड़ पालन ही है। दो दर्जन से अधिक भेड़ों की मौत से परिवार को बड़ी आर्थिक क्षति हुई है। छोटेलाल ने उप जिलाधिकारी करछना और घूरपुर थाने में प्रार्थना पत्र देखकर आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

सड़े-गले नोटों की संख्या सबसे ज्यादा 500 की, तीन गुना बढ़ गए, तीन साल पहले आए थे 200 करोड़ पीस

लखनऊ , एजेंसी। सड़े-गले और कटे-फटे नोटों के मामले में 500 के नोट सबसे तेज रफ्तार से भाग रहे हैं। तीन साल पहले करीब 200 करोड़ पीस 500 रुपये के आए जो अब बढ़कर 600 करोड़ से भी ज्यादा हो गए। 10, 20 और 50 के नोट सबसे कम खराब हो रहे हैं। पिछले तीन साल में इनकी संख्या घटकर करीब आधी रह गई है।

आरबीआई के मुताबिक दो हजार के नोट बंद होने की वजह से सबसे तेजी से केंद्रीय बैंक पहुंचे। तीन वर्ष में आरबीआई पहुंचने वाले दो हजारी की संख्या करीब पांच गुना हो गई। वहीं पांच सौ के नोट की बात करें तो सबसे ज्यादा चलन में होने की वजह से सबसे ज्यादा खराब भी यहीं करेंसी हो रही है। तीन साल में सड़-गल कर तीन गुना आरबीआई पहुंचने के पीछे की सबसे बड़ी वजह यही है। इसी तरह दो सौ के नोट भी जमकर इस्तेमाल हो रहे हैं। इसीलिए इनके खराब होने की रफ्तार तीन साल में दोगुना से ज्यादा हो गई। सौ के नोटों के चलन और इस्तेमाल में ज्यादा अंतर नहीं आया है। ऐसे में इनके खराब होने की रफ्तार भी बराबर है। दिलचस्प बात ये है कि 50, 20 और 10 के नोट के सड़ने-गलने की स्पीड घटती जा रही है। यानी ये नोट सबसे कम खराब हो रहे हैं।

100 और 50 के नोटों की मांग सबसे ज्यादा: दो हजार के नोट बंद होने के बाद 500 के नोटों पर बोझ तो बढ़ा लेकिन जनता की पसंद में पहले और दूसरे नंबर पर 100 और 50 के नोट हैं। पचास फीसदी से ज्यादा लोगों ने 100 और 50 के नोटों के ज्यादा इस्तेमाल की बात कही। वहीं आरबीआई के सर्वे में ये खुलासा हुआ। साथ ही लोगों का एक, दो और पांच के सिक्कों से मोह भी नहीं खत्म हुआ है। बाजार में जितने सिक्के चलन में हैं, उनमें 82 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इन्ही तीन सिक्कों का है।

मुरादाबाद में यूनिवर्सिटी बनाने का काम जल्द होगा शुरू, जमीन विवि के नाम दर्ज, लोनिवि ने किया निरीक्षण

मुरादाबाद, एजेंसी। खतौनी में मुरादाबाद यूनिवर्सिटी के नाम पर जमीन दर्ज होने के बाद लोनिवि काम शुरू कर देगा। डीएम का कहना है कि खतौनी पर यूनिवर्सिटी का नाम चढ़ गया है लेकिन विभाग के लोगों का कहना है कि अभी 70 प्रतिशत जमीन खतौनी पर अंकित नहीं है।

लोनिवि के अभियंताओं ने बृहस्पतिवार को मौके का निरीक्षण किया। हरदासपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु जंभेश्वर राज्य विश्वविद्यालय का शिलान्यास चुनाव अधिसूचना जारी होने से पहले किया था, लेकिन यूनिवर्सिटी के निर्माण अनापत्ति प्रमाण पत्र और अन्य कागजी कार्यवाही जैसी कुछ बाधाएं रह गई थीं। लोक निर्माण विभाग ने यूनिवर्सिटी के लिए 299 करोड़ का एस्टीमेट बनाकर शासन को भेजा था लेकिन शासन से स्वीकृति मिलने के बाद 121.33 करोड़ का टेंडर पास हो गया। लोनिवि के अभियंताओं का कहना है कि डिजाइन और अन्य कार्यों को जोड़ने पर फिलहाल लागत 169.58 करोड़ आ रही है।

यूनिवर्सिटी निर्माण की जिम्मेदारी लोनिवि के नियोजन विभाग के पास है। इस मामले में एमडीए, वन विभाग, प्रदूषण, अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र लिया गया है। लेकिन वन विभाग की अनापत्ति बाकी है।

मुख्यमंत्री ने यूनिवर्सिटी के लिए कुलसचिव अजय कृष्ण यादव की नियुक्ति भी कर दी थी। अभियंताओं का कहना है कि अभी रुहेलखंड यूनिवर्सिटी के कुलपति ही प्रभारी के तौर पर काम देख रहे हैं।

यूनिवर्सिटी के लिए एक किसान की जमीन खरीदी गई: योगी सरकार ने यूनिवर्सिटी की जमीन के लिए नौ करोड़ और यूनिवर्सिटी निर्माण के लिए 101 करोड़ रुपये का बजट पहले ही निर्धारित कर दिया था। रामगंगा नदी पार हरदासपुर में विश्वविद्यालय के लिए 50 एकड़ जमीन निर्धारित की थी। इसमें 48.5 एकड़ जमीन सरकार की है। 2.5 एकड़ जमीन तीन किसानों की है। खरीद के लिए डीएम ने शासन को ड्राफ्ट भेजा था जो मंजूर हो गया है। खरीद उच्च शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी को खरीद के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जमीन के एक छोटे हिस्से के मामले को लेकर एक व्यक्ति कोर्ट गया था। जिला प्रशासन इस मामले में कोर्ट में अपील कर जमीन को अपने नाम लेने की कोशिश में जुटा है। डीएम मानवेंद्र सिंह का कहना है कि जमीन का कुछ हिस्सा यूनिवर्सिटी के नाम हो गया है। शीघ्र ही लोक निर्माण विभाग से काम शुरू कराया जाएगा।

जिस आगरा को कहा जाता था मायावती का गढ़, वहां 33 बूथ पर शून्य

498 बूथ पर एक अंक में मिला वोट

आगरा , एजेंसी। जिस फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट पर बसपा ने पहला सांसद बनाया, उस लोकसभा में बसपा का जनाधार 33 बूथ पर शून्य हो गया। लोकसभा चुनाव में 10 साल में फतेहपुर सीकरी में पहले से तीसरे नंबर पर आई बसपा के प्रत्याशी रामनिवास शर्मा को 498 बूथ पर केवल एक अंक में ही वोट मिल पाया। इनमें ज्यादातर बूथों पर केवल एकमात्र पोलिंग एजेंट ने ही पार्टी प्रत्याशी को वोट दिया।

हर चुनाव में फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट पर पहले या दूसरे नंबर पर रही बसपा इस बार तीसरे स्थान पर पहुंच गई। बसपा प्रत्याशी रामनिवास शर्मा को सीकरी लोकसभा के फतेहाबाद विधानसभा में 12 मतदेय स्थल ऐसे रहे, जहां शून्य वोट रहा। यहां पोलिंग एजेंट तक ने बसपा प्रत्याशी को वोट नहीं दिया, वहीं फतेहाबाद के 132 बूथ पर रामनिवास शर्मा के हाथी को सिर्फ एक अंक में ही वोट मिल पाया। इनमें भी 25 बूथ पर केवल एक वोट मिला तो 29 बूथ पर सिर्फ दो वोट से ही बसपा प्रत्याशी को संतोष करना पड़ा। जिन गांवों में बसपा को शून्य मिला, उनमें प्रतिद्वंद्वी भाजपा के राजकुमार चाहर और कांग्रेस सपा गठबंधन के रामनाथ सिकरवार को बंपर मतदान हुआ। प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशियों को 556 वोट तक मिले, पर बसपा का खाता तक नहीं खुला।

जहां रहे विधायक, वहां शून्य पर बसपा: फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र के बाह, फतेहाबाद, खेरागढ़, आगरा ग्रामीण और फतेहपुर सीकरी में साल 2007 और 2012 के विधानसभा चुनाव में बसपा के विधायक चुने जा चुके हैं, लेकिन इस बार बसपा ने इन सभी जगह बेहद खराब प्रदर्शन किया। आगरा ग्रामीण में बसपा प्रत्याशी रामनिवास शर्मा को तीन बूथों पर एक भी वोट नहीं मिला। यहां 88 बूथ ऐसे रहे, जहां सिर्फ एक अंक में वोट मिला, जबकि यह विधानसभा सीट बसपा का गढ़ रही है। फतेहपुर सीकरी विधानसभा में 4 बूथ बंजारा, मदनपुर, वानपुर और गहर्राकलां में रामनिवास एक वोट भी नहीं पा सके। सीकरी में 62 बूथ पर बसपा को सिर्फ एक वोट मिल पाया।

बाह-खेरागढ़ में बसपा का वोट कांग्रेस को: बाह और खेरागढ़ विधानसभा में बसपा प्रत्याशी का बेस वोट कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार को मिला। आरक्षण और अग्निवीर मुद्दे पर कांग्रेस प्रत्याशी को बसपा के अभेद किले माने जाने वाले क्षेत्रों में भी बंपर वोट मिले। बाह में कोरथ, सरोखीपुरा, रुदमुली, सुंसार, कलियानपुर माफी, पुरा बरुआ और कुकथरी के 7 बूथ पर शून्य मिला, जबकि 146 बूथ पर एक अंक में ही वोट मिल पाया। खेरागढ़ में भी 7 बूथ पर बसपा को शून्य मिला। इनमें वलूसर्रा, खेड़िया, वलसादपुरा, शेरपुर, वृथला, नगला उदैया और तुर्कपुरा के बूथ पर बसपा के पोलिंग एजेंट के वोट भी नहीं मिले। यहां 100 बूथ पर पार्टी प्रत्याशी को सिर्फ एक अंक में वोट मिल पाया।

बाह में 20 फीसदी रह गए बसपा के वोट: दो साल पहले विधानसभा चुनाव में बसपा प्रत्याशी को बाह में 50,618 वोट मिले, लेकिन इस बार केवल 11851 वोट ही पा सके। वोटों में सबसे ज्यादा गिरावट बाह में आई। यहां बसपा का कोर वोट बैंक कांग्रेस सपा गठबंधन प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार को मिला। जिन गांवों में बसपा को 400 से 500 वोट मिलते थे, वहां बसपा प्रत्याशी को दो अंकों में ही वोट मिल पाए। फतेहाबाद में भी विधानसभा चुनाव के मुकाबले बसपा को महज एक तिहाई वोट ही मिल पाए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : ई-पेपर
www.sonvarshavani.com sonvarshavani.com/epaper

500-800 करोड़ कमाना चाहता है बॉलीवुड, फिल्में बनाना नहीं

अनुराग कश्यप हमेशा कहानी कहने के बदलते चलन और फिल्म निर्माताओं और कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपनी बेबाक राय देते हैं। ह्यूमन्स ऑफ सिनेमा के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग में रचनात्मक संकट पर विचार किया क्योंकि हर कोई 500-800 करोड़ रुपये कमाना चाहता है। फिल्म निर्माता ने बताया कि व्यावसायिक सफलता रचनात्मकता को कैसे प्रभावित करती है और कहा, मैंने अक्सर देखा है कि सफलता जितना जन्म देती है, उससे कहीं अधिक नष्ट कर देती है। जब सैराट ने 100 करोड़ रुपये कमाए, तो मैंने नागराज मंजुले, जो मेरे दोस्त हैं, से कहा कि मराठी सिनेमा अब खत्म हो गया है। क्योंकि अब कोई भी कहानी नहीं बताना चाहेगा, वे 100 करोड़ रुपये कमाना चाहेंगे। उन्होंने यह भी कहा, हमारे हिंदी फिल्म उद्योग के साथ समस्या यह है कि वे अब 500 से 800 करोड़ रुपये कमाना चाहते हैं, फिल्में बनाना नहीं। इसके लिए, आपको सबसे पहले अपनी फिल्मों को कमज़ोर करना होगा, अपनी कहानी का त्याग करना होगा। और ऐसा नहीं है कि यह कोई मूल आवाज़ है; सभी एक फ़ॉर्मूले का पालन करते हैं और एक-दूसरे की नकल करते हैं। अब हर कोई अखिल भारतीय चलन की नकल कर रहा है। अगर आप 10 अखिल भारतीय फ़िल्में देखें, तो सभी एक जैसी दिखेंगी। इससे उद्योग के स्वास्थ्य को कभी कोई फ़ायदा नहीं होता क्योंकि फ़िल्में फिर बड़ी संख्या में धमाका करने लगती हैं। एक या दो चलेंगी, फिर हर कोई नकल करेगा, और फिर सब कुछ फ्लॉप हो जाएगा। अनुराग ने कई बॉलीवुड फ़िल्में और वेब शो निर्देशित किए हैं। उनके कुछ उल्लेखनीय कामों में ब्लैक फ्राइडे, देव डी, नो स्मोकिंग, गुलाल, गैंग्स ऑफ़ वासेपुर, मुक्केबाज़, सेक्रेड गेम्स और मनमर्जियाँ शामिल हैं। उनकी आने वाली फ़िल्म कैनेडी को 2023 में कान फ़िल्म फ़ेस्टिवल में दिखाया गया था। इस नियो-नोयर थ्रिलर में राहुल भट, सनी लियोन, अभिलाष थपलियाल, मोहित तकलकर और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फ़िल्म निर्माता ने फ़िल्म कंपेनियन के साथ एक साक्षात्कार में कान के अनुभव के बारे में बात की थी और बताया था, कान में अपनी फ़िल्म को दुनिया को दिखाना हमेशा ख़ास होता है और ग्रैंड थिएटर लुमियर में खेलना जीवन भर का पल होता है। कैनेडी मेरे लिए बहुत ख़ास फ़िल्म है और बेहद निजी भी। हमने इस फ़िल्म को बनाने में अपना दिल और आत्मा लगा दी है। दर्शकों की 7 मिनट की लंबी तालियों ने मुझे कृतज्ञता से भर दिया है। मैं बहुत आभारी और उत्साहित हूँ। अनुराग अगली बार विजय सेतुपति की तमिल क्राइम एक्शन-थ्रिलर महाराजा में एक नकारात्मक भूमिका में नजर आएंगे।

मुंज्या की शरवरी वाघ बनेंगी डायरेक्टर? आउटसाइडर से एक्ट्रेस बनने का सफर

शरवरी वाघ को मुंज्या में देखा जाएगा। बंटी और बबली 2 से डेब्यू करने के बाद ये उनकी दूसरी फिल्म है। इसके अलावा वो आमिर खान के बेटे जुनैद की पहली फिल्म महाराज में नजर आएंगी। उनके पास वेदा भी है। बंटी और बबली 2 फिल्म से एक्टिंग में डेब्यू करने वाली शरवरी की जर्नी थोड़ी अलग रही। फिल्मों का ऑफर नहीं मिला तो डायरेक्टर से सेट पर काम करने की इजाजत मांग ली। लव रंजन और संजय लीला भंसाली की असिस्टेंट बन गईं। जब सिनेमा से जुड़ी बारीकियां सीख लीं, तब पर्दे पर एक्टिंग का हुनर दिखाया। मराठी परिवार से ताल्लुक रखने वाली शरवरी आउटसाइडर थीं, लेकिन आज काबिलियत के दम पर जल्द ही दिनेश विजान और अमर कौशिक की हॉरर कॉमेडी मूवी मुंज्या में नजर आने वाली हैं।

असिस्टेंट डायरेक्टर होने का फायदा एक्टिंग करियर में मिला?

मैंने कभी भी फिल्मों को बनते नहीं देखा था। मेरे घर में फिल्ममेकिंग को लेकर बात नहीं होती। हम लोग इंडस्ट्री से हैं नहीं, तो जब मुझे अभिनेत्री बनना था और मैंने ऑडिशन के लिए जाना शुरू किया, तब मैंने एक निर्देशक से पूछा था कि क्या मैं सेट पर आ सकती हूं। मैं फिल्ममेकिंग की प्रक्रिया से गुजरना चाहती थी और मैं उनकी असिस्टेंट बन गई। उस जर्नी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। इससे पहले तक मुझे क्लैप या मार्क जैसी चीजों के बारे में पता नहीं था। मैं नई थी। मैंने फिल्म निर्माण की बारीकियों के बारे में जाना। उसके बाद बाजीराव मस्तानी में मैंने संजय सर (संजय लीला भंसाली) को असिस्ट किया। तो सहायक निर्देशक बनना मेरे लिए फायदेमंद ही रहा।

तो क्या भविष्य में निर्देशक बनने का प्लान है?

मैं हमेशा से ऐक्ट्रेस बनना चाहती थी और अभिनय को समझने के लिए मैं असिस्टेंट बनी थी। आप जब ऑडिशन के दौर से गुजर रहे होते हैं तो आपको हमेशा काम नहीं मिलता। कई बार अच्छे रोल पाने के लिए आपको लंबा इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में ये ट्रेनिंग आपके बहुत काम आती है। मेरे पास जब इंट्रेस्टिंग भूमिकाएं नहीं आ रही थीं, तब मैंने कई विज्ञापन फिल्मों में काम किया।

मुंज्या के हीरो संग कर चुकी हैं विज्ञापन में काम

उन्होंने कहा, दिलचस्प बात ये है कि मुंज्या के मेरे हीरो अभय वर्मा और मैं सालों पहले एक एड में साथ काम कर चुके हैं और देखिए, आज हम बतौर नायक-नायिका आपके सामने हैं। मुझे लगता है कि एक लड़की होने के नाते मैंने अपने सफर से बहुत कुछ सीखा है।

क्या आप भूत-प्रेत में मानती हैं?

शैतान का तो मुझे पता नहीं, मगर मैं भगवान में जरूर यकीन करती हूं। मैं हॉरर फिल्मों से बहुत डरती हूं तो इसका मतलब यही है कि कहीं न कहीं हॉरर में यकीन करती हूं। मैं आपको बता दूं कि मुंज्या एक दंतकथा है। हमारे इंडियन कल्चर से जुड़ी है, खास तौर पर महाराष्ट्र में यह दंतकथा काफी प्रचलित है। बचपन से ही ये कहावत सुनी है कि खाना खा लो वरना मुंज्या आ जाएगा। मैं महाराष्ट्रियन हूं और मोरगांव से हूं और ये कहानी मैंने भी सुनी है कि मुंज्या उस भूत को कहा जाता है, जिसकी दस साल की उम्र में मुन्नी से शादी करने की अधूरी ख्वाहिश के साथ मौत हो गई थी। मुंज्या हमारे यहां एक थ्रेड सेरेमनी भी होती है, जिसे मुंज्य कहा जाता है। मेरे भाई की थ्रेड सेरेमनी के तुरंत बाद मुझे इस फिल्म का प्रस्ताव मिला, तो मुझे लगा कि ये कुदरत का कोई इशारा है जो इस फिल्म में काम करने का मुझे मौका मिल रहा है।

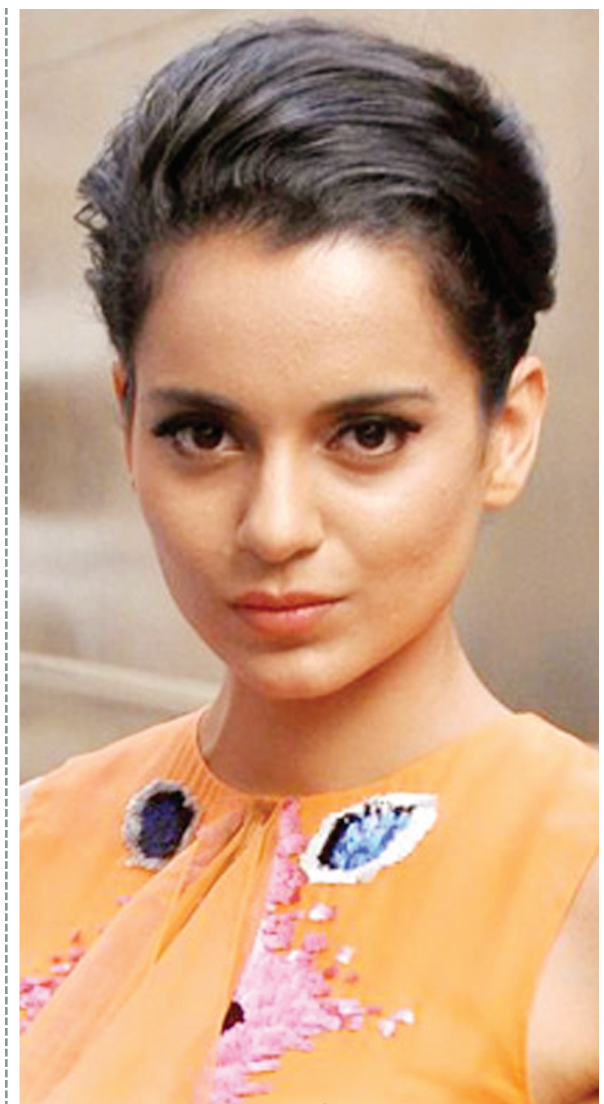

जल्द आएगी कंगना की इमरजेंसी, विस्तार से दिखाई जाएगी इंदिरा गांधी की हत्या की घटना

चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर गुरुवार दोपहर को सीआईएसएफ की महिला कांस्टेबल ने बॉलीवुड अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश की मंडी संसदीय क्षेत्र से नवनिर्वाचित भाजपा सांसद कंगना रणौत के साथ अभद्रता की और उन्हें थप्पड़ मारा। इस घटना के बाद तमाम लोग अभिनेत्री के समर्थन में आए हैं और सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। मामले में जांच जारी है। इस बीच कंगना ने अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर अपडेट दिया है। उन्होंने कहा है कि वे जल्द ही यह फिल्म रिलीज करने वाली हैं। इसमें पीएम इंदिरा गांधी की हत्या की घटना को विस्तार से दिखाया जाएगा। कंगना रणौत ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर आज एक पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने लिखा है कि फिल्म इमरजेंसी जल्द आएगी। अभिनेत्री ने लिखा है, फिल्म इमरजेंसी जल्द आएगी, यह दिखाने के लिए कि एक निहत्थी वरिष्ठ महिला की उन्हीं के घर के अंदर हत्या कर दी गई। हत्या वर्दीधारी उन्हीं लोगों ने की, जिन पर उन्हें अपनी सुरक्षा के मामले में सबसे ज्यादा भरोसा था। कंगना ने आगे लिखा है, 35 गोलियों से एक बुजुर्ग महिला को छलनी करके हत्या कर दी गई। खलिस्तानियों की बहादुरी की इस कहानी को जल्द सामने लाया जाएगा। बता दें कि कंगना रणौत की फिल्म इमरजेंसी 14 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे टाल दिया गया। अभी इसकी नई रिलीज डेट का एलान नहीं हुआ है।

नोरा फतेही का अंतर्राष्ट्रीय गाना हुआ रिलीज

नोरा फतेही का नया गाना रिलीज हो चुका है। फोटो के साथ नोरा ने कैप्शन में लिखा, मेरे दिमाग में युद्ध चल रहे हैं। नोरा फतेही का बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय गाना नोरा आज शाम को रिलीज हुआ। इस गाने में नोरा अलग-अलग स्टाइल में नजर आई अब्दरराफिया एलाब्डीओई द्वारा निर्देशित इस गाने को मोरक्को में फिल्माया गया है।

गलत एंगल से तस्वीरें लेने पर पैपराजी पर भड़कीं मोना सिंह पैपराजी द्वारा

अभिनेत्रियों की गलत एंगल से तस्वीरें और वीडियो निकालने पर अब अभिनेत्रियां मुखर होकर बोलने लगी हैं। बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने इसकी निंदा की है। हाल ही में एक अभिनेत्री मोना सिंह और नेहा शर्मा ने इसे परेशान करने वाला बताया। एक साक्षात्कार में मोना सिंह ने बिना इजाजत के अभिनेत्रियों की तस्वीरें और वीडियो निकालने और गलत एंगल से जूम करने को लेकर पैपराजी की निंदा की है।

क्या पैपराजी पुरुषों को गलत एंगल से जूम करेंगे?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साक्षात्कार के दौरान अभिनेत्री ने कवरेज में परेशान करने वाले दोहरे मानकों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपमान का सामना करना पड़ता है, जबकि पुरुषों के साथ ऐसा नहीं है। अभिनेत्री ने कहा, 'पैपराजी अनुचित तरीके से महिलाओं के शरीर पर लोगों का ध्यान केंद्रित करते रहते हैं। क्या वे चलते समय किसी पुरुष के शरीर के किसी अंग को इस प्रकार जूम करेंगे। नहीं, वे ऐसा नहीं करेंगे। लेकिन वे हर महिला के साथ ऐसा करते हैं।'

हर महिला कलाकार को उठानी चाहिए आवाज

अभिनेत्री मोना सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मुंज्या' के प्रचार-प्रसार में जुटी हैं। उन्होंने पैपराजी को द्वारा अपनी कवरेज सनसनीखेज बनाने के लिए 'वार्डरोब मालफंक्शन' की आशंका जताने पर उनकी जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'चाहे आप किसी कार्यक्रम में शामिल हों या किसी पुरस्कार समारोह में, आप खुद के इस तरह के वीडियो देखते रहते हैं। मुझे लगता है कि हर महिला कलाकार को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।'

नहीं बनेगा बजरंगी भाईजान का सीक्वल! कबीर खान ने बताया क्यों आगे नहीं बढ़ेगी कहानी...

साल 2015 में रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान ने दर्शकों के दिलों में अपनी जगह पक्की कर ली थी। कबीर खान के डायरेक्शन में बनी सलमान खान की इस फिल्म ने अपनी मार्मिक कहानी से लोगों के दिलों पर राज किया था। इसे दर्शकों और आलोचकों से बहुत तारीफ मिली थी। रिलीज के बाद से ही दर्शक इसके सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं।

हाल ही में कबीर खान ने बजरंगी भाईजान 2 के सीक्वल को लेकर अपनी प्लानिंग के बारे में खुलासा किया है। कनेक्ट सिने के साथ एक इंटरव्यू में, कबीर खान ने कहा कि बजरंगी वास्तव में एक बड़ा कैरेक्टर है, वह अक्सर दर्शकों से सुनते हैं कि वे उन्हें बड़े पर्दे पर फिर से देखना चाहते हैं। कबीर खान ने कहा कि पहली फिल्म मुन्नी (हर्षाली मल्होत्रा) के इर्द-गिर्द घूम रही थी, वो पार्ट कंप्लीट होते ही फिल्म खत्म हो गई।

अभी नहीं है कोई तैयारी

फिल्ममेकर ने शेयर किया कि कहानी को आगे बढ़ाने के कई दिलचस्प तरीके हैं। उन्होंने कहा, अगर आप मुझसे पूछें कि अभी कुछ है स्क्रिप्ट के लेवल पर, तो नहीं। सोच रहे हैं कि बजरंगी को आगे बढ़ाने के कई दिलचस्प तरीके भी हैं।

सलमान खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर हो सकती है फिल्म

कबीर खान ने यह भी कहा कि स्क्रिप्ट तैयार नहीं है, लेकिन उनके पास काम करने के लिए कुछ दिलचस्प विचार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कोई फिल्म सलमान खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के निभाए गए रोल्स बजरंगी और चांद नवाब की हो सकती है।

आयकर विभाग के अधिकारी बनकर भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ेंगे अजय देवगन रेड 2 की शूटिंग हुई खत्म

अजय देवगन 2024 के सबसे व्यस्त अभिनेताओं में से एक हैं। उनकी कई फिल्में इस साल बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली हैं। अभिनेता की जिन फिल्मों की चर्चा इन दिनों सबसे अधिक हो रही है उसमें रेड 2 का नाम भी शामिल है। यह साल 2018 में आई रेड का सीक्वल है। इसमें अजय देवनग आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के रूप में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हैं। लगातार हो रही चर्चाओं के बीच इस फिल्म पर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अजय देवगन, रितेश देशमुख और वाणी कपूर ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सभी कलाकारों ने पिछले महीने यानी 10 मई को ही इस क्राइम थ्रिलर की शूटिंग पूरी कर ली थी।

इस फिल्म का निर्देशन राज कुमार गुप्ता कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार रेड 2 की शूटिंग व्यापक रूप से उत्तर प्रदेश, राजस्थान में की गई है। अजय और रितेश ने मुंबई में अपना पहला शेड्यूल शुरू किया था और इसके एक हफ्ते के बाद वे लखनऊ चले गए थे, जहां इसाबेला थोबर्न कॉलेज और ला मार्टिनियर कॉलेज में एक महीने तक दोनों ने शूटिंग की। इसके बाद जोधपुर के मेहरानगढ़ किले और खिमसर सैंड ड्यून्स जैसे प्रतिष्ठित स्थानों पर रेड 2 का फिल्मांकन किया गया। फिलहाल, यह फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है। इस साल अजय देवगन की अब तक दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। सबसे पहले उन्हें शैतान में देखा गया था। यह फिल्म टिकट खिड़की पर अच्छी कमाई करने में भी सफल रही थी। इसके बाद वह फिल्म मैदान में फुटबॉल कोच की भूमिका में दिखे थे।

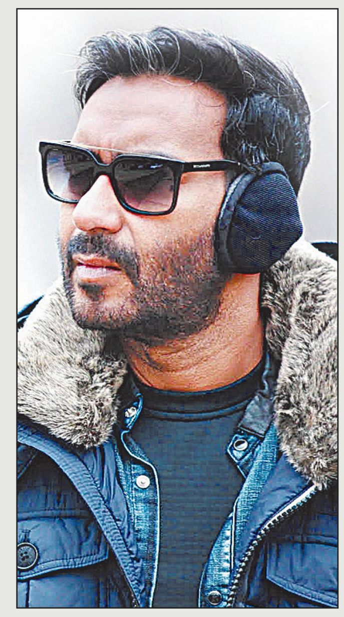

व्यक्ति की इन आदतों से हो जाते हैं शनिदेव नाराज

शनिदेव को हिन्दू धर्म में न्यायप्रिय देवता और दंडनायक माना गया है। व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देना शनिदेव के अंतर्गत आता है। इसी कारण से शास्त्रों में शनिदेव को कैसे प्रसन्न किया जाए इसके बारे में भी बताया गया है। इसके अलावा, शास्त्रों में इस बात का भी उल्लेख मिलता है कि शनिदेव को व्यक्ति की कौन सी आदतें पसंद नहीं हैं जिनके कारण वह क्रोधित हो जाते हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य से इस बारे में विस्तार से।

बाथरूम और रसोई को साफ न करना

बाथरूम-टॉयलेट में राहु ग्रह का अधिकार माना गया है। वहीं, रसोई में मां अन्नपूर्णा का निवास होता है। ऐसे में अगर घर का टॉयलेट, बाथरूम या घर की रसोई स्वच्छ न हो तो शनिदेव नाराज हो जाते हैं। इसी कारण से कहा जाता है कि रोजाना बहरूम, टॉयलेट और रसोई की साफ सफाई करनी चाहिए।

किसी से लिए हुए पैसे न लौटाना

अगर आपने किसी से पैसे उधार लिए हैं और समय पर लौटाए नहीं है तो इस आदत से भी शनिदेव नाराज हो जाते हैं। कभी-कबार की बात अलग है, लेकिन अगर आप हमेशा ही ऐसे करते हैं तो यह उचित नहीं है। इससे न सिर्फ शनिदेव बल्कि सभी अन्य ग्रह भी रुष्ट हो सकते हैं।

पैर को घसीटते हुए चलना

कुछ लोगों की आदत होती है पैर को उठाकर चलने की बजाय घसीटते हुए चलने की। ऐसा कहा जाता है कि पैर घसीटकर चलना एक प्रकार से शनिदेव का अपमान करने के समान है क्योंकि शनिदेव की चाल धीमी और आघात लगने के कारण घसीटकर चलने वाली है।

बैठे-बैठे पैर हिलाते रहना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह बैठ कर काम कर रहे हों या फिर खाली बैठे हों, अपने पैरहिलाते रहेंगे। इस आदत से भी शनिदेव क्रोधित होते हैं। हर समय पैर हिलाने से राहु को बल मिलता है और राहु का दुष्प्रभाव बढ़ने लगता है।

लड्डू गोपाल हैं आपसे प्रसन्न तो मिलते हैं ये संकेत

आप में से बहुत से लोगों के घर लड्डू गोपाल की सेवा होती होगी। लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़े कई नियम शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए नहीं तो लड्डू गोपाल की सेवा में दोष लगता है। इसके अलावा, शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि जब लड्डू गोपाल नाराज होते हैं या किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं तो कई प्रकार के संकेत उस व्यक्ति को मिलने लगते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि आखिर किन संकेतों से यह पता चलता है कि लड्डू गोपाल आपसे खुश हैं।

इन चीजों के बिना घर में नहीं रखने चाहिए लड्डू गोपाल?

आजकल ज्यादातर घरों में लड्डू गोपाल देखने को मिल जाते हैं। लोग पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ लड्डू गोपाल को अपने घर ले जाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ नियमों का पालन आवश्यक माना गया है। इन नियमों की अनदेखी करने से लड्डू गोपाल की सेवा में दोष पैदा होता है और उनकी सेवा की विधि दूषित हो जाती है। घर में लड्डू गोपाल को कुछ चीजों के बिना बिलकुल बी स्थापित नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी सेवा में बाधा आती है और पूजा का पूरा फल भी नहीं मिलता है।

घर में बंसी के बिना न रखें लड्डू गोपाल

बंसी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। लड्डू गोपाल श्री कृष्ण का बाल स्वरूप हैं। ऐसे में उन्हें घर में बिना बंसी (बंसी के उपाय) के स्थापित करना उचित नहीं माना गया है।

घर में पालने के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की सेवा बालक के रूप में की जाती है। ऐसे में अगर लड्डू गोपाल को घर लाना है तो पहले घर में पालना अवश्य लगाना चाहिए।

घर में मंदिर के बिना न रखें लड्डू गोपाल

कई लोग लड्डू गोपाल को मंदिर में रखने के बजे अपने कमरे में ही स्थापित कर देते हैं। बिना मंदिर के लड्डू गोपाल को घर में नहीं रखना चाहिए।

श्री राधा के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की मूर्ति घर में रखना चाहते हैं तो साथ में श्री राधा रानी के बाल स्वरूप की प्रतिमा भी अवश्य स्थापित करें। बिना राधा कृष्ण कहां।

लड्डू गोपाल के खुश होने के संकेत

लड्डू गोपाल जब प्रसन्न होते हैं तो इसका सबसे पहले संकेत तुलसी के माध्यम से मिलता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो वह पौधा अपेक्षा से ज्यादा ही तेजी से बढ़ने लगेगा। इसके अलावा, तुलसी की पत्तियां हरी से बैंगनी होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि बैंगनी रंग की पत्तियों को श्यामा तुलसी कहा जाता है।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको हर पल उनके पास होने का आभास होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा, जब भी आपका मन परेशान होगा तो आपको बांसुरी की धुन बजती से महसूस होगी। आपको ऐसा लगेगा कि स्वयं लड्डू गोपाल आपके पास बैठकर बांसुरी बजा रहे हैं। आपको उनका स्पर्श महसूस होने लगेगा।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको आपके घर में दिव्य ऊर्जा का आभास होने लगेगा। इसके अलावा, अगर आपके घर में कहीं से अचानक मोरपंख आ गिरे या आपको अचानक ही मोर के दर्शन हो जाएं तो यह भी एक संकेत है कि लड्डू गोपाल न सिर्फ आपसे प्रसन्न हैं बल्कि वह हर कदम पर आपके साथ हर स्थिति में हैं।

लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान कराना चाहिए?

हम से बहुत से लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होंगे। ऐसा माना जाता है कि लड्डू गोपाल स्वयं जिससे अपनी पूजा-सेवा करवाना चाहते हैं सिर्फ उसी के मन में प्यार का भाव जगाते हैं। अगर लड्डू गोपाल को किसी से अपनी सेवा-पूजा नहीं करवानी है तो वह लाख कोशिश क्यों न करे उसे लड्डू गोपाल को घर लाने का मौका नहीं मिल पाता है। वहीं, लड्डू गोपाल की पूजा की बात करें तो शास्त्रों में पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताये गए हैं। वहीं, लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में भी बहुत कुछ वर्णन मिलता है, जैसे कि लड्डू गोपाल को कब स्नान कराना चाहिए, किसी विधि से स्नान कराना चाहिए और किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

लड्डू गोपाल को कराएं गोपीचंदन से स्नान

गोपी चंदन लड्डू गोपाल का अति प्रिय माना जाता है। ऐसे में लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन (चंदन के उपाय) से स्नान कराना चाहिए। गोपी चंदन से स्नान कराने से न सिर्फ लड्डू गोपाल प्रसन्न होते हैं बल्कि उनकी नित्य रूप से शुद्ध बनी रहती है।

लड्डू गोपाल को कराएं केसर से स्नान

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग भी किया जा सकता है। केसर से स्नान कराने से लड्डू गोपाल का मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में शुभता एवं सकारात्मकता बनी रहती है। घर में खुशहाली का आगमन होता है।

लड्डू गोपाल को कराएं पंचामृत से स्नान

लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना भी शुभ माना जाता है। हालांकि रोजाना पंचामृत का प्रयोग करने पर मनाही है। पंचामृत से स्नान मात्र मंदिरों में रोजाना होता है। घर में लड्डू गोपाल को उत्सव पर ही पंचामृत स्नान कराना चाहिए।

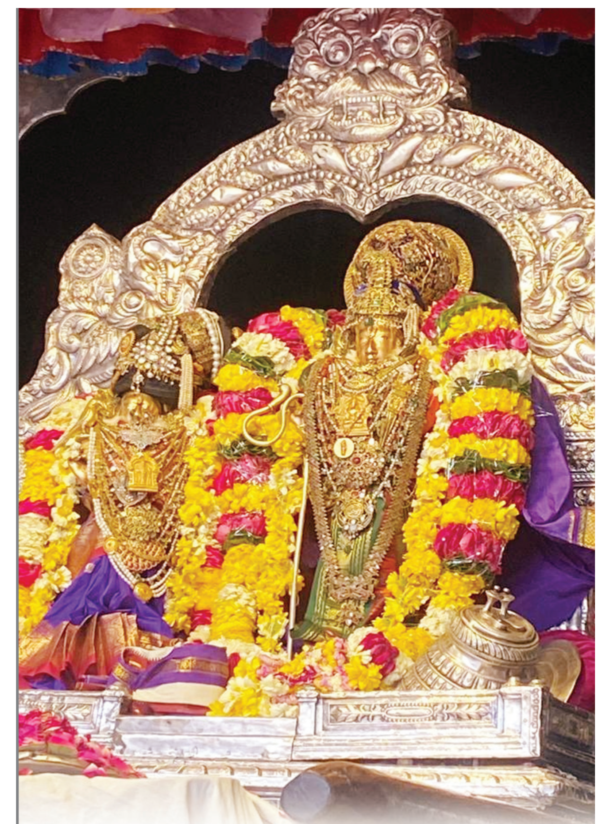

वृंदावन के इस मंदिर में होते हैं भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम के दर्शन

चौरासी कोस में समाये ब्रज का गढ़ है वृंदावन धाम जहां की हर एक गली और मंदिर श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है। वृंदावन में कई ऐसे मंदिर या स्थान हैं जो रहस्यमयी हैं और चात्मकारों की कहानियों से परिपूर्ण हैं। ऐसा ही एक मंदिर और है जिसके लिए यह कहा जाता है कि इस मंदिर में से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम का मार्ग जाता है।

वृन्दावन का रहस्यमयी मंदिर वृन्दावन में एक मंदिर ऐसा भी है जो दक्षिण शैली के आधार पर निर्मित है। इस मंदिर का नाम है रंगनाथ मंदिर। ब्रज में इस मंदिर (मंदिर जानें के लाभ) को रंगजी मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान रंगनाथ स्थापित हैं। इस मंदिर में मौजूद एक ऐसे द्वार के बारे में सुनने को मिलता है जो साल में मात्र एक बार खुलता है। यह द्वार वैकुण्ठ द्वार के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस द्वार के पीछे से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम तक का मार्ग जाता है। यही कारण है कि इस द्वार को वैकुण्ठ द्वार कहा जाता है। सिर्फ वैकुण्ठ द्वादशी के दिन इस द्वार को खोला जाता है। वैकुण्ठ (वैकुंठ और गोलोक धाम में अंतर) द्वादशी के दिन ही रंगनाथ भगवान इस द्वार से दर्शन देते हैं। इस द्वार को लेकर कई मान्यताएं भी हैं। एक मान्यता कहती है कि जो भी व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होता है अगर उसके पुण्यों के चलते उसे वैकुण्ठ धाम की प्राप्त होती है तो उसकी आत्मा विश्व में कहीं भी हो वह रंगजी मंदिर के इस वैकुण्ठ द्वार से भगवान विष्णु के धाम जाती है। दूसरी मान्यता यह है कि जो भी व्यक्ति इस वैकुण्ठ धाम के दर्शन कर लेता है उसे जीवन भर भगवान विष्णु का साथ और सानिध्य प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की कृपा हमेशा उस व्यक्ति पर बनी रहती है।

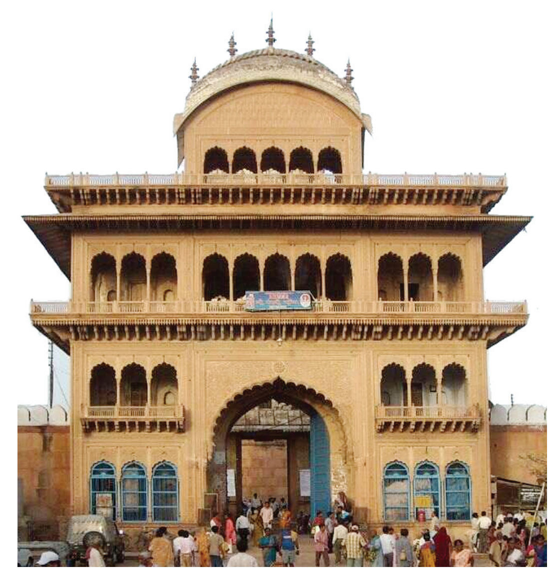

क्या घर में रख सकते हैं पारद शिवलिंग?

शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है।

आप में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जो घर में शिवलिंग की स्थापना करना चाहते होंगे या जिन्होंने घर में शिवलिंग की स्थापना की होगी। शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है। साथ ही, भगवान शिव भी नाराज हो जाते हैं। इसके अलावा, शिवलिंग स्थापना में गलती वास्तु दोष को भी जन्म देती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शिवलिंग की घर में स्थापना करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस धातु का शिवलिंग घर में लाना शुभ होता है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ऐसा शिवलिंग जो पारे और चांदी को मिलाकर बना हो, उसकी स्थापना से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और पूजा में किसी प्रकार का कोई दोष भी नहीं लगता है। इसके अलावा, चांदी और पारे से बना शिवलिंग घर में ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है। घर में ग्रह दोष उत्पन्न हो गया हो या फिर कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में पारद शिवलिंग की स्थापना घर में अवश्य करनी चाहिए। इससे शुभता आती है।

पारद शिवलिंग की घर में स्थापना करने से चंद्रमा की शुभता सबसे अधिक मिलती है क्योंकि चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को मानसिक बल मिलता है। निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और तनाव दूर होने लगता है।

कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

जेवर एयरपोर्ट और एयर कार्गो के लिए रेलवे वाला प्लान

58 गांवों से गुजरेगा ट्रैक

नईदिल्ली, एजेंसी। जेवर में बन रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को देशभर के अन्य हिस्सों से जोड़ने के लिए तैयार हो रही मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में एक और नई कड़ी जुड़ेगी। जेवर खादर और चांदहट के बीच रेलमार्ग पर एयर कार्गो के लिए अलग टर्मिनल बनेगा। इसके बनने से एयर कार्गो को देशभर में आसानी से भेजा जा सकेगा।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अधिकारी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लॉजिस्टिक और एविएशन हब बनेगा। यहां विमानों से जुड़े तमाम पार्ट्स बनाए जाएंगे। सितंबर अंत तक एयरपोर्ट से विमानों की उड़ान प्रस्तावित है। ऐसे में यात्रियों के साथ ही माल की आवाजाही के लिए सुगम यातायात की व्यवस्था की जा रही है। एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल को सड़क के जरिये यमुना और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने का काम चल रहा है।

अब इसे दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग से भी जोड़ा जाएगा, ताकि एयरपोर्ट से सामान को देशभर के अलग-अलग राज्यों और शहरों में भेजा जा सके। इस

परियोजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में जेवर खादर और चांदहट के बीच अलग टर्मिनल बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। दादरी के बोड़ाकी में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब प्रस्तावित है। यहां ट्रेन, मेट्रो, अंतरराज्यीय बस अड्डा की सुविधाएं विकसित होनी हैं। बोड़ाकी के पास रेलवे टर्मिनल बनेगा। इसके बनने के बाद पूर्व की ओर जाने वाली अधिकतर ट्रेनें यहीं से चलेंगी। ग्रेटर नोएडा और उसके आसपास रहने वालों को पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल के लिए ट्रेनें यहीं से मिल जाएंगी। उन्हें दिल्ली, नई दिल्ली और आनंद विहार रेलवे स्टेशन जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई रेलवे लाइन जुड़ने से एयरपोर्ट आना भी आसान हो जाएगा। यह रेलवे ट्रैक एनसीआर के 58 गांवों से गुजरेगा। परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए 45 जगहों पर रेल लाइन को सड़क के ऊपर से निकाला जाएगा। 61 किमी रेल लाइन को यमुना एक्सप्रेसले सहित अहम सड़कों से क्रॉस किया जाएगा, लेकिन ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे इस ट्रैक को दूर हो रखा जाएगा। हरियाणा के रुंधी से चांदहट के बाद रेलमार्ग को नोएडा एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए यमुना पर 350 करोड़ रुपये की लागत से ब्रिज बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

10 जून को दिनभर बंद रहेगा खाटू श्याम मंदिर

सीकर, एजेंसी। राजस्थान की सीकर जिला स्थित खाटू श्याम मंदिर तिलक और विशेष सेवा पूजा के चलते 10 जून को खाटू श्याम मंदिर का दरबार आमजन के लिए बंद रहेगा। श्री श्याम मंदिर कमेटी के मंत्री श्याम सिंह चौहा के मुताबिक 9 जून की रात 10 बजे श्याम मंदिर के कपाट बंद हो जाएंगे। अगले दिन सोमवार को 10 जून की शाम 5 बजे खुलेंगे। बता दें खाटू श्याम मंदिर में लाखों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं।श्याम बाबा को हारे का सहारा और तीन बाण धारी कहा गया है। लोग अपनी मनोकामना लेकर खाटूश्याम जी के दर्शन करने के लिए आते हैं। 9 जून को बाबा श्याम जी की विशेष सेवा और पूजा होगी। तिलक और श्रृंगार की वजह से पूरे दिन मंदिर बंद रहेगा। भक्त लखतादार के दर्शन नहीं कर पाएंगे। श्याम मंदिर कमेटी ने बताया कि 9 जून को रात 10 बजे से अगले दिन 10 जून को शाम 5 बजे तक कपाट बंद रहेंगे। मंदिर कमेटी ने भक्तों से अपील की है कि शाम 5 बजे बाद दर्शन करने आएं।

अगर शाहरुख ख़ान मेरी बायोपिक में मेरे प्रेमी की भूमिका निभाते हैं, तो अपनी भूमिका मैं खुद ही करूंगी

मुंबई, एजेंसी। नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में पिछले हफ़्ते रील स्पोर्ट्स जोड़ी - मिस्टर और मिसेज माही का पिछले एपिसोड में शानदार प्रदर्शन देखने के बाद, इस हफ़्ते दर्शक हमारे देश के गौरवशाली पदक विजेताओं - मैरी कॉम, सायना नेहवाल, सिफ्त कौर सामरा और सानिया मिर्ज़ा द्वारा पेश किए गए कुछ वास्तविक शॉट्स का मज़ा ले सकते हैं। सीज़न का 11वां एपिसोड पूरी तरह से मेहमानों के बेबाक अंदाज़ और मस्ती मज़ाक से भरपूर है।अपनी हाज़िर जवाबी और मज़ाकिया अंदाज़ के लिये जानी जाने वाली सानिया मिर्ज़ा ने अपनी बायोपिक के बारे में खुलकर बातें करते हुए बताया कि अगर उनकी बायोपिक बनती है तो उनके प्रेमी और उनकी (सानिया की) भूमिका कौन निभा सकता है। सानिया से उनकी पसंद के बारे में पूछते हुए कपिल शर्मा ने सवाल किया, मैरी कॉम की बायोपिक में प्रियंका चोपड़ा ने उनका किरदार निभाया था। सायना की बायोपिक में उनका किरदार परिणति चोपड़ा ने निभाया था। सानिया, अगर कोई आपकी बायोपिक बनाता है, तो आपको क्या लगता है कि कौन आपकी भूमिका के साथ न्याय कर सकता है? अपने स्वाभाविक अंदाज़ में सानिया मिर्ज़ा पूछती हैं, क्या उनकी कोई तीसरी बहन है? मुझे लगता है कि हमारे देश में कई अच्छी अभिनेत्रियाँ हैं, कोई भी कर सकती है, या फिर मुझे ख़ुद ही करना चाहिए? एक पुरानी घटना के बारे में बात करते हुए कपिल शर्मा ने प्रतिक्रिया दी, क्या मैं तुम्हें कुछ बताऊँ? मुझे यकीन है तुम इस बारे में ज़रूर जानती होगी। एक बार एक इंटरव्यू में शाहरुख खान ने कहा था कि अगर सानिया मिर्जा पर कोई बायोपिक बनती है तो मैं उनके प्रेमी की भूमिका निभाना चाहूँगा। क्या तुम किसी अन्य अभिनेत्री को अपनी भूमिका करने देंगी या आप खुद ही यह भूमिका निभाएँगी?

बहू ने ही करवा दी ससुर की हत्या; गिरफ्तार

नागपुर, एजेंसी। नागपुर में कारोबारी पुरुषोत्तम पुट्टेवार की हत्या के मामले में उनकी बहू को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में पता चला है कि 82 साल के पुट्टेश्वर की बहू ने ही उनकी हत्या की सुपारी दी थी। दरअसल 22 मई को कार से ठोकर लगने के बाद उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा नहीं बल्कि हत्या थी। पुलिस का कहना है कि 300 करोड़ की संपत्ति को लेकर उनकी बहू ने ही हत्या की सुपारी दी थी। मृतक कारोबारी की बहू अर्चना पुट्टेवार गड़चिरोली और चंद्रपुर टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट की असिस्टेंट डायरेक्टर हैं। वह पुरुषोत्तम के बेटे और ईएनटी सर्जन मनीष की पत्नी हैं। मनीष ने पुलिस को बताया था कि उनके पिता की मौत एक सड़क हादसे में हुई है। पुरुषोत्तम पैदल ही अपनी बेटी के घर की ओर जा रहे थे। तभी पीछे से आ रही कार ने उन्हें ठोर मारी। उनको गंभीर चोट आई थी। बाद में डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि जांच में पता चला कि यह योजना के साथ की गई हत्या थी। पुलिस के सूत्रों का कहना है कि अर्चना ने ही कई करोड़ की संपत्ति विवाद को लेकर पुरुषोत्तम की हत्या करवा दी। सार्थक बागडे से कहकर सुपारी किलर का इंतजाम किया था।

पूर्व सांसद आनंद मोहन ने नई सरकार से रेल मंत्रालय देने की मांग की

पटना , एजेंसी। दिल्ली में एक ओर जहां एनडीए सरकार बनाने की कवायद चल रही है, वहीं दूसरी ओर दबाव की रणनीति भी बनाई जा रही है। इस बीच, पूर्व सांसद और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी आनंद मोहन ने बिहार के हिस्से रेल मंत्रालय देने की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि बिहार को रेल मंत्रालय की मांग उचित है। यह मंत्रालय कई बार बिहार के हिस्से रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी रेल मंत्री रह चुके हैं और स्वर्गीय दिग्विजय सिंह सहित कई नेता रेल मंत्री का दायित्व निभा चुके हैं। उनके समय से जो काम अधूरे रहे हैं वो अगर पूरे करने हैं तो बिहार को रेल मंत्रालय चाहिए। पूर्व सांसद आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद ने शिवहर संसदीय सीट से जदयू उम्मीदवार के तौर पर जीत दर्ज की है। जदयू के वरिष्ठ नेता के. सी. त्यागी के बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग के विषय में पूछे जाने पर आनंद मोहन ने कहा कि वे अनुभवी नेता हैं और अगर उन्होंने कहा है तो ठीक ही कहा होगा।

आनंद मोहन ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 16 सालों में बिहार को 'जंगल-राज' से बाहर निकाला और विकासशील बिहार बनाया। अगर हम इसे विकसित बनाना चाहते हैं, तो 'विशेष' राज्य की मांग पूरी होनी चाहिए। पूर्व सांसद ने कहा कि अयोध्या में चुनाव के दौरान क्या हुआ, मुझे नहीं मालूम लेकिन, अयोध्या की तर्ज पर सीतामढ़ी में जानकी माता की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर बनना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव में एनडीए को सरकार बनाने के लिए जनादेश मिला है। हालांकि इस बार भाजपा के पास अकेले बहुमत नहीं है। इस कारण नई सरकार बनाने में घटक दलों की भूमिका बढ़ गई है।

जब तक जेल में हैं केजरीवाल, आप का संघर्ष रहेगा जारी

सीएम आवास में बैठक के बाद बोले गोपाल राय

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर गुरुवार को हुई बैठक में लोकसभा चुनाव के साथ आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। इसके बाद आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा, ऐसा नहीं है कि गठबंधन से फायदा नहीं हुआ है। गठबंधन से हार का अंतर कम हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पार्टी में निराशा का भाव फैल गया था। इसके बाद भी हमारे कार्यकर्ताओं, विधायकों, पार्षदों ने एकजुट होकर मजबूती से चुनाव लड़ा है। हमने तय किया है कि जब तक केजरीवाल जेल में हैं, हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

गोपाल राय ने कहा कि लोकसभा चुनाव में मिले जनादेश को लेकर पार्टी की बहुत चर्चा हुई। दिल्ली के अधिकारों को लेकर केंद्र सरकार जिस तरह हमले बोल रही थी, चुनी हुई सरकार के अधिकारों को छीन रही है, चुने हुए मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को जेल में डाल दिया है। अब जनता के जनादेश के बाद हमारी उम्मीद जगी है और हमें यकीन है कि केंद्र सरकार अपने फैसलों पर पुनर्विचार करेगी। पार्टी ने आगामी 13

जून को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। पार्टी नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री जेल में रहते हुए जितने भी संदेश देंगे उन्हें जनता तक पहुंचाया जाएगा। सीएम का आदेश है कि भीषण गर्मी में दिल्ली में जलापूर्ति में कमी नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन की मजबूती पर जोर देगी। पार्टी कार्यालय पर गुरुवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर अपनी पकड़ और मजबूत करनी होगी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया प्रदर्शन सराहनीय रहा और पिछले चुनाव के मुकाबले राजधानी में कांग्रेस का वोट प्रतिशत बढ़ने के साथ ही कई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवारों को भारी समर्थन मिला है। उन्होंने आगामी चुनाव से पहले संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर पार्टी की विचारधारा और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को लोगों में पहचान बनाने की जरूरत है। हर बूथ पर सक्रियता के साथ काम करना होगा।

रोक के बाद भी हसदेव अरण्य में हो रही जंगल कटाई

नेता प्रतिपक्ष ने विरोध करते हुए राज्यपाल को लिखा पत्र

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में हसदेव के जंगल में पेड़ों की कटाई का विरोध लगातार जारी है। इस बीच प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को पत्र लिखा है। नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल को पत्र लिखकर जल्द से जल्द हसदेव में पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने की बात कही है। महंत ने पत्र लिखकर कहा कि हसदेव अरण्य कोलफील्ड के सभी कोल ब्लॉक से उत्खनन एवं पेड़ों की कटाई के विरोहन की गतिविधियों को रोक लगाने एवं कूट रचित उत्तरदायित्व व्यक्तियों के खिलाफ अपराध पंजीबद करने के निर्देश के लिए राज्यपाल से आग्रह किया है।

डॉ. चरणदास महंत ने पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए लिखा है कि छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग ने परसा कोल ब्लॉक में उत्खनन के लिए आवश्यक अनुमतियां हासिल करने के लिए फर्जी ग्रामसभा प्रस्ताव पास करने की ग्रामीणों

के आरोपों की जांच की हैं। इस जांच में आयोग ने ग्राम सभा की फर्जी कार्यवाही के आरोपों को प्राथमिक रूप से सही पाते हुए परसा कोल ब्लॉक में खनन के लिए कोई भी अग्रिम कार्यवाही न करते हुए यथास्थिति बनाए रखने का आदेश 30 मई 2024 को किया है। आदेश की प्रति संलग्न है.ग्राम सभाओं की बैठकों में प्रस्ताव प्रस्तुत किए बिना तथा प्रस्ताव पारित हुए बिना ही कूट रचना करके कार्यवाही विवरणों में प्रस्ताव पारित होने का उल्लेख करना गंभीर आपराधिक मामला है, जिसे षड्यंत्रपूर्वक अंजाम दिया गया है। इस कूट रचित कार्यवाही विवरण के कारण ही 02.02.2022 के भारत सरकार की ओर से कोल ब्लॉक आवंटन रकबा 1136 हेक्टेयर (ग्राम परसा तथा केते) के लिए अनुमतियां दी गई। 23.10.2021 को अनसूईया उईके, छत्तीसगढ़ के तत्कालीन राज्यपाल की ओर से राज्य के मुख्य सचिव को एक पत्र प्रेषित करते हुए ग्राम सभाओं की कूट रचित कार्यवाहियों की जांच करने, प्रतिवेदन प्रस्तुत करने और जांच होने तक परसा कोल ब्लॉक में उत्खनन संबंधी कार्यवाहियों को रोक देने के लिए निर्देशित किया गया था, पत्र की प्रतिलिपि संलग्न है।

महंत ने कहा नहीं किया गया नियमों का पालन: छत्तीसगढ़ विधानसभा में 26 जुलाई 2022 को सर्वसम्मति से यह अशासकीय संकल्प स्वीकृत किया गया था कि, इस सदन का मत है कि हसदेव क्षेत्र में आवंटित सभी कोल ब्लॉक रद्द किए जाएं। सम्पूर्ण हसदेव अरण्य कोल फील्ड (जिसमें परसा कोल ब्लॉक शामिल है) पर संविधान की पांचवीं अनुसूची प्रभावी है और इसलिए इस क्षेत्र में पंचायत अनुबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 (पीईएसए) लागू है. इस अधिनियम की धारा 4 के खंड (ड.) के अनुसार यह आवश्यक है कि क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम सभा के द्वारा सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए योजनाओं, कार्यक्रमों और परियोजनाओं का अनुमोदन किया जाए। परंतु परसा कोल ब्लॉक के मामले में इसका पालन नहीं किया गया है।

एनडीए में शामिल होंगे नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल?

नागौर, एजेंसी। राजस्थान के नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल की नाराज होने की खबर है। बताया जा रहा है कि उन्हें इंडिया गठबंधन की बैठक में नहीं बुलाया। इसलिए नाराज है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बेनीवाल ने एनडीए में जाने से इंकार किया है। बता दें 2019 में बेनीवाल की आरएलपी एनडीए का हिस्सा थी, लेकिन किसान आंदोलन की वजह से बाहर हो गई। इस बार कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा है। बेनीवाल ने नागौर से बीजेपी की ज्योति मिर्धा का हराया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हनुमान बेनीवाल का कहना है कि इंडिया गठबंधन की बैठक में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और मुझे नजरअंदाज किया जा रहा है। इस कारण मेरी इंडिया गठबंधन से नाराजगी है, लेकिन मैं बीजेपी के साथ भी नहीं जा रहा हूं। बेनीवाल का कहना है कि 1 और 4 जून को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक हुई थी। जिसमें मुझे नहीं बुलाया गया। जब मैंने कारण पूछा तो कहा कि आप छोटे दल है। बेनीवाल ने कहा कि यह मेरा अपमान है। मेरी वजह से कांग्रेस को 20 लाख वोट मिले है। लेकिन इसके बावजूद मैं भाजपा के खिलाफ लड़ता रहूंगा। बेनीवाल ने कहा कि गठबंधन पहले हो जाता तो राजस्थान में कांग्रेस को और भी ज्यादा सीटें मिलती। हनुमान बेनीवाल पहले भी एनडीए का हिस्सा रह चुके है। हालांकि, इस लोकसभा चुनाव से पहले वे एनडीए से अलग हो गए और कांग्रेस के गठबंधन किया था। लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद हनुमान बेनीवाल ने कहा था कि जब मैं एनडीए से अलग हुआ था, तब उन्होंने कहा था कि आप हमारी वजह से जीते हो, तब मैंने कहा था कि इस बार आप आना और जीत कर दिखाना। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो ने कहा था कि कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नागौर से मुझे जिताने के लिए अपना पूरा दमखम लगाया और उसी का परिणाम है कि यहां से मेरी जीत हुई और बीजेपी प्रत्याशी ज्योति मिर्धा की हार हुई।

एनसीआर में तेंदुए का खौफ, शावकों के साथ दिखने से लोगों में खौफ

नईदिल्ली, एजेंसी। अरावली पहाड़ी से लगते ठाकुरवाड़ा मोहल्ला में मादा तेंदुआ और उसके दो शावक देखे जाने से लोग सहमे हुए हैं। लोगों के अनुसार तीन दिन में इसने दो बंदर और दो सूअर का शिकार किया है। तेंदुए के कारण शहरवासियों की नींद उड़ी हुई है। नगर परिषद के वार्ड-16 के ठाकुरवाड़ा मोहल्ला अरावली पहाड़ी की तहलटी में बसा है।

पिछले तीन दिन से अरावली पहाड़ी से आबादी क्षेत्र की गलियों में रात के अंधेरे में मादा तेंदुआ और उसके दो शावक देखे जा रहे हैं। यहां के निवासी राजेश राघव ने बताया कि अरावली पहाड़ी में खड़ी काबली कीकरों के बीच में से शाम होते ही तेंदुआ आबादी क्षेत्र की गली में आई और दो सुअरों को उठाकर ले गई। इसके अलावा आबादी क्षेत्र में ही दो बंदरों का भी शिकार किया है। शिकार करने के बाद तेंदुआ अपने बच्चों के साथ अरावली पहाड़ी में

चली जाती है। पहले भी बार-बार तेंदुए इस आबादी क्षेत्र से लगती अरावली पहाड़ी में देखे गए हैं। तेंदुए ने कई बार कुत्ते और बछड़ों को शिकार बनाया है। ठाकुरवाड़ा मोहल्ले में रहने वाले रामफल ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने अपने घरों में गाय और भैंस रखे हैं। गर्मी अधिक होने के कारण गाय-भैंस को अंदर कमरे में बंद करके नहीं रखा जा सकता है। उन्हें डर है कि मादा तेंदुआ गाय-भैंस पर हमला करने के दौरान बचाव में आने वाले लोगों पर भी हमला कर सकती है। अपने पशुओं की रखवाली में यहां के निवासी पूरी रात जाग रहे हैं। वार्ड-16 के पार्षद हरीश नन्दा ने कहा, जीव जंतु विभाग के अधिकारियों को आबादी क्षेत्र में आ रहे तेंदुए की शिकायत कर दी है। लोगों को तेंदुए पर किसी प्रकार से हमला न करने की सलाह दी है।

वन्य जीव विभाग के जिला निरीक्षक अधिकारी राजेश चहल ने कहा, अरावली पहाड़ी में रहने वाले वन्य जीव को बांधकर नहीं रखा जा सकता है। भोजन की तलाश में आबादी क्षेत्र में आ सकते हैं, लेकिन ऐसे में उनपर लोग किसी प्रकार का हमला न करें।

नवीन नटनायक के कुर्सी खाली करते ही नौकरशाहों ने भी दिया इस्तीफा

भुवनेश्वर, एजेंसी। विधानसभा चुनाव में बीजद की हार के दो दिन बाद मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का 24 साल का कार्यकाल समाप्त हो गया। मुख्यमंत्री का कार्यकाल खत्म होते की ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय के तीन अधिकारियों ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और मुख्य सलाहकार आर बालाकृष्णन और विशेष पहल और मुख्य सलाहकार सुरेश चंद्र महापात्रा ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। जबकि आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव मनोज मिश्रा ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। तीनों अधिकारी काफी समय तक सीएमओ में नौकरशाही का हिस्सा थे। उनके इस्तीफे सामान्य प्रशासन एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा 5 जून से स्वीकार कर लिये गये हैं। 1984 बैच के आईएएस अधिकारी बालाकृष्णन को मुख्य सचिव के पद पर सीएमओ में मुख्य सलाहकार (विशेष पहल) के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसमें विशेष विकास परिषदों, जनजातीय संग्रहालय, शिल्प संग्रहालय, हेरिटेज कैबिनेट के इनपुट, ओडिया विश्वविद्यालय और ओडिया की जिम्मेदारी शामिल थी। बता दें बालाकृष्णन की नियुक्ति को लेकर खूब बवाल मचा था। पूर्व मुख्यमंत्री के निजी सचिव वीके पांडियन से उनकी निकटता को लेकर काफी आलोचना हुई थी। उन्हें अगस्त 2019 में उन्हें मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार बनाया गया था। ओडिशा विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष सुरेश महापात्र को बालाकृष्णन की जगह मुख्यमंत्री कार्यालय का नया मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया था।

टी20 विश्व कपः 2024

अमेरिका ने पूर्व चैम्पियन पाकिस्तान को हराया

डलास, एजेंसी। 2010 में वह भारतीय टीम का खिलाड़ी था। अंडर-19 विश्व कप में खेल रहा था। केएल राहुल की कप्तानी में तब टीम इंडिया को पाकिस्तान से हार मिली थी। उस समय पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम थे। अब उस गेंदबाज ने अमेरिका की ओर से खेलते हुए उस हार का बदला लिया है। टी20 विश्व कप 2024 का आगाज पाकिस्तान के लिए उम्मीद के खिलाफ गया है। उसे विश्व कप (चाहे वह टी20 हो या वनडे) के इतिहास में लगातार दूसरी बार सबसे बड़े उलटफेर का शिकार बनना पड़ा है। वनडे वर्ल्ड कप में उसे अफगानिस्तान से हार मिली थी, जबकि अब अमेरिका से हार मिली। बाबर आजम की अगुआई वाली पाकिस्तान को चौंका देने के लिए मुंबई में जन्मे यूएसए के सौरभ नेत्रवलकर सुपर ओवर में सुपर स्टार साबित हुए। नेत्रवलकर को 18 रन बचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

नेत्रवलकर ने पाकिस्तान सिक्सर किंग कहे जाने वाले इफ्तिखार और शादाब को घुटनों पर ला दिया और 5 रन से जीत दर्ज की। जूनियर के तौर पर भारत की जर्सी पहनने वाले नेत्रवलकर ने टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान की शानदार शुरुआत की उम्मीदों को चकनाचूर कर दिया। 2010 में नेत्रवलकर ने अंडर-19 विश्व कप में भारतीय जर्सी पहनी, जहां युवा बाबर की पाकिस्तान ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हार एक कड़वी गोली थी। 14 साल बाद नेत्रवलकर ने 2024 के टी20 विश्व कप में एक काव्यात्मक उलटफेर की पटकथा लिखी। एक सनसनीखेज सुपर ओवर फेंकते हुए, उन्होंने बाबर की पाकिस्तान पर यूएसए को एक शानदार जीत दिलाई।

बाबर आजम ने किया स्वीकार, कहा- अमेरिका को हलके में लेना भारी पड़ा

डलास, एजेंसी। अमेरिका के हाथों टी20 विश्व कप के पहले मैच में सुपर ओवर में मिली अप्रत्याशित हार से स्तब्ध पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने स्वीकार किया कि विरोधी टीम को हलके में लेना उनकी टीम पर भारी पड़ गया। अमेरिका ने टूर्नामेंट का पहला उलटफेर करते हुए पूर्व चैम्पियन और पिछले उपविजेता पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया। पाकिस्तान को पिछले टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने हराया था और हाल ही में बाबर आजम की टीम द्विपक्षीय श्रृंखला में आयरलैंड से हारी है।

बाबर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'किसी भी टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ तैयारी जरूरी होती है। यह मानसिकता की बात है। सहयोगी देशों जैसी टीम के खिलाफ आप चीजों को हलके में ले लेते हैं। उन्होंने कहा, 'आप अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर पाते और सामने वाली टीम आपको हरा देती है।

इंडोनेशिया ओपन बैंडमिंटन

लक्ष्य इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता, एजेंसी। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद हालांकि महिला युगल में हारकर बाहर हो गई। उन्हें जापान की मायु मत्सुमोतो और वाकाना नागाहारा के हाथों कड़े मुकाबले में 21-19, 19-21, 19-21 से हार झेलनी पड़ी।

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंता निशिमोतो को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद हालांकि महिला युगल में हारकर बाहर हो गई।

उन्हें जापान की मायु मत्सुमोतो और वाकाना नागाहारा के हाथों कड़े मुकाबले में 21-19, 19-21, 19-21 से हार झेलनी पड़ी। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा का सामना दक्षिण कोरिया की हा ना बाएक और सो ही ली से होगा। मिश्रित युगल में बी सुमीत रेड्डी और सिक्की रेड्डी की टक्कर चीन की सिवेइ झेंग और याकिओंग हुआंग से होगी।

दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस का नेतृत्व करेंगे जैक्स कैलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने इंग्लैंड के एजबस्टन और नॉर्थम्पटनशायर स्टेडियम में 3 से 13 जुलाई तक होने वाली वर्ल्ड चैंपियंसशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम का नेतृत्व महान आलराउंडर जैक्स कैलिस करेंगे जिसमें इमरान ताहिर, हर्शल गिब्स, डेल स्टेन और जेपी डुमिनी जैसे पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं।

वर्ल्ड चैंपियंसशिप ऑफ लीजेंड्स में छह क्रिकेट ताकतों दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्ट इंडीज से छह टीमें उतरेंगी। इस टी20 टूर्नामेंट को इंग्लैंड एन्ड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मान्यता प्राप्त है जिसमें रिटायर्ड और गैर अनुबंधित खिलाड़ी उतरेंगे।

दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीमः

जैक्स कैलिस (कप्तान), इमरान ताहिर, हर्शल गिब्स (विकेटकीपर), मखाया एंटिनी, डेल स्टेन, एश्वेल प्रिंस, नील मैकेंजी, रयान मैकलॉरेन, जस्टिन ओनटोंग, रोरी क्लेनवेल्ट, जेपी डुमिनी, रिचर्ड लेवी, डेन विलास, वेर्नोन फिलेंडर, चार्ल लैंगवेल्ट ।

टीम इंडिया के गार्ड ऑफ ऑनर देने पर निकले आंसू

विदाई मैच के बाद भावुक हुए सुनील छेत्री

कोलकाता, एजेंसी। सुनील छेत्री ने मैच के बाद पूरे स्टेडियम का लैप ऑफ ऑनर भी लिया और दर्शकों को धन्यवाद दिया। भारतीय टीम ने छेत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया तो वह रोने लगे। भारत ने कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला।

भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री ने गुरुवार को कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर मुकाबले के साथ ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह दिया। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म किया। इस दौरान उन्हें अधिकारियों ने उपहार-ट्रॉफी और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

अपने आखिरी मैच के बाद छेत्री भावुक हो गए और मैदान पर ही रोने लगे। उन्होंने मैच के बाद पूरे स्टेडियम का लैप ऑफ ऑनर भी लिया और दर्शकों को धन्यवाद दिया। भारतीय टीम ने छेत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया तो वह रोने लगे। भारत ने कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। छेत्री भारत के फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया और उनका करियर लगभग दो दशकों तक

चला। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 151 मैच खेले और 94 गोल किए। उनके नाम भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड है।

मैच समाप्त होने के बाद छेत्री ने पूरे स्टेडियम में लैप ऑफ ऑनर लेकर फैंस को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। इसके बाद जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस जाने लगे तो टीम के साथी खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। एक भारतीय खिलाड़ी के रूप में आखिरी बार मैदान छोड़ते समय 39 वर्षीय छेत्री और भावुक हो गए। गार्ड ऑफ ऑनर के लिए आगे बढ़ने से पहले छेत्री रोने लगे। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान को अन्य खिलाड़ियों ने सांत्वना दी। इसके बाद छेत्री जर्सी बदलकर मैदान पर आए। उन्हें रोता देख स्टेडियम में मौजूद उनके माता-पिता भी रोने लगे। वहीं, पत्नी सोनम भी भावुक हो गई। भारत के पूर्व स्टार रॉबिन सिंह ने भी छेत्री को गले लगा लिया। जब छेत्री को सम्मानित किया जा रहा था तो परिवार वालों की आंखों में आंसू थे।

छेत्री के माता-पिता और पत्नी अपने आंसू रोकने के लिए संघर्ष करते दिखे। इतना ही नहीं स्टेडियम में मौजूद फैंस के भी सुनील छेत्री को भावुक देख आंसू निकल पड़े। राजस्थान रॉयल्स ने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें कैमरामैन को रोते हुए दिखाया। वहीं, स्टेडियम में लगातार सुनील छेत्री के नाम के नारे लगते रहे।

अब भारतीय टीम पूरी तरह से 11 जून को कतर के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर मैच पर निर्भर है। टीम इंडिया तब पहली बार बिना सुनील छेत्री के उतरेगी। भारतीय टीम पहली बार तीसरे दौर में पहुंचने के लिए खेल रही है।

भारत को अपने आखिरी मैच में बड़ा उलटफेर कर कतर को हराना होगा और उम्मीद करनी होगी कि एशियाई चैंपियन कतर एक और मैच में अफगानिस्तान को हरा दे।

टी-20 वर्ल्डकप 2024

हार, हार और हार... अब स्कॉटलैंड का पलटवार, नामीबिया को टी20 इंटरनेशनल में पहली बार दी मात

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप बी के मैच में स्कॉटलैंड के सामने नामीबिया की चुनौती थी। इस मैच को रिची बेरिंगटन की स्कॉटलैंड ने 5 विकेट से अपने नाम कर लिया। स्कॉटलैंड की यह टी20 इंटरनेशनल में नामीबिया के खिलाफ पहली जीत भी है।

पहले बैटिंग करते हुए नामीबिया ने ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल पर 155 रन बनाए। 9 गेंद रहते ही स्कॉटलैंड ने मैच को अपने नाम कर लिया। सुपर ओवर में ओमान को हराने वाली नामीबिया की यह टूर्नामेंट में पहली हार है। इंग्लैंड के खिलाफ स्कॉटलैंड का मैच बारिश की वजह से बेनतीजा रहा था। नामीबिया की शुरुआत खराब रही और कोट्जे खाता भी नहीं खोल पाए। पावरप्ले

में तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद इरास्मस ने फिफ्टी लगाकर टीम को संभाला। 14वें ओवर में वह 52 रन बनाकर आउट हुए।

31 गेंदों की पारी में उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के मारे। निचले क्रम में कोई भी बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाया। नामीबिया ने 9 विकेट पर 155 रन बनाए। ब्रैड व्हील ने तीन बल्लेबाजों को आउट किया तो ब्रैंडली करी ने भी दो विकेट लिए।

सरबजोत ने म्यूनिख निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता, खुला भारत के पदक का खाता

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए। उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा।

जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता। सरबजोत सिंह ने गत विश्व चैंपियन चीन के बोवेन झेंग और चार बार के ओलंपियन यूसुफ डिकेक की मौजूदगी वाली पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस स्वर्ण से आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदक का खाता भी खुल गया। भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए। उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा। जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता।

सरबजोत ने बुधवार को क्वालिफाइंग मुकाबले में 588 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, फाइनल में सरबजोत ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में अपना दूसरा व्यक्तिगत पदक जीता। इससे पहले उन्होंने पिछले साल भोपाल में भी स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले सरबजोत पेरिस ओलंपिक के लिए चयन ट्रायल में भी शीर्ष पर रहे थे।

सरबजोत ने चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2023 की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था और भारत के लिए पेरिस ओलंपिक का पहला पिस्टल कोटा हासिल किया था। पिछले साल एशियाई खेलों में सरबजोत ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता था।

फ्रेंच ओपन

गॉफ को हराकर फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचीं इगा स्वियातेक, खिताबी मुकाबले में पाओलिनी से टक्कर

पेरिस, एजेंसी। शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक का लक्ष्य पेरिस में पांच साल में चौथी बार फ्रेंच ओपन का खिताब हासिल करना होगा। वह 2007-09 में जस्टिन हेनिन के बाद लगातार तीन बार फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली महिला बन सकती हैं। इगा स्वियातेक ने गुरुवार को फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में कोको गॉफ को 6-2, 6-4 से हराकर रोलां गैरां में जीत का सिलसिला 20 मैचों तक पहुंचा दिया। शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक का लक्ष्य पेरिस में पांच साल में चौथी बार फ्रेंच ओपन का खिताब हासिल करना होगा। वह 2007-09 में जस्टिन हेनिन के बाद लगातार तीन बार फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली महिला बन सकती हैं।

फ्रेंच ओपन में अपना चौथा खिताब जीतने की कवायद में लगी स्वियातेक ने तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ को 6-2, 6-4 से पराजित किया। इस तरह से वह जस्टिन हेनिन (2007 से 2009) के बाद रोलां गैरा पर लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने से अब केवल एक कदम दूर है। स्वियातेक ने गॉफ के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 11-1 कर दिया है। उन्होंने इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार अमेरिकी खिलाड़ी को हराया। इनमें 2022 के फाइनल और पिछले साल के क्वार्टर फाइनल में दर्ज की गई जीत भी शामिल हैं।

पाओलिनी से फाइनल में सामना

अब तक चार ग्रैंड स्लैम जीत चुकी स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन में अपने विजय अभियान को 20 मैच तक पहुंचा दिया है। शनिवार को होने वाले फाइनल में उनका मुकाबला इटली की 12वीं वरीय जैस्मीन पाओलिनी से होगा। पाओलिनी ने दूसरे सेमीफाइनल में रूस की गैरवरीयता प्राप्त 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा को 6-3, 6-1 से हराया।

एडवर्ड-सिगेमुंड ने फ्रेंच ओपन का मिश्रित युगल खिताब जीता

एडवर्ड रोजर-वेसेलिन और लॉरा सिगेमुंड ने गुरुवार को यहां नील स्कुपस्की और डिजायर क्रॉजिक की जोड़ी को सीधे सेट में हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का मिश्रित युगल का खिताब जीता। पहली बार किसी टूर्नामेंट में जोड़ी बनाकर खेल रहे फ्रांस के रोजर-वेसेलिन और जर्मनी की सिगेमुंड ने स्कुपस्की और क्रॉजिक की जोड़ी को 6-4, 7-5 से हराया। सिगेमुंड इससे पहले 2016 में अलग जोड़ीदार के साथ अमेरिकी ओपन का मिश्रित युगल ओर 2020 में महिला युगल खिताब जीत चुकी हैं।

ज्वेरेव सेमीफाइनल में, दूसरे सेमीफाइनल में अल्कारेज-सिनर की टक्कर

चौथी वरीय जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने लगातार चौथी बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनोर को 6-4, 7-6 (5), 6-4 से पराजित किया।

सेमीफाइनल में उनकी भिड़ंत 2022 और 2023 के उपविजेता नॉर्वे के कैस्पर रूड से होगी। रूड को जोकोविच के चोटिल होने के चलते टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के कारण सेमीफाइनल में प्रवेश मिला। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में दूसरी वरीय और ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन इटली के यानिक सिनर की टक्कर स्पेन के तीसरी वरीय कार्लोस अल्कारेज के साथ होगी।

11 मैचों से अपराजेय हैं ज्वेरेव

इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे ज्वेरेव पिछले 11 मैचों से अपराजेय हैं। वह हाल ही में इटालियन ओपन का खिताब जीतकर आए हैं।

पहले दौर में महान राफेल नदाल को परास्त करने वाले ज्वेरेव को अब तक दो पांच सेटों के मुकाबले खेलने पड़े हैं। यहां वह सीधे सेटों जीते जरूर, लेकिन मिनोर ने महत्वपूर्ण मौके गंवाए नहीं होते तो ज्वेरेव यहां भी मुश्किल में होते। ज्वेरेव ने कहा कि यहां उनका सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 0-3 जरूर है, लेकिन आशा करता हूं कि मैं यहां जीत सकता हूं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
ई-पेपर
www.sonvarshavani.com
sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

हमें अपने विश्वास में और अधिक मजबूत होना है : आर्चबिशप

रांची, एजेंसी। नामकुम प्रखंड के उलहातु पल्ली के कूदागढ़ा गांव में कैथोलिक विश्वासियों के नये गिरजाघर का गुरुवार को उदघाटन हुआ. इससे पहले वहां मिस्सा पूजा अर्पित कर महाधर्माध्यक्ष (आर्चबिशप) विंसेंट आईंद ने इसका अभिषेक और उदघाटन किया. इस गिरिजाघर के बनने से स्थानीय लोग काफी खुश हैं. इस अवसर पर गांव के विश्वासियों ने महाधर्माध्यक्ष का भव्य स्वागत किया. सभी नाचते-गाते हुए महाधर्माध्यक्ष को गिरिजाघर तक लेकर गये. महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने बिना गिरजाघर और बिना पुरोहित के भी अपने विश्वास को बचाये रखा और उसमें मजबूत भी हुए. आज हमारे लिए गिरजाघर प्राप्त हुआ है, इसलिए हमें अपने विश्वास में और अधिक मजबूत होना है. मिस्सा के अंत में महाधर्माध्यक्ष ने ग्रामीणों को शुभकामनाएं दीं. इस अवसर पर खिजरी विधायक राजेश कच्छप, पल्ली पुरोहित फादर प्रफुल्ल तिग्गा, सहायक पल्ली पुरोहित फादर सुनील टोप्पो, फादर प्रदीप तिर्की, आरागेट के पल्ली पुरोहित बेसिल रुंडा आदि मौजूद थे.

सारंडा के जंगल से सीआरपीएफ जवान को एयरलिफ्ट कर भेजा रांची

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड के सारंडा जंगल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान को पैरालिसिस अटैक आ गया. उसे एयरलिफ्ट करके राजधानी रांची ले जाया गया है. सारंडा जंगल में तैनात सीआरपीएफ 26 बटालियन के जवान का नाम उत्तम कुमार बताया गया है. पैरालिसिस अटैक के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बीएसएफ के हेलीकॉप्टर से बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया.जैसे ही जवान को पैरालिसिस अटैक की जानकारी मिली, शुक्रवार को सुबह करीब 10 बजे बीएसएफ के हेलीकॉप्टर ने मेघाहातुबुरु मैदान स्थित हेलीपैड पर लैंड किया. हेलीकॉप्टर लैंड करते ही सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान गंभीर रूप से बीमार उत्तम कुमार को बिना देरी किये स्ट्रेचर से हेलीकॉप्टर के माध्यम से रांची ले जाया गया.

अगले साल से आईआईटी आईएसएम में होगी एआई और डाटा साइंस की पढ़ाई

धनबाद, एजेंसी। ऑनलाइन शॉपिंग, सोशल मीडिया, चैट जीपीटी यहां तक की कई मोबाइल एप्लीकेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल हो रहा है। अब आईआईटी आईएसएम, धनबाद में अगले साल 2025-26 से स्टूडेंट्स इसकी पढ़ाई करेंगे। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डाटा साइंस की भी पढ़ाई होगी। गुरुवार को संस्थान में सीनेट की बैठक में निर्णय हुआ कि एआई और डाटा साइंस की पढ़ाई एमटेक प्रोग्राम में शुरू होगी। प्रोग्राम का नाम एमटेक इन एआई एंड डाटा साइंस होगा, जिसके संचालन की जिम्मेवारी कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग को दी गई है। 30 सीटें वाले दो वर्षीय एमटेक के सत्र 2025-25 में में छात्र-छात्राएं नामांकन ले सकेंगे। एमटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में भी 30 सीटों पर दाखिले लिए जाएंगे। अब तक पीएचडी छोड़ 1563 विद्यार्थियों की अपनी डिग्री की पढ़ाई हुई है। समर सेमेस्टर के परिणाम के बाद डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों के आंकड़े बढ़ेंगे। निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा, एक्सटर्नल सदस्य के तौर पर झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो डीके सिंह, आईआईटी के उप निदेशक प्रो धीरज कुमार, रजिस्ट्रार, सभी डीन आदि मौजूद थे।आईआईटी धनबाद में इसी साल से नया 4 वर्षीय बीटेक प्रोग्राम भी शुरू हुआ है।

पूर्वी सिंहभूम में प्रतिदिन पांच लाख लीटर पानी की खरीदारी कर रहे लोग

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिले में बोतल बंद पानी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है. जिले में लगभग 300 से अधिक छोटे व सात से आठ बड़े प्लांट हैं. इनसे फिलहाल प्रतिदिन पांच लाख लीटर पानी की सप्लाई जिले के विभिन्न हिस्सों में की जा रही है. हालांकि ठंड के मौसम में पानी की खपत 250000 लीटर हो जाती है. छोटे प्लांटों की क्षमता 250 लीटर प्रति घंटे से लेकर 1000 लीटर तक की होती है. चूंकी छोटे प्लांटों को लगाने में काफी कम पूंजी लगती है, इसलिए जिले में इसके 300 से अधिक प्लांट हो गये हैं.

गर्मी के दिनों में बिक्री बढ़कर हुई दोगुनी : गोलपहाड़ी निवासी किशोर गिरी ने वर्ष 2019 से पानी के कारोबार में हैं. इनके पास 1000 लीटर प्रति घंटा पानी परिष्कृत करनेवाला प्लांट है. वे 20 लीटर के जार में पानी बेचते हैं. वे बताते हैं कि इस व्यवसाय में पूरे परिवार को लगना पड़ता है. इसमें काफी मेहनत हैं. फिलहाल वे 500 लीटर प्रतिदिन पानी की आपूर्ति कर रहे हैं. ऑफ सीजन में यानी ठंड के दिनों में इसकी खपत लगभग आधी हो जाती है. उन्होंने बताया कि प्रति 20 लीटर

के एक जार पर 10 रुपये का मुनाफा आता है. उन्होंने बताया कि इस कारोबार में आपकी मार्केटिंग अच्छी होनी चाहिए, अन्यथा इसका प्लांट लगाने से नुकसान भी हो सकता है. बाद में मशीन बेचनी पड़ सकती है.

प्लांट अधिक होने से कंपीटिशन अधिक : मानगो में स्प्रिंग ब्रांड से बोतल बंद पानी का कारोबार करने वाले संदीप काबरा बताते हैं कि वे 25 वर्षों से इस व्यवसाय में हैं, लेकिन अब जिले में कई ब्रांड के आ जाने से काफी कंपीटिशन है. पहले की तरह मुनाफा नहीं है.

पानी के छोटे प्लांटों का इंस्टॉलेशन करने वाले बागबेड़ा निवासी शिवम कुमार साहू बताते हैं कि यह प्लांट एक छोटे से 10 बाइ 10 के घर में भी लगाया जाता है. उन्होंने बताया कि 250 से 1000 लीटर प्रति घंटा उत्पादन करने वाला प्लांट लगाने में करीब 1.5 लाख रुपये से पांच लाख रुपये तक का खर्च आता है. यह प्लांट लगाकर आप 20 लीटर वाले जार में बेच सकते हैं. शिवम कुमार ने बताया कि एक लीटर वाले बोतल बंद प्लांट लगाने के लिए 40-45 लाख रुपये लग जाते हैं. जमीन व शेड पर अलग से खर्च करना पड़ता है. उन्होंने बताया कि जिले में सिर्फ सात से आठ बड़े प्लांट हैं. इनमें सिलड्रॉप, स्प्रिंग, एटलांटिक, सालिवा, नीरो आदि है.

लघु या कुटीर उद्योग के तहत पानी का प्लांट लगाने के लिए फूड लाइसेंस लेना होता है. यह ऑनलाइन या ब्लॉक से जाकर बनवाया जा सकता है. इसके अलावा इस व्यवसाय के लिए आइएसआइ प्रमाणपत्र, उद्योग आधार बनवाना पड़ता है. उद्योग आधार से बैंक से लोन लेने में सहूलियत होती है. बड़ा प्लांट लगाने के लिए रांची से फूड लाइसेंस व अन्य प्रक्रियाएं करनी पड़ती हैं। वाटर प्यूरीफायर का उद्योग हमेशा वहीं लगाना चाहिए, जहां पानी की उपलब्धता अधिक हो. अगर नगर निगम के पानी का उपयोग करते हैं, तो इसके लिए निगम से अनुमति जरूरी होती है.

वाटर यूनिट लगाने के लिए बीआइएस प्रमाण पत्र जरूरीफूड सेफ्टी ऑफिसर मंजर हुसैन ने बताया कि आर ओ बॉटलिंग यूनिट लगाने के लिए सबसे पहले बीआइएस विभाग से प्रमाण पत्र लेना पड़ता है. इसके बाद फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसआइ) से लाइसेंस बनाना होगा. साथ ही प्लांट में आरओ लेब्रोटरी व पैकेजिंग यू.निट बनाना पड़ेगा, जिसकी जांच बीआइएस के अधिकारी करेंगे.

मंजर हुसैन ने बताया कि वाटर प्लांट में काम करने वाले श्रमिकों का मेडिकल फिटनेस जरूरी है. क्योंकि प्लांट में काम करने वाले बीमार मजदूरों के कारण पानी दूषित न हो. श्रमिकों का मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र किसी सरकारी अस्पताल से जारी किया गया हो.

छंटनी के विरोध में पाइनियर कंपनी के साफ-सफाई कर्मी हड़ताल पर गए

चिरकुंडा, एजेंसी। चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में साफ-सफाई में लगे पाइनियर कंपनी के मजदूरों ने छंटनी के विरोध में गुरुवार को हड़ताल पर चले गए। सफाई कर्मियों के आंदोलन के कारण चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में साफ-सफाई का काम ठप हो गया। इस दौरान मजदूरों ने सफाई वाहनों व अन्य सामग्रियों को चिरकुंडा नगर परिषद कार्यालय के समीप खड़ा कर जमकर प्रदर्शन किया। बाद में अधिकारियों के समझाने के बाद लोग शांत हुए।

शुक्रवार से काम पर लौटने की बात कही। मजदूरों के आंदोलन के कारण गुरुवार को चिरकुंडा क्षेत्र में साफ-सफाई का काम ठप रहा। साफ़-सफाई का काम ठप होने से चिरकुंडा के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पाइनियर कंपनी के मजदूरों ने कहा कि कंपनी प्रबंधन मजदूरों की छंटनी करने का निर्देश जारी कर रहा था। जिसकी भनक हमलोगों को लग गई। इसके साथ ही सफाई कार्य में लगे वाहनों में डीजल भी कम दिया गया। जिसके विरोध में हमलोग हड़ताल में गए। नगर परिषद के सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन व पायनियर कंपनी के मदन कुमार ने कहा कि पाइनियर कंपनी में किसी प्रकार का मजदूरों का छंटनी नहीं होगा। वाहनों को भी समुचित डीजल दी जाएगी। शुक्रवार से चिरकुंडा नगर परिषद में पूर्व की भांति सफाई अभियान शुरू हो जाएगी।

दस दिवसीय शतरंज समय कैम्प का समापन, खेल को बढ़ावा देने पर जोर

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिम सिंहभूम जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित शतरंज समर कैंप का गुरुवार को समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की थीं। समारोह में संघ के अध्यक्ष मुकुंद रूंगटा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कैंप को सफल बनाने में गेस्ट प्रशिक्षक अंतरराष्ट्रीय मास्टर नीरज कुमार मिश्रा, विश्वजीत चटर्जी एवं संघ के मुख्य प्रशिक्षक मनीष शर्मा का भी उन्होंने अभिवादन किया। अंतरराष्ट्रीय मास्टर नीरज कुमार मिश्रा ने मंच के बीच एवं संघ के सदस्यों के साथ शतरंज के प्रशिक्षण की गतिविधि और बढ़ाने के लिए कुछ मुख्य बातें बताई। उन्होंने विशेष रूप से जिला खेल पदाधिकारी से आग्रह किया कि वह स्कूल में खेल की गतिविधि और प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले। इस दौरान रूपा रानी तिर्की ने बच्चों का अभिवादन किया एवं उन्हें खेल में निरंतर अभ्यास करते रहने की सलाह दी और कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से खेल की गतिविधियों में और इजाफा होगा।

संघ के महासचिव बसंत खंडेलवाल ने बताया कि 33 खिलाड़ियों ने इस प्रशिक्षण का लाभ उठाया एवं संघ शुक्रवार एवं शनिवार को शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक निरंतर प्रशिक्षण दे रहा है। मंच का संचालन जयदेव चंद्र त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन निर्मल चंद्र त्रिपाठी ने किया।

मां ने 9 साल के बेटे को प्रसाद में जहर मिलाकर खिलाया, मौत

धनबाद , एजेंसी। धनबाद जिले के गोमो में मां ने पांच साल के बेटे को प्रसाद खाने के लिए दिया। प्रसाद खाते ही बच्चा अचेत हो गया। नर्सिंग होम में ले जाने पर डॉक्टरों ने बच्चे को मृत बता दिया। घटना गुरुवार की सुबह हरिहरपुर थाना क्षेत्र के चैता गांव की है। बच्चे की मौत के बाद उसकी मां पायल देवी शक के घेरे में आ गई। हरिहरपुर थाना की पुलिस संदेह के आधार पर मासूम की मां पायल देवी तथा पायल देवी के मौसा अशोक कर्मकार को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

बच्चे के पिता पशुपति कर्मकार ने हरिहरपुर पुलिस को आवेदन देकर पत्नी और उसके मौसा आमटांड़ के अशोक कर्मकार पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हरिहरपुर थाना प्रभारी गिरधर गोपाल ने ग्रामीणों की सूचना पर चैता गांव से गुरुवार सुबह पशुपति कर्मकार के पांच वर्षीय बेटे सन्नी कुमार का शव बरामद किया। कागजी कार्रवाई के बाद शव को पुलिस ने

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लोगों ने पुलिस को ये भी बताया कि 15 दिन पहले भी पशुपति कर्मकार के नौ महीने के मासूम बेटे अमन कुमार की मौत हो गई थी।

बेटे की मौत के बाद भाग गई थी मां : हरिहरपुर थाना क्षेत्र के चैता गांव में बच्चे को जहर देकर मारने के मामले में पुलिस ने बताया कि मासूम की मौत के बाद बच्चे की मां पायल देवी अपने मौसा के साथ उनके घर आमटांड़ भाग गई थी। गुरुवार की सुबह पुलिस आमटांड़ पहुंची और दोनों को हिरासत में लिया। पशुपति कर्मकार की बहन यानी पायल की ननद ने पुलिस को बताया कि बुधवार को गांव में वट सावित्री की पूजा देखने बच्चे की दादी अपने पोता तथा पोती को लेकर गई थी।

पूजा के बाद वे अपने पोता-पोती के साथ घर लौटी और घर के सभी लोगों ने प्रसाद भी खाया। कुछ घंटों बाद सन्नी कुमार बेहोश हो गया था, जिसके बाद घर वाले उसे लेकर कतरास स्थित निजी हॉस्पिटल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत के बाद पायल उस मासूम को छोड़कर अपने मौसा के साथ उसके घर चली गई। पायल ने बताया कि बच्चे की मौत के बाद मेरी मौसी ने मुझे अपने घर बुला लिया था।

15 दिन पहले भी नौ महीने के बच्चे की हुई थी मौत : 15 दिन पहले भी इसी घर में पायल के नौ महीने के बच्चे अमन कुमार की मौत संदेहास्पद स्थिति में हुई थी। उस समय भी बच्चे की मौत के बाद पायल अपने मृत बच्चे को छोड़ कर अपने मौसा के घर चली गई थी। इसी कारण मामला संदेह के घेरे में पुलिस को लग रहा है, जिसकी छानबीन पुलिस कर रही है। हरिहरपुर थाना प्रभारी गिरधर गोपाल ने कहा, %बच्चे की मृत्यु संदिग्ध परिस्थिति में हुई है। प्रथमदृष्टया यह हत्या का मामला लग रहा है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के अच्छी खबर ! लंबित बहालियों में आएगी तेजी

रांची, एजेंसी। लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद पूरे देश में लागू आदर्श आचार संहिता हटा ली गई है। इसी के साथ यहां लंबित बहालियों में तेजी आने की पूरी संभावना है। कई पदों पर नियुक्तियों के लिए विभिन्न आयोगों को अधियाचना भेजे जाने की तैयारी अंतिम चरण में थी। आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण अधियाचना नहीं भेजी जा सकी थी।

अब आचार संहिता निष्प्रभावी होने के बाद शीघ्र अधिसूचना भेजी जाएगी। कुछ बहालियां आयोगों में भी लंबित है। इनमें झारखंड लोक सेवा आयोग से होनेवाली झारखंड पात्रता परीक्षा भी सम्मिलित है। इस परीक्षा के उत्तीर्ण होने के बाद राज्य के विश्वविद्यालयों में व्याख्याता नियुक्ति की पात्रता के साथ-साथ पीएचडी में नामांकन हो सकेगा।

जेपीएससी ने यह परीक्षा मई-जून माह में ही आयोजित किए जाने की सूचना जारी की थी। आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण इसका विज्ञापन ही जारी नहीं किया जा सका। झारखंड में 17 वर्षों से यह परीक्षा लंबित है। राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में जनजातीय भाषाओं की भी नियुक्ति होनी है।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इसे लेकर सभी जिलों को जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई करनेवाले छात्रों का सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद पदों का सृजन कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जेपीएससी में प्लस टू स्कूलों में प्राचार्य के पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया भी लगभग एक वर्ष से लंबित है।

इधर, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सहायक आचार्य की नियुक्ति के तहत कक्षा छह से आठ के पदों के लिए परीक्षा का आयोजन किया जाना है। झारखंड लोक सेवा आयोग तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग में इस माह विभिन्न श्रेणी के पदों पर विज्ञापन जारी होने की संभावना है।

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले विभिन्न विभागों ने कई नियुक्ति नियमावलियों को अंतिम रूप दिया था। उनसे संबंधित पदों पर नियुक्ति की अधियाचना आयोगों को भेजी जानी है।

रिटायर्ड महिला प्रोफेसर के खाते से ऑटो चालक ने निकाल लिए 27 लाख रुपए

रांची, एजेंसी। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हेसाग की रिटायर्ड महिला प्रोफेसर डॉ. भारती सिन्हा के खाते से ऑटो चालक ने 27 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़िता के भतीजे रोहित सिन्हा ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई तो पुलिस आरोपी ऑटो चालक सुनील कुमार साहू को पकड़कर थाना लाई। अनुसंधानकर्ता धीरज कुमार ने उससे पूछताछ की। इसके बाद वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

काफी खोजबीन के बाद भी जब वह नहीं मिला तो पुलिस ने उसकी प7ी बुलबुल देवी व बेटी अंतरा कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। उनसे 5.27 लाख रुपए और 3.24 लाख रुपए का जेवरात बरामद किया गया। पुलिस ने इसके अलावा एक डिजिटल सर्विस केंद्र के संचालक छोटू कुमार को भी गिरफ्तार किया है। सुनील उसी के खाते में रुपए ट्रांसफर करता था और उससे कैश ले लेता था।

एफआईआर दर्ज होने के बाद सुनील की खोज में पुलिस उसके घर पहुंची तो वहां कोई नहीं मिला। तभी पता चला कि उसकी प7ी और बेटी भी कुछ देर पहले ही ऑटो से निकली है। फिर पुलिस ने हटिया स्थित स्टेशन रोड में ऑटो को रोका। तलाशी ली तो उनके पास से नकदी और जेवरात मिले। फिर दोनों को लेकर पुलिस थाना पहुंची।

महिला प्रोफेसर पिछले कुछ महीने से अपने घरेलू काम के लिए ऑटो चालक सुनील की मदद लेती थी। इसकी एवज में कुछ पैसे भी देती थी। ऐसा कर उसने प्रोफेसर का विश्वास जीत लिया। उसके घर आना-जाना शुरू हो गया। कुछ दिन पहले महिला प्रोफेसर ने ऑटो चालक की बेटी को भी घरेलू काम के लिए अपने घर में रख लिया। बेटी के साथ मिलकर सुनील ने प्रोफेसर के मोबाइल से बैंक खाते की पूरी जानकारी निकाल ली। फिर छोटू के खाते में रुपए ट्रांसफर करने लगा। पीड़िता के भतीजे ने जब पासबुक अपडेट कराया तो इसकी जानकारी मिली।

सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए अब तक सरकार चयन समिति का गठन भी नहीं कर सकी

रांची, एजेंसी। झारखंड में मुख्य सूचना आयुक्त का पद करीब पांच साल (दिसंबर 2019) से रिक्त है। सूचना आयुक्तों के भी सभी पद मई 2020 से रिक्त हैं। आठ मई को अंतिम और एक मात्र सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर का कार्यकाल खत्म हुआ था, लेकिन हेमंत सोरेन के बाद चंपाई सोरेन के मुख्यमंत्री बनने पर भी सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की दिशा में कोई पहल नहीं हुई है।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि अब तक मुख्य सूचना आयुक्त व आयुक्तों की नियुक्ति के लिए चयन समिति ही नहीं बनी है। यही स्थिति लोकायुक्त की भी है। जून 2021 में जस्टिस डीएन उपाध्याय की कोरोना से हुई मौत के बाद से लोकायुक्त का पद खाली है। मुख्य सूचना आयुक्त व सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं होने के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के कारण वे व्यस्त थे। अब चुनाव खत्म हो चुका है। राज्य सरकार को घेरेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक चयन समिति ही गठित नहीं हुई है। यह सरकार की प्रतिबद्धता को दुहराता है।

पहले नेता प्रतिपक्ष को लेकर मुख्य सूचना आयुक्त व सूचना आयुक्तों की नियुक्ति लटकी रही। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार चयन समिति में नेता प्रतिपक्ष का होना अनिवार्य है। लेकिन, झाविमो छोड़कर भाजपा में आए बाबूलाल मरांडी को विधानसभा अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष मानने से इनकार कर दिया। क्योंकि, उनके विरुद्ध अध्यक्ष के न्यायाधिकरण में दल-बदल की याचिका दाखिल कर दी गई।

न्यायाधिकरण में मामला लंबा चला और चयन समिति का गठन भी लटका रहा, लेकिन अक्टूबर 2023 में भाजपा ने अमर कुमार बाउरी को नेता प्रतिपक्ष बनाया। उसके बाद भी आज तक सूचना आयुक्तों की नियुक्ति लटकी हुई है। हेमंत सोरेन के अंतिम कार्यकाल में हुई बैठक नतीजा- पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के कार्यकाल में चयन समिति की दो बैठकें हुईं। पहली बैठक औपचारिक रही। दूसरी में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए नए सिरे से आवेदन मांगने पर सहमति बनी।

लोहरदगा सीट कांग्रेस जीती लेकिन, स्थानीय विधायक ने बढ़ाया सियासी पारा, अटकलें तेज

लोहरदगा, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी के भीतर लोहरदगा में गुटबाजी की चर्चा हमेशा होती आई है। इस गुटबाजी की अटकलों को तब और बल मिल गया जब गुरुवार को कांग्रेस के नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत के आभार यात्रा में स्थानीय विधायक सह झारखंड सरकार के मंत्री डा. रामेश्वर उरांव क्षेत्र में होने के बावजूद भी शामिल नहीं हुए !

नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत द्वारा लोहरदगा कांग्रेस मुख्यालय से निकाली गई आभार यात्रा के दौरान विधायक सह मंत्री की अनुपस्थिति ने इन अटकलों पर एक तरह से मुहर ही लगा दी। हालांकि लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बेरुखी और असहयोगात्मक रवैया की चर्चा भी खूब हो रही थी, लेकिन तब कोई खुलकर कुछ भी नहीं बोल रहा था। चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता पूरी तरह से मुखर हो गए हैं। जिसकी बानगी कांग्रेस के व्हाट्सप्प ग्रुप में देखने को मिल रहा है, जहां भीतर घात करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। कांग्रेसी कार्यकर्ता दो गुटों में पहले से ही बंटे हुए दिख रहे हैं।ऐसे में लोहरदगा के स्थानीय विधायक सह मंत्री के क्षेत्र में होने के बाद भी आभार यात्रा से दूरी बनाकर रखने पर पार्टी के भीतर दरार की बातों को और भी पुख्ता कर दिया है। इससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।आभार यात्रा के लिए नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत एवं उनके समर्थक ने आमंत्रण भी दिया, मीडिया में खबरें भी छपी पर यह आमंत्रण विधायक सह मंत्री को मिला या नहीं यह पुष्ट नहीं है। बावजूद विधायक को क्षेत्र में होने के बाद आभार यात्रा में होने की बात को कांग्रेसी ही स्वाभाविक बता रहे हैं, लेकिन उनकी अनुपस्थिति ने कई सवालों को खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि कांग्रेस के भीतर ऐसी घटनाएं पार्टी की एकता के लिए गंभीर संकेत हो सकती हैं।

चर्चा यह भी है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच इस तरह की घटनाएं दर्शाती हैं कि पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। यह भविष्य में पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर भी असर डाल सकता है। झारखंड कांग्रेस के भीतर गुटबाजी संगठन के भविष्य के लिए एक गंभीर चुनौती हो सकती हैं।विधायक सह मंत्री के आभार यात्रा से दूरी बनाने पर विवाद और बढ़ गया है। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इन अटकलों को खारिज किया है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में पार्टी इस स्थिति को कैसे संभलती है।पार्टी के भीतर दरार की आशंकाएं कांग्रेस पार्टी के भीतर गुटबाजी की आशंकाएं तब से उठ रही हैं जब से झारखंड में हाल ही में हुए चुनावों के बाद विभिन्न नेताओं के बीच खींचतान की खबरें सामने आई हैं। लोहरदगा के विधायक सह मंत्री की आभार यात्रा से दूरी ने इन आशंकाओं को और बढ़ावा दिया है।कांग्रेस पार्टी के भीतर यह चर्चा जोरों पर है कि क्या यह अनुपस्थिति किसी आंतरिक असंतोष का संकेत है या फिर यह महज एक संयोग है।इस बीच, कांग्रेस पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने इन अटकलों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा के विधायक सह मंत्री डा. रामेश्वर उरांव की अनुपस्थिति का कारण उनके पूर्व निर्धारित कार्यक्रम होंगे।

झारखंड में अब 16 जून के बाद ही मानसून के पहुंचने के आसार

रांची, एजेंसी। राज्य में चल रहे तेज गर्मी से चक्र से फिलहाल राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग, रांची ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि झारखंड में अब 16 जून के बाद ही मानसून के पहुंचने के आसार है। 15 जून से राज्य में बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, अभी गर्मी का दौर जारी रहेगा। राज्य में कहीं-कहीं हीट वेव की स्थिति भी बनी रहेगी। इस दौरान राज्य का अधिकतम तापमान 38 से 46 डिग्री के बीच रहेगा। हालांकि, कई जिलों में मौसम में भी बदलाव होता रहेगा। कहीं-कहीं हल्के या मध्यम दर्ज की बारिश होगी।

राज्य के कई हिस्सों में अगले चार दिनों के दौरान कुछ जगहों पर तेज हवा और गरज के साथ वज्रपात होने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान विभिन्न जिलों में बारिश भी हुई। सबसे अधिक बारिश 40.2 मिमी धनबाद के राजदह में दर्ज की गई। जमशेदपुर में 11 मिमी बारिश होने से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। वहीं खूंटी, बोकारो, साहिबगंज, लोहरदगा, सिमडेगा, रामगढ़ में भी तेज हवा के साथ बारिश हुई।

रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा, %राज्य में अगले तीन दिनों के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्मी बढ़ने के साथ मौसम बदलाव होगा। इस दौरान तेज हवा और गरज के साथ कहीं कहीं वज्रपात होने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले दो दिनों के दौरान तापमान दो से तीन डिग्री तापमान में वृद्धि का अनुमान है।%पलामू और गढ़वा के साथ कोल्हान के कई जिलों में गुरुवार को भी उमस के साथ गर्मी का दौर जारी रहा। गढ़वा में एक व्यक्ति की लू से मौत हो गयी। सरायकेला में अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री दर्ज किया गया।